

् असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—श्वर 3—उप-श्वर (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

ਚ• 36] N . 36] नई दिल्ली, बृहस्पतिबार, जनवरी 22, 1981/माघ 2, 1902 NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 22, 1981/MAGHA 2, 1902

इस श्वाय में ज़िला पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह मलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ब)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1981

कायकर

का का 46(व).--केन्द्रीय प्रत्यक्षकर कोई, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदरन मिन्स्यो का प्रयोग करते हुए, भायकर नियम, 1962 का भीर संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, प्रथीत् --

- 1. (1) इस नियमों का संक्षिप्त नाम भायकर (संशोधन) नियम, 1981 है।
 - (2) ये 1 सप्रैल, 1981 की प्रवृत्त होगे।
- 2 श्रायशर नियम, 1962 के (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) नियम 5 व के पश्चात् निस्नलिखित नियम श्रन्त स्थापित किया जाएगा, श्रमत्. --

अवक्षयण और विनिधान मोक के लिए विहित विशिष्टिया

- "5क क (i) घारा 32 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट कटौतियों के प्रयोजन के लिए, स्तभाकार प्ररूप पर निम्नलिखिन विशिष्टियां दी आएगी, सर्वाद:--
- (1) मास्तियों का विवरण (भवन की वामत, यह उपर्दाणत करें कि निधारिती ने भवन पट्टे पर लिया है मा वह अमके स्वामिस्त में है) ;
- (2) विद्यमान मास्तियों का मनलिखित मूल्य;

(103)

(4) परिवर्धनों	मीर परिवर्तनों पर पूंजीगत व्यय ;	
(5) उपभोग की	म्रविध (केवल वहीं जहां विवरणी निर्धारण वर्ष 1969-70 था किसी पूर्ववर्ती वर्ष से संबंधि	त हों) ;
(6) संवेध धन	ती रक्षम विक्रस की गई स्यक्त की गई, तोड़ी गई या नष्ट की गई म्यास्तियों की वाबत स्क्री	प म्ह्य ;
(7) वह रकम	जिस पर अवस्मयण अनुक्रोय है, [मद (6) में निर्दिष्ट आस्ति से संबंधित रकम की छोड़कर मद	(2) से (4) तक का मौग];
(8) भक्कसमण	गेदर;	
(9) उन दिनों	की कुल संक्या, जिनमें कार्य किया गया है (केवल तभी दी जाए जब कि प्रतिरिक्त शिक्ट भ	तिकादावाकियाजाताहै) ;
	की कुल संख्या, जिनमें कार्य किया गया है—घोहरी शिफ्ट और तिहरी शिफ्ट (केमल तभी र n जाता है) ;	री जाए जब कि मितिरिक्त शिष्ट भत्ते क
(11) वाना किया	गया भवक्षयण	
(क) ग्रा	स्थिक मन्द्रसम्ण ;	
(ख) साम	ान्य भवकायण (जिसके अन्तर्गत अनुमोदित होटलों के लिए अतिरिक्त अवकायण भी है) ;	
(ग) শ্বরি	रिक्त प्रवक्तयण ;	
(घ) म्रिट	रिक्त शिपट भक्ता—वोहरी शिपट धौर तिहरी शिपट ;	
(12) कुल घवका	ाण ;	
(13) दावा की	गई विनिधान मोक (दर भी उपवर्शित करें) ;	
(14) टिप्पणियां	(पूर्ववर्ती वर्ष में घास्ति की बाबत मनुकात किसी घारम्भिक घवक्षण, विनिधान मोक या विक	ास रिनेट की रकम उपवर्शित करें) ;
	मास्ति की बाबत भवक्षयण धारा 37 की उपधारा (4) के खण्ड (ii) या धारा 40 व के खण्ड (क) के उपखण्ड (ii) के मधीन कटौती के रूप में मनुत्तेय नहीं है, वहां ऐसे मबर गएगा।''	
3. मूल नियम ने	नियम 12 के उपनियम (1) के खण्ड (ख) में,	
(1) তথকাড (i) के परन्तुक का लोप किया जाएगा ;	
(2) उपस्पापः (ii) का लोप किया जाएगा ;	
(3) उपखण्ड (iii) में, "ग्रीर ऐसे मामले जो खण्ड (ii) के मधीन नहीं ग्राते हैं" शब्दों कोष्टक ग्रीर शंकों व	का लोप किया भाएगा।
4. मूल नियम के	परिशिष्ट 2 में, प्ररूप सं० 1:2, 2क, 3 भीर 3क के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रक्षे ज	ाएंगे, प्रथति :
"प्ररूप सं० 1 घाय-कर घधिनियम, 1961 नियम 12(1) (क)	माय की विवरणी (घारा 11 के मधीन छूट का दावा करने वाली कम्पनियों से भिन्न कम्पनियों के लिए)	माय-कर कार्यालय में उनयोग के लिए
स्पष्ट भक्षरों में नाम		निर्घारण वर्ष
पता	टेली फोन	को समाप्त होने वाला (वाले) पूर्व वर्ष
पवि यह पुनरीकित विवरण	है तो क्रपया पूर्व विवरणी फाइल करने की तारीच लिखिए।	स्थायी लेखा संख्यांक
लिखिए क्या निकासी/मनिक	ासी * है ।	
	रें।	Transfer To The Control of the Contr

माय का शोर्ष		भ्राय/हानि (४०) (यदि कुछ नही हे तो कुछ नहीं* लिखिए)	
1. प्रतिभूतियों पर ब्याज (टिप्पण 1 देखिए)			
2. गृह संपत्ति से भाय (टिप्पण 2 वेखिए)			
 कारबार या वृत्ति के लाभ और प्रभिलाम [सट्टे के कारबार से प्राय/हानि (क), (ख), (ग) श्रीर (प) के सामने अलग-मलग लिखी जाए] 	(क) रिकस्ट्रीकृत कर्म केलामों में प्रंश (उपावंध क) (ब) प्ररिजय्ट्रीकृत कर्म या व्यक्तियों के संगम केलाभों में प्रंश		
अस्तर्भवन स्वजा जारी	(उपादश्च क)		
	(ग) बंद कर दिए गए किसी कारबार या कृति की बाबत प्राप्त कोई रकम-धारा 176		
*जो लागू न हो उसे काट दें।	**************************************		
	(य) कारबार या वृत्ति[सव (क), (ख) ग्रौर (ग) को छोड़कर] (टिप्पण 3 देखिए)		
4. पूंजी मिलाभ	(क) मत्यकालिक पूंजी मास्तियों से संबंधित		
(उपादंघ ख)	(ख) मन्य पूंजी मास्तियों से संबंधित:		
	(i) भूमि या भवन या उनमें काई ग्रधिकार (ii) ग्रन्थ ग्रास्तिया		
5. भ्रन्य स्रोतों से भाग (टिप्पण 4 वेष्टिए)	(क) लाभांग (ख) व्याज (ग) ग्रन्य मर्दे		
6. मद 1 से 5 तक का योग		ر من من من من من مناورز ومن مناور من مناور من مناور من مناور مناور مناور مناور ومناور ومناور ومناور ومناور ومن	
7. इनकी कटौती कीजिए '			
(क) धारा 32 (2), 35 (4), 36(1) (ix) भौर 72 से 79 तक के ग्रधीन पूर्व वर्षों से भग्रनीत भ्रनामेश्वित हानियां/मोक			
(ख) धारा 32क(3)/33(2)/33क(2) के ग्रधीन विनिधान मोक/विकास रिवेट/विकास मोक			
8. सकल कुल आय			
9. घटाइए : मनुक्षेय कटौतियां (उपावंध ग)			
10. कुल भ्राय (दम रुपये के निकटतम गुणज तक पूर्णीकित भारा 288क)			
(क) इन्हों में			
(सा) शब्दों में			
11. मद 1 से 5 तक में सम्मिलित शाय में जो धारा 60, 61 या 62 में निर्दिष्ट किसी भन्य व्यक्ति की उद्भूत होने वाली श्राय है।			

भाग II-∽करों का विवरण			
(कुल भ्राय पर कर) कुल भ्राय करने वाला विवरण संलग्न की		T	
—————————————————————————————————————	<u></u> - रर		
क. स्रोत पर काटा गया कर (प्र	माण-पत्न संलग्न कीजिए)		
1. प्रतिभूतियों पर ब्याज			
2. भ्रन्य व्याज			
3. लाभोभ			
4. कोई अन्य आय (क्रुपया विनिविष्ट कीजिए)			
योग	₹0		
स्त्रः प्रक्रिम कर (चालान संलग्न	,		
कीजिए) संवाय की तारीख	रकम		
 योग	₹o		
ग. स्वतः निर्धारण पर कर (चालान संलग्न कीजिए) संदाय की तारीख	रसम्		
म, ख और गका शोग			
भाग III— उस प्रा य की वि	————————— श्रीणष्टिया जिसकी बाध त यह	 इ दावा किया गया है कि उसे कर से छूट प्राप्त है झौर जो भाग	— —— —— —— —— —— (I, में सम्मिलिस नहीं की गई है।
विशिष्टया	 रकम 	किन कारणों से वह कराम्रेय नहीं है	
शग IVधाय की विवर	 णी देने में या श्रश्चिम कर के	क संबाय में व्यक्तित्रम के संबंध में विवरण ।	
1 यदि कानृत द्वारा नियत समय क्या प्ररूप स० 6 में आयेवन प्र		थिवरणी देने में थिलम्ब हुन्ना है तो कृपया यह बताइए कि	हां/नहीं
2. यदि हा तो कृपया मावेदन की	तारी ख ग्रौर उसकी रसी	द संख्यांक लिखिए ।	******
3. यदि माय की विवरणी देने र विवरण में विष्णाने चाहिए ज		में व्यितिकम हुग्रा हैता उमके लिए का रण घलग से एक ।ए।	
		सत्यापन (टिप्पण 5 बेखिए)	
春		ों में पूरा नाम) को	
म, *पवाकी प्रती।पत्नी प्रीरःःःः	(न्पष्ट अक्षर	ा म पूरा नाम) जा	*******
2.d. 2d		·····································	
(कम्पनी का न		 (पदनाम)	ų
सत्यानिष्ठा से घोषणा करता/करती	हूं कि इस विवरणी ग्रौर	इस में संलब्न उपबंधो ग्रौर विवरणों मे दी गई जानकारी मेरे सब ग्रौर ग्रन्य ब्यांशे का उल्लेख सही-सही किया गया है ग्रौर ये ि	

107 [माग II——खण्डः ३(ii)] मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूं कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान :--(क) कम्पनी को उसके नाम में या किसी घन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी घ्रास्ति से कोई घन्य ग्राय न तो प्रावृक्त हुई है, न उद्शृत हुई है भीर न प्राप्त हुई है ; (७) किसी भ्रन्य व्यक्ति की भाग सहित ऐसी कोई भ्रन्य श्राय नही है जिसको बाबत करूपनी, भ्राय-कर श्रधिनियम, 19-1 के श्रधीन कर से प्रश्नाय *मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करमा/करती हूं कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान :~~ (क) उस व्यक्ति को जिसकी कुस भ्राय के संबंध में कम्पनी निर्धारणीय है, उस व्यक्ति के जिसकी कुल भ्राय के संबध में कम्पनी निर्धारणीय है नाम में या किसी मन्य व्यक्ति के नाम से धारित किसी मास्ति से कोई भन्य माय न तो प्रावस्त हुई है, न उद्भुत हुई मीर न प्राप हुई है ; (ख) ऐसे किसी बन्य व्यक्ति की बाय सहित जिसको बाबस उस व्यक्ति पर जिसको कुल श्राय के सबंध में कम्पनी निर्धारकीय है, शायकर अधिनियम, 1961 के ब्रधीन कर प्रशर्य है कोई अन्य ब्राय नहीं है। मैं यह भी घोषणा करता/करती हूं कि मैं (पदनाम) की हैसित में कम्पनी की मोर से विवरणी तैयार करने घीर इसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूं। स्थान : तारीख: *जालागून हो उसे काट दीजिए । उपाबन्ध कः कारबार या वृत्ति के लाभ ग्रीर ग्रभिलाभ किसी फर्मया व्यक्तियों के संशम से ग्रंग क. रजिस्ट्रीकृत फर्म कारबार (सट्टे में शिन्त) श्रौर यृत्ति लाभ/हानि में श्रंण की रकम 2. कटौती की जिए (यवि उपर्युक्त ग्रंक हानि का है तो जोड़िए) वाबाह्यन व्यय (ब्यौरे दीजिए) 3 मुद्ध लाभ/हानि जो पृष्ठ 1 पर मद 3 (क) में ने जाई गई है ख अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तियों के संगम कारबार (सट्टे से भिन्न) ग्रोर वृत्ति सट्टे का कारकार 1 लाभ/ह।नि में ग्रंग की रकम 2. भटीतो की जिए (यदि उपर्युक्त ग्रंक हानि का है तो जोडिए) दावाकृत व्यय (ब्यौरे दोजिए) 3. मुद्ध लाफ |हानि जो पृष्ठ 1 पर मव 3 (ख) में ले जाई गई है उपाबंध खः पूंजी मन्त्रिलाभ (टिप्पण ६ देखिए) मस्पकालिक पूंजी भास्तियों से संबंधित पूंजी भ्राप्तिकाश इसमें से घटाइए: वह रकम जिसके लिए घारा 53, 54 ख या 54 व के प्रधोन खूट दी गई है।

पुष्ठ । पर मद 4 के भाग (क) में ले जाई गई मुद्ध रकाम

अस्पकालिक पूंजी आस्तियों से भिन्न पूंजी आस्तियों के संबंध मे पूजी अभिलाभ

वह रक्षम जिसके लिए धारा 63, 54 ख, 54 घ फ्रोर 54 छ में छूट दो गई है। इसमें से घट।इए :

6				
		^	_	
	-	rw	m	יהי

पुष्ठ 1 पर मद 1 के भाग (ख) में ले जाई गई मुख रक्षम उपाबंध ग : कटौितया (टि'पण 7 देखिए) विभिष्टिया मक्षम 1. संदान जिसे धारा 80छ लागू होती है 2 पिछड़े क्षेत्रों में नए स्थापित किए गए श्रौधांगिक उपक्रम या होटल कारधार से लाभ धौर धिशाल—धारा 80 जज	रकम ग्रहंग रकम कटौती की रकम
विभिष्टिया स्थल 1. संदान जिसे धारा 80छ लाग् होती है 2. पिछक्के क्षेत्रों में नए स्थापित किए गए श्रीद्यांगिक उपक्रम या होटल कारधार से लाभ धीर धरिलाश—धारा 80 जज	रकम ग्रहंक रकम कटौती की रकम
 संदान जिसे धारा 80छ लाग् होती है पिछड़े क्षेत्रों में नए स्थापित किए गए श्रौधांगिक उपक्रम या होटल कारधार से लाभ श्रीर श्रिश्लाश—धारा 80 जज 	रकम ग्रहँस रकम कटौती की रकम
2 पिछक्के क्षेत्रो में नए स्थापित किए गए श्रीधांगिक उपक्रम या होटल कारधार से लाभ ध्रीर श्रमिलाभ—धारा 80 जल	——————————————————————————————————————
मिश्लिश—धारा ४० जज	
with the contract of the state	
 अतिपय क्षेत्रों में स्थापित किए गए नए लघु श्रीद्यांगिक उपक्रम से लाभ श्रीर श्राधिलाभ—धारा ৪০ जअक 	
 4 नए स्थापित किए गए श्रौद्यांगिक उपक्रम या पोत झथवा होटल कारबार से लाभ श्रौर श्रभिलाभ (1) उस निर्धारण वर्ष की धावत कटौती जिससे यह विवरणो संबंधित है। (2) पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों की धावत कमीधारा ৪০ জ্ব 	
 নए स्थापित किए यए ग्रीद्योगिक उपक्रमों या पास या होटल कारबार से लाभ ग्रीर ग्रशिलाभ—- धारा ৪০। 	
 पशुद्धन प्रजनन या तुग्ध उद्योग या कुक्कुटपालन के कारबार से लाभ ग्रीर ग्रमिलाभ —धारा 80 का 	
7. छद्रक (ख्म्बी) उपजाने के कारबार से लाभ ग्रीर ग्रामिलाभ—धारा ৪০ হা হা क	
8 श्रन्य कटौतियां, यदि कांई है (स्थौरे धीजिए)	
उपाबन्घ घःकरदायित्व भ्रौर प्रभिलाभ की संगणना के बारे में विशिष्टियों का विवरण (टिप्पण 8 दे	 खिए)
कर-वायित्व की संगणना के लिए संस् गत विशिष्टिया	
1. क्या कम्पनी	— — — <u> </u>
(क) कोई भारतीय कम्पनी है ?	* हां/न ह ों
(ख) कोई विदेशी कम्पनी हैं जिसने भारत के भीतर लाभांश की घोषणा धौर उसके संवाय के लिए वि क्यवस्थाकी है ?	
2. यदि भव 1 (क) या (ख) का उत्तर "हां" में है तो—	611.1 6 1
 (क) क्या वह घारा 2(18) के घनुमार ऐसी कम्पनी है जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हितप्रद है या घार 108(खा) में निर्विष्ट कोई समनुष्यी कम्पनी है ? 	ा *हां/न ही
(यदि उत्तर "हां" में है तो इस बात के लिए एक विवरण सलग्न कीजिए कि मुसंगत धारा में विनिर्दिष्ट किस प्रकार पूरी की जाती हैं)	
(ख) यदि (क) का उत्तर ''नहीं'' मे हैं तो क्या कम्पनी धारा 104(2)(ii) या 104(3) के श्रघीन की गई किसी श्रधिसूचना के श्रन्तर्गन श्राने का दावा करती है ?	जारी *हां/नही
(ग) क्या कम्पनी, वार्षिक वित्त श्रधिनियम में परिभाषित कोई भ्रौद्योगिक कम्पनी है या कोई बैंककारी क या कोई विनिधान कम्पनी या कोई ज्यापारिक कम्पनी है ?	
3. क्या कम्पनी श्रतिकर का सदाय करने के लिए दायी है ?	* हा/ <mark>नही</mark>
4. यदि मद 3 का उत्तर "हां" में है तो क्या प्रभार्य लाभों की विवरणी दी गई है यदि हां, तो किय नारोख को	

∌षपाबन्ध——ड:धारा 133/139 के प्रधीन मपेक्षित विणिष्टियां

- *1. किसी फर्म या व्यक्तियों के संगम के भागीदार /सवस्य की वशा में, फर्म/व्यक्तियों के संगम का नाम भीर पता भीर प्रत्येक भागीदार/सदस्य का नाम, पता भीर उनके भपने-भपने भंग विशिष्ठ करने वाला विवरण सुवान कीजिए।
- 2. किसी श्रन्थ व्यक्ति के न्यासी या भभिकर्ता की बणा में, ऐसे अन्य व्यक्तियों के नाम श्रीर पते दर्शित करने वाला विवरण संतरन कीजिए।
- 3. यदि निर्धारिती ने पूर्व वर्ष के दौरान किराया, कमीशन, रायण्टी या दलाली अथवा ऐसी किसी वाधिकी का (जो ''वेतन'' शीर्ष के अधीत निर्धारणीय वाधिकी नहीं हैं) जो एक हजार रुपये से अधिक हैं, संवाय किया है तो पाने वाले के नाम और पने संदत्त की गई रकमें विश्वत करने वाले (संवाय के लिए अक्कृति के अनुसार) तथा अलग-अलग विवरण सलगन कीजिए। यदि पाने वाला व्यक्ति कोई अनिवासी हैं, तो यह बताइए कि क्या कर की स्रोत पर कटौती कर ली गई है और वह रकम केन्द्रीय सरकार के खाने में जमा कर दी गई है।
- 4. किसी स्टाक या वस्तु एक्सचेंज के प्रबन्ध से संबद्ध किसी व्यवहारी, बलाल या ग्राधिकर्ता ग्रायवा किसी व्यक्ति को चाहिए कि वह ऐसे सब व्यक्तियों के नाम भीर पते विशंत करने वाला एक विवरण दे, जिनको उसने या एक्सचेज ने पूर्व वर्ष में ऐसी किसी राशि या संकलित राशियों का संवाय किया है जो (क) "भन्तर" के रूप में 2,000 रु० से भ्राधिक है भीर (ख) प्रास्तियों के भन्तरण के संबंध में, भले ही वह विकय, विनिमय या भन्य किसी रूप में हो 10,000 रु० से भ्राधिक है, या जिनकी भ्रोर से भ्रथवा जिनसे उसने या एक्सचेंज ने कोई ऐसी राशि प्राप्त की है। इसके साथ उसे ऐसे सभी सक्षायों भीर प्राप्तियों की विशिष्टियां (रकम, तारीख भ्रावि) भी इस विवरण में दर्शित करनी चाहिए।
- 5. यदि निर्धारिती धारा 192, 193, 194 194क, 194ख, 194खाब, 194ग, 194धया 195के प्रधीन कर की स्रोत पर कटौली करने का दायी है तो निम्नलिखित बातों के संबंध में जानकारी देने की कृपा करिएः →
 - (क) स्रोत पर कटौती की गई कर की रकम
 - (ख) क्या ऐसे कर का संदाय केन्द्रीय सरकार को कर दिया गया है?
 - (ग) क्या विहित विवरणियां सम्बद्ध भाय-कर ग्रधिकारी को भेज दी गई है।

विष्पणः 1 निम्नलिखित विशिष्टियों भौर ''प्रतिभृतियों पर ब्याज'' शीर्ष के प्रधीन प्रभार्य ग्राय की संगणना इस विवरणी से संलग्न विवरण में दी जाए, भर्यातृ:–

साधारण विशिष्टियां

(1) प्रतिभृतियों की विशिष्टियां (2) भंकित मूल्य (3) वर्ष के दौरान देय प्राप्त ब्याज की सकत रकम/सरकारी प्रतिभृतियों भीर डिबेंचरों तथा मन्य प्रतिभृतियों के संबंध में प्रलग-अलग ब्यौरा दीजिए। (4) स्रोत पर कटौती किए गए कर की रक्तम (5) टिप्पणी उदाहरणार्थ कर मुक्त प्रतिभृति की दशा में इस कालम में "कर मुक्त" शब्द लिखिए।

आय की संगणना

(सरकारी प्रतिभूतियों भौर दिवेंचरों तथा ग्रन्य प्रतिभूतियों के लिए भ्रलग-ग्रनग दी जाए)

(1) देय या प्राप्त सकल रक्तम [साधारण विशिष्टियों की मद (3) से] (2) घटाइए: (क) ब्याज की वसूली के लिए ब्यय—धारा 19 (1) 20 झीर (ख) प्रतिभृतियों पर ब्याज की सुद्ध रक्तम जो पुष्ठ 1 पर मद 2 में ले जाई गई हैं धीर जो (1) में से (2) को घटाकर निकलने वाली रक्तम है।

ढिष्पणः 2 प्रत्येक गृह सम्पति के लिए "गृह संपक्ति से म्राय" शीर्थ के ब्रधीन निम्नलिखिन विशिष्टियां/प्राय की संगगता इस विवरणों से संजग्न विवरण में वी जाए, प्रपत्ः—

गृह सम्प्रिस से आय (किराए पर दी गई संपत्ति)

साधारण विशिष्टियौ

(क) सम्पत्ति की भवस्थिति, (ख) वार्षिक नगरपालिका मृत्यांकन

आय की संगणना

- (क) वह राशि जिस पर संपत्ति के वर्षानुवर्ष किराए दिए जाने की युक्तियुक्त रूप से प्रत्याणा की जा सकती है या जहां संपत्ति किराए पर दी जाती है भौर उसकी बाबत प्राप्त किया गया या प्राप्त वार्षिक किराया उक्त राशि से भ्रधिक है—भ्रारा 23 (1), (ख) कटौतियां: (1) नगरपालिका करों की वह रकम जो स्वामी द्वारा यहन की जाती है—भ्रारा 23 (1) का प्रयम परस्तुक, (2) नई निर्मित संपत्ति के लिए मोक—श्रारा 23 (1) का द्वितीय परन्तुक (ग) वार्षिक मूल्य को (क) में (ख) को घटाकर निकलने वाली रकम है, (घ) कटौतियां (1) मरम्मत—वार्षिक मूल्य का पृष्ठांश—धारा 24 (1) (i), (ii) बीमा—श्रारा 24 (1) (ii),
- (3) वार्षिक प्रभार-धारा 24 (i) (iv); (vi) भूमि किराया-धारा 24 (i) (v); (v) उधार की गई पूंजी पर ब्याज-धारा 24 (1) (vi), (vi) भू—रांजस्व आदि—धारा 24 (1) (vii); (vii) किराया संग्रहीन करने का प्रभार जो उक्त (ग) से दर्णिन वार्षिक मृत्य के 6 प्रतिशत तक सीमिति होगा:—धारा 24 (1) (viii) दिक्त रहना—धारा 24 (1) (ix) बसूल न किया जा सकने वाला किराया—धारा 24 (1) (x) भौर नियम 4; (इ) उक्त (घ) में की गई कटौतियों का योग, (ज) ग्रन्य संपत्ति से मुद्ध प्रभार्य ग्राय जो (क) में से (इ) को घटाकर निकलने वाली रकम है।

- हिष्पण 3 . "कारबार या वृत्ति के लाभ और मभिलाभ" शीर्ष के भ्रधीन प्रभार्य भाय के संबंध में निम्नलिखित विशिष्टियों भाय की विवरणो से समान किए जाने वाले विवरण में दी जाएं, भ्रयान्.—
- (1) कारबार या वृत्ति (फर्म/व्यक्तियों के संगम में भ्रण से भिन्त) ;
- (i) वह नाम, जिस नाम से कारबार या वृत्ति चलाई जा रही हैं, (ii) कारबार या वृत्ति के मुख्य स्थान का पता (iii) शाखाओं के नाम भीर पते, (iv) कारबार या वृत्ति की प्रकृति, (v) लेखा रखने का तरीका, (vi) स्टाक मूल्यांकन का तरीका, यह वताइए कि क्या यह वाणिज्यिक/ नक्व/मिश्रित हैं, (vii) विनिर्माण लेखा भौर/या व्यापार लेखा (यदि भारन्भिक स्टाक, अब अत्यागम घटाकर) विक्रय (अत्यागम घटाकर), बन्द स्टाक (वर्षित करने के लिए आवश्यक हो तो फिर से तैयार करें), लाभ भौर हानि लेखा या भ्राय भीर व्यय लेखा/ऐसा हो कोई भन्य लेखा भौर दुलनपत्न की प्रतियाँ संलग्न की जाए (यदि लेखाओं की संपरीक्षा की गई हैं तो संपरीक्षित लेखाओं की प्रतियां लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की प्रति के साथ लगाई जाए), यदि कम्पनी की लागत लेखा सपरीक्षा कम्पनी भिश्रित्यम, 1956 (1956 का 1) की धारा 233 ख के भिश्रीत की गई हैं तो लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की एक प्रति निदेशक के वैयक्तिक लेखाओं को प्रतिया भी संगात को जाएं (viii) संविदा कार्य में लगे हुए निर्धारितियों द्वारा दी जाने वाली भनित्वन जानकारी——

*जो लागून हो उसे काट दीजिए।

- (क) यदि उस ब्यक्ति द्वारा, जिसके साथ संविदा की गई थी, प्रदाय की गई सामग्री का मूल्य या उसके द्वारा (किए गए कार्य के लिए देव संदाय में से) प्रति-धारित प्रतिभूति निक्षेप को दिखाई गई सफल प्राप्तियों में सम्मिलित नहीं किया गया है तो यहां उपको रक्षम बताइए। सामग्रियों का मूल्य '''' प्रतिभूति निक्षेप की निक्षेर '''' प्रतिभूति निक्षेप का मूल्य ''' प्रतिभूति निक्षेप का मूल्य ''' प्रतिभूति निक्षेप का मूल्य ''' प्रतिभूति निक्षेप का मूल्य '''
- (स) क्या धारा 285क के अधीन संबंधित आय-कर अधिकारी को भवत निर्माण या प्रदाय की संविदाओं के संबंध में जातकारी दे दी गई है ? *हां/नही
- (ix) चलचित्र फिल्मों के निर्माताओं द्वारा वी जाने वाली भ्रतिरिक्त जानकारी क्या धारा 285 ख के भ्रधीन संबंधित भाय-कर भ्रधिकारी को चनिवन्न फिल्मों के निर्माण में लगाए गए व्यक्तियों को किए गए सहायों का वितरण दे दिया गरा है?
- (2) पूर्व वर्ष के लिए कारबार या वृत्ति से निर्धारणीय लाभ/हानि की संगग
- 1. किसी फर्म/ध्यक्तियों के संगम/ध्यष्टियों के निकाय के लाभों में श्रंशों को छोड़कर, लाभ ग्रौर हानि लेखा के भनुसार लाभ या हानि, जोड़िए (यदि उक्त भक हानि का द्योतक है तो कडीती कीजिए)
- 2. निम्निलिखित के संबंध में लाभ धौर हानि लेखा घावि के नामे डाली गई रकमें ——(क) पूर्वतर वर्षों को हानियां (ख) धाय-कर मितिकर, गास्ति घावि; (ग) पूर्व या उपहार की प्रकृति के व्यय (घ) पूर्जी व्यय, (ङ) व्यय मौके घौर संदाय जिनकी कटौती घारा 40 (क), 40क (5) या (6) के घंधीन नहीं की जा सकती हैं (स्थीने दीजिए): (च) व्यय घौर भन्ने जिनकी कटौती नहीं की जा सकती हैं ——प्रारा 40 (ग), (छ) धनुन्नेय व्यय—धारा 40क (2) (ज) इस विवरणी में घन्यत्र कटौती के कर में दावा किया गरा व्यय; (म) घनशत्र —िजन पर घनग से विचार किया गया है, (ज) विनिधान मोक, विकास रिबेट घौर विकास मोक —िजन पर घलगमें विचार किया गया है (घरूप सं० 5 घौर 5क संलग्न कीजिए); (ट) इतन्त और शकास्वर ऋगों के ति । अर्थाका या व्यवस्था इवन्त घोर शंकास्वर ऋगों की उस व्यवस्था से भिन्न स्था स्था स्था स्था स्था स्था

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

- 3. लाभ और हानि लेखा बादि के नामे डाले गए बन्य व्यव बादि--उस परिमाण तक जहां सक वे ब्रानुहोत्र नहीं है:
- (क) ऐसी भ्रास्थियों का जिसका उपयोग पूर्णतः कारबार के लिए नही किया जाता है, किराया, रेट, कर, मरम्मत भौर बीमा भ्रीमियम— धारा 30: 31 ।
- (खा) म्राम्थियों के विकय पर हानि-धारा 32(i)(iii) ब्यौरे वीजिए।;
- (ग) पुनर्वास मोक—धारा 33व्व (स्पौरे दीजिए)—(घ) वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय या वैज्ञानिक अनुसंधान संगमों को दी गई राशिशं आदि— धारा 35 (स्पौरे दीजिए) (ङ) पेटेंट अधिकारो या प्रतिलिप्याधिकारों पर व्यय—धारा 35क (च) प्राम विकास मोक—धारा 35गग (छ) ग्राम विकास कार्यक्रमों को चलाने के लिए या ऐसे कार्यक्रमों को कियान्वित करने के लिए व्यवस्त्रयों के प्रशिक्षण के लिए संगमों और संस्थामों को संदायों के हप में व्यय धारा 35गगक (ज) प्रारम्भिक व्यय—धारा 35ध (स्पौरे दीजिए); (क्ष) खनिजों के पूर्वक्षण और विकास के लिए व्यय—धारा 35% (स्पौरे दीजिए), (ङ) बोनस का प्रनितृत्रय परिमार्ग तक संदाय—धारा 36(i)(ii), (ट) अविष्य निधि, प्रधिवाधिकी या उपवान निधियों में अभिदाय—धारा 36(1)(4) और (5); (ठ) डूबल्त और शंकास्पद ऋणों के लिए व्यवस्था—धारा 36(i)(7क) (इ) सत्कार व्यय धारा 37(2) (2क); (ढ) किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रकाशित किसी स्मार्गिका, विवरणों का आदि में विज्ञापन पर व्यय—धारा 37 (2ख); (ण) विज्ञापन पर और प्रतिथि गृहों के प्रनुरक्षण तथा कर्मचारियों की याजा पर अन्य व्यय—धारा 37(3) और (4) निथम 6ख और 6अ; (त) विज्ञापन, प्रचार और विकर्य बढ़ाने पर समायोजित व्यय-धारा 37(3क); (केवल निर्धारण वर्ष 1979-80 और 1980-81 के लिए लागू, (घ) ऐसा व्यय जो क्षान चैक द्वारा किए जाने से प्रत्यथा किया जाए—आरा 40क(3)/नियम 6अव; (द) उपदान के संदाय के लिए की गई व्यवस्था—धारा 40क (7); (ध) निक्षेपों की यावत स्थाज के रूप में व्यय—धारा 40क(8):, (न) कोई प्रत्य व्यवस्था/भारितिन/ धन्य व्यव जो धारा 28 से 44थ तक के प्रधीन अनुतेय नहीं है;
- 4. वे रकमें जो लाभ मौर प्रभिलाभ लेखा मादि में जमा नहीं की गई है (क) धारा 41(1), (3) मौर (4) के मधीन प्रभाव लाभ (व्यौरे वीजिए) (ख) धारा 41(2) भौर (2क) के मधीन प्रभाव लाभ (व्यौरे वीजिए) (ग) मन्य कोई प्रभाव लाभ मौर मिनिताभ (व्यौरे वीजिए)
- मद 1 से 4 तक का योग 1 घटाइये (यदि मद 5 में घंक नकारात्मक है तो जोड़िए);

- 🗲 6. नीचे (3) के घनुसार संगणित ग्रवक्षयण,
- 7. ''कारबार या वृत्ति के लाभ और ग्रामिलाभ'' शीर्ष से भिन्न शीर्षों के श्रधीन प्रभाय श्राय या किसी पूर्वतर वर्ष में कर से प्रभारित की जा चुकी श्राम जो लाभ ग्रौर हानि लेखा श्रावि में जमा कर दी गई है,
- 8. दैशानिक श्रनुसधान/निर्यात बाजार विकास मोक/कृषि विकास मोक पर व्यय की बाबस कटौती जो लाभ भौर हानि लेखा के नामे डाली गई रकम के प्रक्रिक्स में श्रमुक्तेय है—∸धारा 35, 35वा भौर 35 ग,
 - 9 धारा 28 से 44व तक के अधीन वाबाकृत कोई अन्य स्पय/कटौती (स्यौरे वीजिए),
 - 1 . मद 6 में 5 तक का थोग,
 - 11. लाभ/हानि का श्रतिशेष (मद 5 में से मद 10 को घटा कर श्राने वाली रकम है)
 - (3) विवरणों से सलप्त एक विवरण में अवश्ययण मोक और विनिधान मोक की बाबस निम्नलिखित विणिष्टियां दी जाएं, अर्थात् (1) मास्यियों का वर्णन (भवन के संबन्ध में यह बताध्ये कि क्या भवन पट्टे पर लिया गया है या निर्धारिती के स्वामित्व में है), (2) विद्यमान मास्यियों का मव-लिखित मूल्य, (3) पूर्व वर्षों के दौरान अजित आस्ति की वास्तिक लागत, (4) परिवर्धनों या परिवर्तनों पर पूंजी व्यय, (5) उपयोग की अवधि (केवल तब बताई आए जब विवरणी निर्धारण वर्ष 1969-70 या किसी पूर्वतर वर्ष के संबन्ध में है), (6) विकय की गई, त्यक्त कर दी गई, दा दी गई या नव्द कर दी गई मास्तियों की बाबत स्केप मूल्य, (7) वह रक्तम जिस पर अवश्यण मृत्रोय हैं [मद (ii) से (iv) तक का योग जिसमें मद (vi) में निर्दिष्ट आस्यियों से संबन्धित रक्तम मिमलित नहीं हैं], (8) अवश्यण की दर, (9) उन दिनों की कुल संख्या जब काम किया गया (केवल तब दी जाए जब मिलिस्त पारी मोक का दावा किया जाता है), (10) उन दिनों की कुल संख्या जब दोहरी पारी और तिहरी पारी में काम किया गया (केवल तब दी जाए जब मिलिस्त पारी मोक का दावा किया जाता है), (11) दावा किया गया मवक्षयण— (क) आरंभिक अवक्षयण (ख) सामान्य भवक्षयण (जिसके अन्तर्गत अनुमोदिन होटलों के लिए भ्रतिरिक्त भवक्षयण भी है) (ग) अलिरिक्त पारी मला—वोहरी पारी तथातिहरी पारी, (12) कुल सबक्षयण, (13) दावा किया गया विनिधान मोक (दर भी बताइए), (14) टिप्पणियों (आरंभिक अवक्षयण, विनिधान मोक या विकास रिवेट की रकम बताइए जो आस्ति के संबन्ध में किसी पूर्वतर वर्ष में अनुज्ञात किया गया है)।

टिप्पण 4 साभाग क्याय के तथा "क्रन्य स्रोमों से श्राय" शीर्ष के क्रधीन प्रभाय श्रीय की मंगणना की बाबत निम्नलिखित विधिष्टिया निवरणी के साम संलग्न किए जाने वाले एक पृथक विवरण में वी जाएं, क्रथित्ः—

लामाशों का विवरण

(i) कस्पनी का नाम (ii) क्षेयरो की संख्या (iii) लाभागों की सकल रकम (iv) स्रोत पर कटौती किया गया कर।

ब्राय की संगणना

तिम्निलिखित की बाबत क्यौरा दीजिए— (i) सकल धाय (ii) वाबाकृत क्यय (iii) मुद्ध ध्राय जो (i) में से (ii) घटाकर निकलने वाली रक्तम है) (क) लाभांग, (ख) प्रतिमूतियों पर क्याज या कारंबार के लाभों के रूप में प्रभार्य क्याज से भिन्न क्याज (ग) ध्रन्य मदें जो (i) मशीनरी, संयंत्र फर्नी-कर या भवन का किर।ए पर दिए जाने से होने वाली धाय—धारा 56(2) (ii) और (iii), (ii) धारा 59 (iii) के घ्रधीन कर से प्रभार्य लाभ, (iii) ध्रन्य मदें—क्यौरे दीजिए (घ) उक्त (क) (ख) धौर (ग) की बाबत शुद्ध धाय पृष्ट 2 पर मदें 5 (क), 5(ख) और 5(ग) में ले जाई जाएगी।

हिष्पण 5 : घोषणा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को स्वयं ग्रपना यह समाधान कर लेना चाहिए कि विवरणी तथा उससे संलग्न उपाबन्ध ग्रीर विवरण सभी प्रकार से सही भौर पूर्ण है ।

इस जिवरणी में या इससे संलग्न उपायन्धों या विवरणों में मिथ्या कथन करने वाले व्यक्ति पर श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 277 के ग्राधीन ग्राभियोजन चलाया जा सकेगा श्रीर सिद्ध दोष होने पर वह

- (i) ऐसे मामले में जहां वह कर जिसका अपवंचन करने का आगय है, 1 लाख रुपये से अधिक है वहां कठिन कारावास से जिसकी भवधि छह मास से कम नहीं होगी किन्तु साथ वर्ष तक की हो सकेगी। और जुमिन से बंडनीय होगा ;
- (ii) किसी अन्य मामले में कठिन कारावास से जिसकी अवधि तीन मास से कम नहीं होगी किन्तु तीन वर्ष तक की हो सकेगी, और जुर्माने से दण्ड-नीय होगा ।

पुंजी अभिलाभ

साधारण विशिष्टियां

टिप्पण 6:

पूजी क्रास्तियों के ऐसे क्रन्तरण से जिसके परिणामस्वरूप पूंजी क्रिक्शिश होता है, उद्भूत होने वाली "पूंजी क्रिक्शिश" शीर्थ के क्रिक्शीन प्रभार्य क्राय के संबन्ध में निम्नलिखित विशिष्टियां प्रत्येक क्रास्ति की बाबत दी जाए:

(क) म्रास्ति क। वर्णन : स्थावर संपत्ति की दशा में उसकी उपस्थिति, (ख) प्रर्जन की तारीख, (ग) मन्तरण की तारीख (घ) म्रंतरिती का नाम मौर कता यदि निर्वारिती के साथ उसकी कोई नातेदारी या संबन्ध है तो वह बनाइए।

पूंजी श्रमिलामी की संगणना

- (क) धरनरण के प्रतिफल का पूरा मूल्य, (ख) कटौतियां (i) ध्रास्ति तारीख, 1 जनवरी, 1964 को घ्रास्ति के धर्जन की लागत या उसका बाजार मूल्य—धारा 49, 50 घौर 51, (ii) पूंजी घ्रास्ति के सुधार की लागत—धारा 55 (1) (ख), (iii) घ्रम्तरण के संबन्ध में व्यय—धारा 48(1), (ग) मव (ख) में से कटौतियों का योग (घ) पूंजों अभिनाभों की रकम जो मव (क) में से मद (ग) को घटाकर घाने वाली रकम है।
 - टिप्पण 7 . यदि निर्धारिती की कर मुक्त प्रतिभूतियों पर ब्याज के रूप में कोई घाय है या घन्य कोई ऐसी धाय है जिस पर करका रिबेट धनुत्रेय है अथवा उसकी ऐसी भाग है जो उस कुल भाग में सम्मिलित की गई है जिस पर धारा 90 या 91 के अधीन बोहरे कराधान से राहन का दाका किया गया है तो उसका ब्यौरा एक अलग विवरण में दीजिए।
 - टिप्पण 8 विवेशी कस्पनी से भिन्न किसी ऐसी कस्पनी की वशा में, जिसने भारत में लागांगों की घोषणा ग्रीर संबाय के लिए विहित व्यवस्था नहीं की है। घोषित लाभाशों के संबन्ध में एक ग्रलग विवरण में निम्नलिखित विशिष्टियां दी जाएं, ग्रयांत्.---
 - (क) वार्षिक साधारण बैठक की तारीख (यदि यह विवरणी प्रस्तुत करने से पूर्व हुई हो) जिसके समक्ष पूर्व वर्ष का लेखा रखा गया; (ख) उन्त साधारण बैठक में घोषित लाभांश की रकम; (ग) लाभाण की घोषित रकम जो पूर्व वर्ष के दौरान संवितरित या संदत्त की गई—
 (i) ——————————— को हुई वार्षिक साधारण बैठक में घोषिन लाभांश (ii) धारा 2(22) के प्रध्यान्तर्गत माने गए लाभांश (iii) ग्रन्तरिम लाभांश—धारा 3(ख)।

प्ररूप सं० 2 भायकर-भिधिनियम, 1961 नियम 12(1)(ख)(I)	श्राय की विवरणी उन (कम्पनियों भीर धारा 11 के प्रधीन छूट क दावा करने वालों से भिन्न) निर्धारितियों के लिए जिनकी कुल भाय के भन्तर्गत ''कारबार या वृक्ति के लाभ भीर भ्रभिलाभ'' भी हैं।	श्रायकर कार्यालय मे उपयोग के लिए ा
स्पष्ट ग्रक्षरों में नाम		निर्घारण वर्षे 🕠
कार्यालय का पता	टेलोकोन	को समाप्त होने वाला (वाले) पूर्ववर्ष
नियास स्थान का पता	टेलीफोन	स्थायी लेखा संख्यांक
लिखिए नया *व्यप्टि/हिन्दू प्रविभन्त कुटुम्ब/फर्म/व्यन्तियों क कृत्रिम विधिक व्यक्ति है ।	ा संगम/ब्यप्टियों का निकाय/	लिखिये क्या *निवासी हैं निवासी है किन्तु मामूली तौर पर निवासी नहीं है
		मनिवासी है।
यदि यह पुनरीक्षित विवरणी है तो कृपया पूर्व वि	ववरणी फाइल करने की तारीख्रालिखिये।	
भाग-1कुल भाय जिसके भन्तर्गत भ्रग्य व्यक्तियों की भ विवरण		—————————————————————————————————————
धाय का शीर्ष		न्नाय/हानि (रु०) (यदि कुछ नहीं हो तो) "कुछ नही" लिखिए।
1. वेतन (टिप्पण 1 देखिए)		
2. प्रतिभृतियों पर अथाज (टिप्पण 2 वेस्तिए)		
3. गृह सम्पत्ति से ग्राय (उपाबन्ध क)		
4. कारबार या वृत्ति से लाभ भीर ग्रभिलाभ	(क) किसी रजिस्ट्रीकृत फ	र्म के लाओं में शयर (ग्रंश) (उपायन्य स
	(खा) किसी ग्ररजिस्ट्री के लाभो मे शेय	ाक्टत फर्मं/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निवाह ार (अग्र) (उपायन्स खं
सद्धे के कारबार से माय/हानि (क), (ख), (ग) मीर (ग्रसग लिखी जाएं।	घ) के सामने भ्रालग- (ग) किसी बन्द कर कि कोई रकम⊸-ध	दिए गए कारबार या पृत्ति की <i>बाबत</i> प्राप्त धारा 176
	(घ) कारबार या वृत्ति टिप्पण 3 देखिए	ामद (क), (खा), ग्रीर (ग) को छोड़क

^{*} या गान हो उसे काट वीजिये।

संदाय की तारीख -------

–क खाझनैर गकासोग

^{*}जो लागुन हो उसे काट दीजिए ।

भाग III उस ग्राय की विशिष्टियां जिसकी बाबत यह	वाचा किया गया है कि उसे कर से छूट दे दी जाए	तथा जो भाग । में सम्मिलित नहीं की नई है
विशिध्टियां	(本 和	किन कारणों से उस पर कर नहीं लगाव जा सकता है
भाग IV द्वाय की विवरणी देने में या ब्राग्रिम कर	. प्रथवा श्रनिवार्य निकोप के संबाय में व्यतिकाम के संब	-ध मे विश्वरण
 यदि कासून क्षारा नियत समय सीमा के भीतर आय बताइए कि क्या प्ररूप 6 में प्रावेदन फ़ाइल कर दिया है 	•	*हां/मही
 यदि हो, सो भावेदन की तारीख धौर उसकी रसीद संख्यां 	क विश्विए।	
 यदि झाय की विवरणी देने में या अग्निम कर (अथव उसके लिए कारण झलग में एक एक विवरण में दिए 		
*ओ लागू न हो उसे काट वीजिए।		
	सत्यापन (टिप्पणी ६ देखि ए)	
Ħ,		
जो		पूर्ण हैं भीर उसमें विभिन कुल झाय की रकन
मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करती/करता हूं कि	उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान	
(क) मुझे मेरे नाम में या किसी <i>धन्य व्यक्ति</i> के न प्राप्त हुई है।	नाम में धारित किसी ग्रास्ति से कोई श्रन्य श्राय न त	ो प्रोद्भृत हुई है, न उद्भृत हुई है झौर न
(खा) किसी ग्रन्थ व्यक्ति की श्राय सिंहत ऐसी कोई	अन्य क्राय नहीं है जिसकी सायत में श्राय-कर भ्रधि	नियम, 1961 के प्रधीन कर से प्रभार्य हूं।
*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूं	कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान	
किया जा सकता है, *उस व्यक्ति के, जिस	म्रोर से यह विवरणी दी जा रही है/उस व्यक्ति को, के लिए म्रौर जिसकी म्रोर से यहविवरणी दी जा रा न में या किसी म्रन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी ।	ही है/उस व्यक्ति के, जिसकी कुल ग्राय की
(ख) किसी भ्रन्य व्यक्ति की श्राय सहित ऐसी कोई । प्रभाय है।	धन्य धाय नही है जिसकी बायत उक्त व्यक्ति भाय-व	रुर प्रधिनियम 1961 के श्रधीन कर से
मैं यह भी घोषणा करता/करती हूं कि मैं यह विवरणी करने भीर इसे सत्यापित करने के लिए सक्षम हूं।	पदनामकी हैसियत से तैयार कर व	रहा∤रही हूं भीर मैं यह विवरणी तैयार
		हस्ताक्षर
स्यान		
तारीख-		
जपाबन्ध क [™] (टिप्पण 2 वेंबेखिए)		
सम्पत्ति ग्राय की संगणना		
 स्थामी के स्थमं प्रधिमोग के प्रधीन सम्पत्ति से 	शुद्ध प्रभार्य श्राय	
2. धंन्य सम्पत्ति से शुद्ध प्रभार्य धाय		
3. पृष्ठ 1 पर मद 3 में ले जाई गई कुल मुद्ध प्र	भार्ये भ्राय।	
उपायन्धः खः कारवार या वृत्ति के लाभ ग्रौर	मिलाभ	
फर्म, व्यक्तियों के संगम या व्यव्टियों के निष	काय से श्रंश	

(क) रिविस्ट्रीकृत फर्में 1. लाभ/हाति में ग्रंश की रकम	कारकार (सट्टें से भिन्न) ग्रीर वृत्ति	 	
 वाबे किए गए अथा की (ब्यौरा वीजिए) कटौती कीजिए (यदि उक्त अंक हानि हो तो जोडिए) 	नाम्बार (नष्ट्र सामग्र) भार पुति	πε	्का कारबार
3 पृष्ठ 1 पर भव 4 (क) में ले जाया गया गुद्ध			
लाभ/हानि । —			
 (वा) श्रर्राजन्द्रीकृत फर्में/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय 			
1. लाभ/हाति में भ्रंग की रकम			
 दावा किए गए व्यय की (क्योरा दीजिए) कटौती कीजिए (यदि उक्त झंक हानि है तो जोकिए) 			
3. पृष्ठ 1 पर मद 4(सा) में ले जाया गया भुद्ध लाभ/हानि			alah di Madalah di Salah di Salah di Salah di Madalah di Madalah di Madalah di Madalah di Salah di Madalah di
उपाबन्ध ग/पूंजी श्रभिलाभ (टिप्पण 8 देखिए)		_ 4	~
ग्रस्पकालिक पूंजी ग्रास्तियों के सम्बन्ध में पूंजी ग्रमिलाम कटाइए: बहु रकम जिसके लिये घारा 53, 54, 54 व्या या 54 व		्ट्र खूट दी गई हैं · · · · ·	
मद 5 के भाग (क) में ले जाई गई शुद्ध रकम			
ध्रत्यकालिक पूंजी श्रास्तियों से भिन्न पूंजी श्रास्तियों के बटाइए—वह रकम जिसके लिये धारा 53, 54, 54ख, 54य बोहिए -पूंजी श्रीभलाभ गीर्ष के श्रधीन प्रभाय श्राय समझी	या 5.4इट के श्रधीन छूट दो गई।	₹	
मव 5 के भाग (ख) में ले जाई गई मुद्धारकम	` ′		
	ः कटौतिया (टिप्पण 9 देखिए)		
	सकल रकम	- श्रहेंक रक्तम	
1	2	3	4
 संधाय जिन पर धारा 80ग के ब्रधीन कटौती दो जा सकती है 			
(i) भविष्य निधि			
(ii) जीवन बीमा प्रीमियम			
(iii) ग्रन्य (कृपया विनिर्विष्ट की जिए)			
2. संवान जिनको धारा 80छ लागू होती है			
 पिछक्के क्षेत्रों में नवस्थापित भौद्योगिक उपक्रमों या होटन कारबार से लाभ और अभिलाभधारा ४०जज 	न		
 कतिपय क्षेत्रो में नव स्थापित लघु ग्रीशोगिक उपक्रमों साभ ग्रीर ग्रीथलाभ—80 जजक 	में		
 नव स्थापित घौषोगिक उपक्रम, पीत या होटलकारबार लाभ भौर भ्रभिलाभ 80 स 	र सें		
 पशुधन प्रजनन या कुक्कुट पालन या दुग्ध उद्योग के कारन से लाभ झौर श्रभिलाभ80अअ 	π		
 প্রদেশ (खुम्मी) उपजाने के कारबार में लाभ मौर मिला 80 समक 	'¥		
8 श्राय जिस पर धारा80ठके मधान कटौती वी जा सक है:	ती		
(i) प्रतिभूक्षियों पर य्याज (ii) कैंक व्याज			
(iii) श्रेयरों पर लाभाग (iv) श्रुत्य (कृषया चिनिर्विष्ट कीजिए)			
(1V) अन्य (ज्ञानमा निमान्य क्याना काल) व भ्रम्य कटौसियां, यदि बाँई हो (क्योरा वोजिए)			
હ ૧૯૯૪ અન્દ્રાભયા, યાલ મનક દ્રા (૧૯૯૧) લાગરા			

योग पृष्ठ 2 पर मद 10 में ले जाई गई कटौती की कुल रकम

उपाबन्ध-कः धारा 133/139 के श्रधीन दी जाने वाली ग्रन्य विणिष्टियो का विवरण।

भाग 1: गठन, भावि की बाबत विशिष्टियां

- 1. किसी व्यष्टिकी दशा में :
 - (i) लिखिए क्या वह भारत का नागरिक है।
 - (ii) यदि वह किसी हिन्दू भविभक्त कुटुम्ब का सदस्य है तो अटुम्ब का नाम भौर पना लिखिए।
- 2. किसी हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब की वशा में, क्या कुटुम्ब में कम से कम एक ऐसा मदस्य है जिसकी निर्धारण वर्ष के लिये निर्धारणीय कुल श्राय उस अधिकतम रकम में अधिक हो जाती है जो आय-कर के लिये प्रशार्य नहीं है? यदि इस प्रश्न का अक्तर "ना" में हो तो क्रपया हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब के सभी स्वस्यों से इस श्राशय की घोषणाएं संलग्न करे।
- 3. किसी फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टि के निकाय की दणा में भागीदारों (जिनके धन्नगंत ऐसे धक्यस्क भागीदार भी है जिनको भागीदारी के फायदों में सम्मिलन किया गया है)/सबस्यों के नाम, पने भ्रौर उनके अपने-अपने शेयर और पारस्परिक नानेवारी, यदि कोई हो, दर्शिन करने बाना विवरण सनग्न कीजिए।
- 4. किसी फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यिष्टियों के निकाय के किसी भागीदार/सदस्य की दशा में, फर्म/व्यक्तियों के सगम/व्यिष्टियों के निकाय का नाम और पता, प्रत्येक भागीदार/सदस्य का नाम, पता और उनका अपना-अपना शेयर दिशास करने वाला विवरण संलक्त कीजिए।
- 5. किसी प्रत्य व्यक्ति (व्यक्तियो) के न्यासी या संरक्षक या उनके अभिकर्ता की दशा में, ऐसे अन्य व्यक्तियों के माम और पते दर्शित करने वाला दिवरण संलग्न कीजिए।
- 6. यदि निर्धारिती ने पूर्व वर्ष के दौरान किराया, कमीणन, रायल्टी या दलाली श्रथवा ऐसी किसी वार्षिकी का (जो "बेसन" शीर्ष के प्रधीन निर्धारणीय वार्षिकी नही है) जो एक हजार रुपये से श्रधिक है, संदाय किया है तो पाने वाले के नाम और पने क्षणा संदत्त की गई रकमें दिशन करने वाले (संदाय की अकृषि के श्रनुसार) श्रक्षग—श्रलग विवरण संलग्न कीजिए। यदि पाने वाला व्यक्ति कोई श्रनिवासी है तो यह बताइए कि क्या कर की स्रोत पर कटौती कर ली गई है और वह रकम केन्द्रीय सरकार के खाने में जमा कर दी गई है।
- 7. किसी स्टाक या वस्तु एक्सबैज के प्रबन्ध से सम्बद्ध किसी व्यवहारी, दलाल या अभिकर्दा अथवा किसी व्यक्ति को चाहिये कि वह ऐसे सब व्यक्तियों के नाम जीर पने विशिष्ठ करने वाला एक विवरण हैं जिनको उसने या एक्सबेज ने पूर्व वर्ष में ऐसी किसी राशि या संकलित राशियों का संदाय किया है जो (क) "अन्तर" के रूप में 2,000 के वे प्रधिक हैं, और (ख) अस्तियों के अन्तरण के संबंध में भने ही वह विकार, वितियम या अन्य किसी क्य में हों, 10,000 के से अधिक हैं, या जिनकी छोर से अथवा जिनसे उसने या एक्सबेंज ने कोई ऐसी राशि प्राप्त की हैं। इसके साथ उसे ऐसे सभी संदायों और प्राप्तियों की विशिष्टिया (रकम, नारीख आदि) भी इस विवरण में दिशित करनी चाहिए।
- 8. यदि निर्धारिती धारा 192, 193, 194क, 194ख, 194खब, 194ग, 194घ या 195के श्रधीन कर की स्नोत पर कटौती करने का दायी है तो निम्तलिखित बातों के संबंध में जानकारी देने की कृपा करें :-
 - (i) स्नात पर कटौती की गई कर की रकम;
 - (ii) क्या ऐसे कर का संवाय केन्द्रीय सरकार को कर विया गया है?
 - (iii) क्या विहित विवरणियां सम्बद्ध श्राय-कर अधिकारी को भेज दी गई है?
- टिप्पण 1. "बेतन" मीर्च के प्रधीन प्रभार्य ग्राय की संगणना विधरणी के साथ संखरन किये जाने वाले एक विधरण में नीचे दी गई रीप्ति में की जाए भर्णात्:---
 - (1) जेतन जिसके मन्तर्गत पूर्व वर्ष के दौरान देय, मिंदत्त धनुज्ञात वेतन का बकायाया श्रियम धन, कानम, मजरूरी, फीस, कमीशन, पेंशन (जिसके धन्मर्गत पेंशन का संरक्षित मूल्य भी है), बार्षिकी ग्रीर उपदान भी है, उस परिमाण तक जिस तक से कर मुक्त नही है।
 - (2) मन्य नकद भते/संदाय, उस परिमाण तक जिम सक ये कर मुक्त नहीं है ——(क) गृह किराया भना, (ख) सवारी भना, (ग) सरकार भना, (ख) स्वया मने (क्योरे बीजए) (अ) मव (क) में (घ) तक का योग। (3) नियोजक द्वारा दी गई परिलक्षियों का मूल्य (क) मुक्त था रियायती नाम मुनिधा—धारा 17(2)(1) द्यौर (ii), (ख) मुक्त या रियायती फायदे/सुख मुनिधाएं—धारा 17(2)(iii) नोचे टिप्पण देखिए (उदाहरणार्थ (1) सवारी नियम 3(ग), (ii) गैस, विश्वन उर्जा और जल—नियम 3(घ), (iii) घरेलू या वैयक्तिक सेवाएं, (iv) वैयक्ति यजा, (v) कोई भ्रत्य मव क्योरे दीजिए, (vi) मव (i) से (v) नक का योग, (ग) निर्धारिती की बाध्यता (जिसके भन्तर्गत बच्चों की शिक्षा, आप-भर आदि भी है की बाबत नियोजक द्वारा किए गए मंदाय और जीवन बीमा या वार्षिकी के लिये नियोजक द्वारा संदेह धनराशिया—पारा 17(2) (iv) और (v), (घ) मद (क) (ख) और (ग) का योग (4) बेतन या मजदूरी के बदले या उसके प्रतिरिक्त लाभ और "वेतन" गीर्थ के प्रधीन प्रमार्थ कोई धन्य प्राप किए रे धन्य प्राप किए हिल्प प्राप की कि प्रधीन प्रमार्थ कोई धन्य प्राप किए के प्रधीन प्रमार्थ कोई धन्य प्राप किए। (ख) सरकार भता आरा 16(ii), (ग) उप-मव (क) और (ख) का योग, (7) "वेतन" गीर्थ के प्रधीन निर्धारणयी गुद्ध श्राय जो पृष्ठ 1 पर मद 1 में ने आई गई है। टिप्पण:—(3) मद 3(ख) केवल निदेशक, ऐसे कर्मचारियों, जा नियोजक कर्मनी में पर्याण हिल्म रखते है और ऐसे अन्य कर्मचारियों जिनकी "वेतन" गीर्थ के अधीन श्राय ऐसे फायदां/मुख मुखिधाओं को छोड़ कर जो धन सबधी नहीं है) 18,000 रु ने प्रधिक है, द्वारा भरी जाए।

सावारण विशिष्टियां

(i) प्रिक्षिमियों की विशिष्टियां (ii) अंकित मूल्य (iii) वर्ष के वौरान देय या प्राप्त व्याज की सकल रकम (सरकारी प्रिक्षिमियों भीर डिबॅन्चरों क्षण प्राप्त प्राप्त प्राप्त कर मुक्त प्राप्त प्राप्त की संभ्य में भ्रमण-भ्रमण-भ्रमण वीजिए.- (iv) स्रोप्त पर कटौती किया गया कर, (v) टिप्पणियो, उदाहरणार्थ, कर मुक्त प्रिक्षिण ।

श्चाव की संगणना

(सरकारी प्रिभृतियों ग्रीर डिकेक्गों तथा श्रन्य प्रतिभृतियों के लिये प्रकार-प्रलग दी जाए)

- (i) देय या प्राप्ति सकल रकम (साधारण विशिष्टियां की मद (iii) मे),
- (ii) चटाइए:---(क) ज्याज की बसूली के लिए व्यय---धारा । (i) और (का) उक्षार ली गई धनराशि पर ज्याज---धारा 19 (ii), (iii) प्रिभिनियों पर ज्याज की खुद रकम जो पृष्ट । पर मद 2 में ले जाई गई है और जो (i) में में (ii) को घटाकर निकलने चाली रक्षम है।

टिप्पणः 3: →-"कारबार या वृन्ति के लाभ ग्रौर ग्रामियाभ" शीर्ष के भ्रधीन प्रभाव ग्राय के सब्धे में निम्तलिखिक विक्रिक्टियां ग्राय की विधरणी से संवयन किए जाने वाले विवरण में दी जाए, भ्रवीत् .---

(i) सधारण विशिष्टयां

- (i) वह नाम, जिस नाम से कारकार या बृत्ति चलाई जा रही है ;
- (ii) कारबार या वृत्ति के मुख्य स्थान का पता.
- (iii) शाखाओं के नाम और पने
- (iv) कारबार या बृन्ति की प्रकृति,
- (v) लेखा रखने का तरीका, यह बताइए, कि क्या अह बाणिजियक|नकद |मिश्रित्र हैं ग्रोर (vi) स्टाक मूल्याकन का नरीका, (vii) यांद नियमिक लेखाबहियां रखी जाती हैं।
 - तो निम्नलिखिक की प्रतिया मंलयन कीजिए⊷~(क) विनिर्माण लेखा ग्याचार लेखा, लाभ ग्रीर हानि लेखा था श्राय ग्रीर व्यय सेखा ग्रावता ऐसा ही कोई भ्रत्य लेखा ग्रीर तुलनयत
- (अ) यदि:—(i) कोई सापन्तिक कारवार या बृहित है तो स्वन्वधारी का नैविक्तिक लेखा। (ii) कोई फर्म व्यक्तियों का संगम या व्यक्टियों का निकाय है तो भागीदारों या सबस्यों के उनके भागी-प्रयान लेखें, (iii) किसी फर्म, व्यक्तियों के सगम या व्यक्टियों के निकाय का भागीदार या सबस्य है तो फर्म, व्यक्तियों के संगम या व्यक्टियों के निकाय में उनके अपने-प्रयान लेखें (ग) जहा निर्धारितों के लेखाओं की सपरीक्षा की गई है, वहां संपरीक्षित नाभ और हानि नथा नुजनयन लेखा और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की प्रतियां,
- (viii) यदि नियमित लेखा बहिया नही रखी जाती है तो एक विवरण संलग्न कीजिए जिसमें कारवार या वृत्ति के बावर्त या सकल प्राप्तिया, सकल लाभ व्यय श्रीर सुद्ध लाभ की रक्तमें तथा वे ब्राधार जिन पर इन रक्तमों की संगणता की गई है, उपदर्शित हों बौर जिसमें पूर्व वर्ष के झन्त्र होते के समय कुल श्रन्थास्य ऋणियों, श्रन्थान्य लेतदारों की रकमों, व्यापत्र स्टाक श्रीर नकद श्रीरिगेव की स्थित बनाई गई हो।
- (ix) सिवदा कार्य में लगे हुए निर्धारितियां द्वारा दी जाने याली श्वतिरिक्त जानकारी—-(क) यदि उस व्यक्ति द्वारा, जिसके साथ सिवदा को गई थी, प्रदाय की गई सामाग्रियों का मूल्य या उसके द्वारा (किए गए कार्य के लिए देय संदाय में से) प्रतिक्षारित प्रितिष्ठित निक्षेप को दिखाई गई सकल प्राप्तियों में सिमिलिन नहीं किया गया है तो यहां उसकी रकम बनाइए।
 सामाग्रियों का मूल्य प्रतिभृति निक्षेप
 - (चा) क्या धारा 285 क के अधीन संबंधित आय-कर अधिकारी को भवत निर्माण या प्रदाय की संविदाओं के संबंध में जानकारी दे दी गई है। *हां/नहीं
- (x) चलचित्र फिल्मों के निर्माक्षाओं द्वारा दी जाने वाली ग्रिक्ति

जानकारी--क्या धारा 285ख के ब्रधीन संबंधित श्राय-कर श्रीधकारी को जलकित्र फिल्मों के निर्माण में लगाए गए व्यक्तियों की किए गए संवायों का विवरण देविया गया है।

***हा/म**हीं

- पूर्ववर्ग के लिए का वार या वृक्ति से निधरिणीय लाभ/हानि की संगणना
 - 1. किसी फर्स-व्यक्तियों के संगम/व्यक्टियों के निकाय के लाभों में ग्रंशों को छोड़कर, लाभ ग्रीर हानि लेखा के ग्रनुसार लाभ या हानि जोड़िए (यदि उक्त ग्रंक हानि का ग्रोसक है तो कटौनी कांत्रिए)
 - 2 निम्तिलिखित के संबंध में लाभ और हानि लेखा है के सामे डाली गई रकमें (क) पूर्वतर वर्षों की हानिया (ख) आय-कर, झितकर, शास्ति आित, (ग) वैयन्तिक व्यय जिसके अंतर्गत पूर्व या उपहार भी हैं। (घ) पूंजी व्यय, (ङ) व्यय मोक और संदाय जिनकी कटौती धारा 30 (क) 40क (5) या (6) के अक्षीन नहीं की जा सकती है (क्योरे दीजिए), (च) व्यय और भसे जिनकी कटौती धारा 40(ग) के झिथीन नहीं की जा सकती है, (छ) धारा 40क (2) के झिथीन मिनुशेय व्यय, (ज) इस विवरणी में अन्यत्न कटौती के रूप में दावा किया गया व्यय, (झ) झिक्कण जिस पर झिलग से विचार किया गया है, (अ) विनिधान मोक, विकास रिमेट और विकास मोक--जिस पर झिलग से खिचार किया गया है, (प्र) दिनिधान मोक, विकास रिमेट और विकास मोक--जिस पर झिलग से खिचार किया गया है। (प्ररूप सं० 5 और 5क संलग्न कोजिए), (ट) बूबण्त ऋणों के लिए धारिक्षित या वयवस्था, (ठ) किसी धारिक्षित या किसी निधि में जमा कर लिया गया क्याज,

[🍍] जो लागून हो काट दीजिए । 🚶

- लाभ भीर हानि लेखा ग्रादि के नामे झाले गए ग्रन्थ व्यय ग्रादि—-उस परिमाण तक जहां तक वे ग्रनुशेय नहीं है :
 - (क) ऐसी ब्रास्तियों का जिसका उपयोग पूर्णत. कारबार के लिए नहीं किया जाता है. किराया, रेट, कर मरम्मत श्रीर बीमा श्रीमियम-- धारा 30/31
 - (का) म्रास्तियों के बिक्रम पर हानि-धारा 32 (1) (3) (क्योरे वाजिए) (ग) पुतर्घास-धारा 33 व (क्योरे वीजिए) (ध) बैज्ञानिक मनुमंधान वर क्यम या बैज्ञानिक मनुमंधान संगमों को सी गई राणि प्राधि-धारा 35 (क्योरे वीजिए) (क') पेटेट प्रधिकारों या प्रतिलिप्यधिकारों पर क्यम द्यारा 35क (का) ग्राम दिकास एकक धारा 35गग (छ) ग्राम विकास कार्यक्रमों को चलाने के लिए या ऐसे कार्यक्रमों को क्रियान्तित करने के लिए क्यिक्तमों के प्रशिक्षण की लिए संगमों मौर संस्थाओं को संवामों के रूप में क्यम-धारा 35 गगक (ज) प्रारम्भिक क्यम-धारा 35 ध प्रकृप संख्यांक 3व संलग्न कीजिए) (ज) बोनस का झनतुक्रेय परिमाण तक संदाय-धारा 36 (1) (2), (ट) भिष्य निधि, प्रधिवार्षिकी या उपवास निध्यों में प्रभिदाय-धारा 36 (1) (4) मौर (5), (ठ) सत्कार क्यम-धारा 37 (2) (2क), (ङ) किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रकाणित किसी स्मारिका, विवरणिका धार्वि में बिक्रापन पर क्यम-धारा 37 (2क) (क्योरे दीजिए) (व) विज्ञापन पर क्रीर यतिथि गृहों के ,यनुरक्षण तथा कर्म चारियों की याता पर प्रत्य क्यम --धारा 37 (3) मौर (4)/नियम 6व मौर 6 व (व्योरे दीजिए) (ण) विज्ञापन, प्रचार और विक्रय बढ़ाने पर समायोजित क्यम-धारा 37 (3क) (क्योरे वीजिए) केवल निर्धारण वर्ष 1979-80 धौर 1980-81 के लिए लागू (त) ऐसा क्यम जो काम बैक द्वारा किए जाने से मन्यया किया जाए-धारा 40क (3) नियम 6 ध्रध (क्योरे वीजिए) (थ) उपवान के संदाय के लिए की गई क्यवस्था -धारा 40क (7) (व) कोई अन्य क्यवस्था/धारक्रिति/प्रत्य क्यय जो धारा 28 से 44 ग तक के प्रधीन भनुक्रेय नहीं है।
- 4. वे रकमें जो लाभ भीर ग्रभिलाभ लेखा ग्रावि में जमा नहीं की गई है (क) धारा 41 (1), (3) ग्रीर (4) के प्रधीन प्रभार्य लाभ (ग्यौरे दीजिए)
 - (নু) धारा 41 (2) भीर (2क) के मधीन प्रभार्य लाभ (व्यौरे বीजिए)
 - (ग) ग्रन्थ कोई प्रभार्य लाभ ग्रीर ग्रभिलाभ (ब्यौरे वीजिए)
- 5 मव 1 से 4 तक का योग । घटाइये (यदि मव 5 में श्रंक नकारत्मक है तो जोड़िए)
- 6. नीचे (3) के धनुसार संगणित धनकायण,
- "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ" शीर्ष से भिन्त शीर्षों के अधीन प्रभार्य आय या किसी पूर्वतर वर्ष में कर से प्रभारित की जा चृकी आब जो लाभ और हानि लेखा आदि में जमा कर दी गई है,
- वैज्ञानिक मनुसंधान/निर्यात वाजार विकास मोक/इन्ति विकास मोक पर व्यय की वाबन कटौती जो लाभ और हानि लेखा के नामे डाली गई रकम के अधिक्य में अनुक्षेय है-~धारा 35~~35च और 35ग,
- 9. धारा 28 से 44ध तक के मधीन वामाइन कोई खन्य अपय-कटौती (स्पीर वीजिए)
- 10. मद 6 से 9 तक का योग,
- 11. लाभ/हानि का श्रतिशेष (जी मृद 5 में से मद 10 को घटाकर श्राने दाली रकम है)
- 3. विकरणी से संलग्न एक विवरण में अवक्षण मोक और विनिधान मोक की बाबन निम्निखित विशिष्टियों वी आएं, अर्थात् (1) आस्तियों का वर्णन (भवन के संबंध में यह बताइए कि क्या भवन पट्टे पर लिया गया है या निर्धारिती के स्वामित्व में है (,) (2) विद्यमन आस्तियों का अविलिखित मूल्य (3) पूर्व वर्षों के दौरान अर्जित आस्ति की वास्तिविक लागत (4) परिवर्षनों या परिवर्तनों पर पूंजी क्यय, (5) उपयोग की विधि केवल तब बताई आए जब विवरणी निर्धारण वर्ष 1969-70 या किसी पूर्वतर वर्ष के संबंध में है (6) विकय की गई, त्यक्त कर दी गई है हा दी गई या नच्ट कर दी गई आस्तिकों की बाबत स्क्रैंप मूल्य (7) वह रक्तम जिस पर अवक्षयण अनुश्रेय है मद (2) से (4) तक का योग जिसमें मद (6) में निर्दिष्ट आस्तियों से संबंधित रक्तम सिम्मिलत नहीं है (8) अवक्षयण की वर (9) उन दिनों की कुल संख्या जब काम किया गया (केवल तब दी जाए जब अति-रिक्त पारी मोक का दावा किया जाता है) (10) उन दिनों की कुल संख्या जब बोहरी पारी भौर तिहरी पारी में काम किया गया (केवल तब दी जाए जब अति-रिक्त पारी मोक का दावा किया जाता है), (11) दावा किया जया अवक्षयण -(क) आरम्भिक अवक्षयण (ख) सामान्य अवक्षयण (जिसके अन्तर्गत अनुमोदित होटलों के लिए अतिरिक्त अवक्षयण भी है), (12) कुल अवक्षयण (13) दावा किया गया विनिधान मोक (दर भी बताइए) (14)--- टिप्पणिया (अरस्थिक अवक्षयण, विनिधान मोक या विकास रिवेट की रक्षम बताइए जो आस्ति के संबंध में किसी पूर्वतर वर्ष में अनुज्ञान किया गया है)।

टिप्पण 4---लाभाश श्राय केतथा ''श्रन्व स्रोतों से भाय' शोर्ष के श्रशीन प्रभार्य श्राय की सगणना की बाबत निम्नलिखित विशिष्टियां विवरणी के साथ संस्थन किए जाने वासे एक पृथक विवरण में दी जाए, श्रथित्ः--

लाभारों का विवरण

(1) कम्पनी का नाम, (2) शेयरों की संख्या, (3) लाभागों की सकल रक्तम (4) स्रोत पर कटौती किया गया कर।

श्राय की संगणना

निम्निलिखित की बाबत क्यौरा विजिल्र -- (1) सकल प्राय (2) दावा कृत क्यय (3) सुद्ध प्राय जो (1) मे से (2) घटकर निकलने वाली रक्तम है (क) लाभांग , (बा) प्रतिभृतियों पर क्याज था कारबार के लाभों के रूप में प्रभार्य क्याज से फिन्न क्याज (ग) भन्य मंदें जो (1) फायदों या परिलिक्ष्यमों के मूल्य --धारा 2(24) (4) (2) ज्यास के फायदाप्राही या ज्यासी को दशा में फायदों या परिलिक्धियों के मूल्य छारा 2(24) (4क) (3) लाटरी, वार्ष पहेली, दौड छादि से हुई जीत-धारा 56(2) (1 ख) (4) मशीनरी, संयंस्र फर्निजिर या भवन का किराए पर दिए, जाने में होने बाली प्राय-बारा 56(2) (2) भीर (3) (5) दार्षिकी या उसका संराधित मूल्य -धारा 280 प, (6) धारा 59 के प्रधीन कर से प्रभार्य लाभ, (ध) उक्त (क) खीर (ग) की बाबत शुद्ध प्राय जो पृष्ट 2 पर मद 6 (क) , 6(ख) और 6(ग) में ने जाई जाएगी।

े हिष्यण 5-- शुद्ध कृषि घाप की संगणना सुसंगत विस्त प्रधिनियम के नियम के प्रमुमार निम्नालिखित रीति से मंगणित की जाए, प्रयांत् (क) कृषि प्रयोगनों के लिए प्रयुक्त भूमि से प्राप्त किराया या राजस्क, (ख) कृषक ग्रांवि द्वारा नियास गृह के रूप में प्रवेशित किसी भवन में भाग (ग) धरेंगे कृषि प्राय जो मद (ध) में निर्दिष्ट चाय के विक्रय से ग्राय नहीं है। (ध) भारत में उगाई भौर विनिर्मित चाय के विक्रय से ग्राय का साठ प्रतिगत (क) राजस्ट्रीकृत कर्म/श्राजिस्ट्रीकृत कर्म/श्र्यकित्यों के संगम ग्रावि से कृषि भ्राय का ग्रंग जिसकी मंगणना सुसंगत वित्त ग्रिविनयम में दिए गए शुद्ध कृषि भ्राय की संगणना के नियमों के प्रमुसार की गई है (च) मद (क) से (क) नक का योग (सुसंगत वित्त ग्रिविनयम में दिए गए शुद्ध कृषि ग्राय की संगणना के नियमों के प्रमुसार हानियों के समायोजन के भ्रधीन रहते हुए), (छ) घटाइए: राज्य सरकार को पूर्व वर्ष की कृषि भ्राय पर संदेय कृषि ग्राय-कर (ज) एउ कृषि ग्राय जी (च) में से (छ) को षटाकर ग्राने वाली रकम है जो पृष्ठ 2 मद 12 में ले जाई गई है।

टिप्पण 6 —घोषणा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को स्वयं ध्राना यह समाधान कर लेना चाहिए कि विवरणी तथा उससे संलग्न उपाबंध भीर विवरण सभी प्रकार से सही भीर पूर्ण है।

इस विवरणी में या इससे संलग्न उपावंधीं या विवरणों में सिध्या कथन करने वाले व्यक्ति पर आय-कर श्रधिनियम, 1961 की धारा 277 के प्रधीन श्रीभयोजन जलाया जा सकेगा श्रीर सिधवीय होने पर वह---

(i) ऐसे मामले में जहां बह कर जिसका प्रपर्वचन करने का फाणय है, एक लाख रुपये से ग्रधिक है वहां कठिन काराबास से जिसकी प्रविधि छह मास में कम नहीं होंगी किन्तु सान वर्ष तक की हो सकेगी और जूर्माने से दण्डनीय होगा, (ii) किसी ग्रन्य मामले में कठिन काराबास से जिसकी भविधि तीन मास में कम नहीं होगी किन्तु सीन वर्ष तक की हो सकेगी, और जूर्माने से दण्डनीय होंगें।

दिष्यण 7 —प्रत्येक गृह सम्पत्ति के लिए निम्नलिकित विधिष्टियां/" गृह सम्पत्ति से भाध" शीर्ष के श्रधीन प्रभार्य शाय की संगणन। इस विवरणी से संलग्न विवरण में दी जाए, भर्षात्≔–

I सम्पत्ति जो स्थामी के स्वयं ग्रधियोग में हैं।

साधारण विशिष्टियां

(क) सम्पत्ति की भवस्थिति, (ख) घार्षिक नगरपालिक मृत्याकन ;

न्नाय की संगणना

(क) वह रकम जिम पर सम्पत्ति के वर्षातुवर्ष किराए पर दिए जाने की युक्ति युक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है--धारा 23 (i); (ख) नगरपालिक कर-धारा 23 (i) का प्रथम परत्युक ; '(ग) प्रतिग्रेष जा (क) में से (ख) को घटाकर निकलने वाली रकम है; (ध) यदि मन्दित्त सह-स्थामियों के स्वामित्वाधीन है तो (ग) में ऐसे सह-स्वामियों का ग्रंग ; (क) प्रतिग्रेष जो (ग) में से (ध) को घटाकर निकलने वाली रकम है; (च) मद (क) में प्रतिग्रेष रकम का ग्राधा या 1800 कि, जो भी कम ही, उसकी कटौती कीजिए ; (छ) मद (च) में से (क) को घटाकर निकलने वाली रकम जो स्वामी के स्वयं ग्राधिभीग की सम्पत्ति से संबंधित ग्राथ की रकम को छोड़ कर सकल कुल ग्राय की वस प्रतिग्रेष तक सीमित होगी--धारा 23 (2) का परन्तुक; (ज) ऐसी सम्पत्ति के लिए जो न किराए पर वी गई है ग्रीर न ग्राधिभीग में रखी गई है, कटौती कीजिए (जहां निर्धारिती के स्वामित्व में केवल एक निवास गृह है, वहां लागू होगा--धारा 23 (3) (त) उस सम्पत्ति का जो स्वामी के स्वयं ग्राधिभीग में है, वर्षिक मूल्य (ज) कटौतियां : (i) मरम्मत वार्षिक मूल्य का पृष्ठाग--धारा 24(1) (i); (ii) ग्रीमा--धारा 24 (i) (ii) ; (iii) भूमि किराया....धारा 24 (i) (iv) उधार ली गई पूंजी पर व्याज --धारा 24 (i) (v) ; (v) भू-राजस्व ग्रादि धारा 24 (i) (vi) (v) पूर्वरत्तर वर्षों के लिए वसूल न किया जा सकने वाला किराया---धारा 24 (i) (ix) ; (ट) कुल कटौतियां ; (ठ) स्वामी के स्वयं ग्राधिभीग वाली सम्पत्ति से गृद्ध प्रभार्य ग्राय जो (त) में से (ट) को घटाकर निकलने वाली रकम है।

II भ्रन्य सम्पत्ति से भ्राय (किराए पर दी गई सम्मति)

(साधारण विशिष्टियां)

(का) सम्पत्ति की भवस्थिति, (खा) वार्षिक नगरपालिक मूल्यांकन

द्याय की संगणना

- (क) वह रकाम जिम पर सम्मित के वर्षानुवर्ष किराए पर विए जाने की युक्तियुक्त रूप से प्रत्याचा की जा सकती है या जहां सम्यन्ति किराए पर दो जाती है भीर उसकी बाबत प्राप्त किया गया या प्राप्य वार्थिक किराया उक्तराणि से ग्रधिक है−~धारा 23 (1),
- (ख्र) कटौतियां : (i) नगरपालिक करों की वह रकम जो स्वामी द्वारा वहन की जाती है-धारा 23 (i) का प्रथम परन्तुक, (ii) नई निर्मित सम्मन्ति के लिए मोक--धारा 23 (i) का द्वितीय परन्तुक (ग) वार्षिक मूल्य जो (क) में (ख्र) को धटाकर निकलने वाली रकम है, (य) कटौनियां (i) मरम्मत--वार्षिक मूल्य का पृष्ठांस--धारा 24 (i) (i), (ii) बीमा~-धारा 24(i) (ii) (iii) बंधक पर ब्याज या पूंजी प्रभार--धारा 24 (i) (iii); (iv) वार्षिक प्रभार--धारा 24 (i) (iv); (v) भूमि किराया धारा 24 (i) (v) (vi) उधार ली मई पूंजी पर ब्याज धारा 24 (i) (vi); (vii) भू~राजम्ब --धारा 24 (i) (vii); (viii) किराया संगृहीत करने का प्रभार जो उक्त (ग) में विशित वार्षिक मूल्य के 6 प्रतिगत तक सीमित होगा--धारा 24 (i); (viii); (ix) रिक्त रहना--धारा 24 (i) (ix); (x) बसूल त किया जा सकते वाला किराया---धारा 24 (i) (x) और नियम 4 (क) उक्त (ध) में की गई कड़ी- तियों का यीग, (च) प्रन्य संपत्ति से गुडाप्रभार्य प्राय जो (क) में से (क) को घटाकर निकलने वाली रकम है।

विष्यण ४---

पूंजी श्रमिलाम

साधारण विशिष्टियां

पूंजी घास्तियों के ऐसे घत्तरण से जिसके परिणामस्वरूप पूंजी घभिलाभ होता है, उद्वभूत हीने वाली "यूंजी घभिलाभ" शीर्ष के घधीन प्रमार्य घाय के संबंध में निम्नलिखित विधिष्टियां प्रत्येक घास्ति की बाबत वी जाए :

- (क) ग्रास्ति का वर्णम : स्थावर संपत्ति की दशा में उसकी श्रवस्थिति:
- (ख) प्रजॅन की तारीखा, (ग) श्रन्तरण की तारीखा; (घ) श्रंतरिती क। नाम भीर पता, यवि निर्धारिती के साथ उसकी कोई नातेवारी या सम्धन्ध है तो यह बताइए।

पूंजी अजिलानों की संगणना

(क) जन्तरण के प्रतिक्षण का पूरा मूल्य; (ख) काटौतिया (i) तारीखा 1 जनवरी, 1964 को प्रास्ति के प्रजंन की लागत या उसक, बाजार मूल्य---धारा 49,50 प्रीर 51; (ii) पूंजी प्रास्ति के सुधार की लागत धारा 55 (i) (ख); (iii) अन्तरण के सम्बन्ध में व्यय—धारा 48 (i), (ग) मद (ख) में कटौतियों का योग (ख) पूंजी प्रिक्षणां की रकम जो मद (क) में से मव (ग) की घटाकर प्रानेवाली रकम है यदि निर्धारिती ने घारा 53, 54, 54 ख प्रौर 54 घ या 54फ के प्रधीन पूंजी अभिलाभों की किसी छूट का वावा किया है सो एक विवरण संस्थन करें जिसमें छूट के लिए सुसंगत धारा में विनिर्विष्ट शर्तों के पूरा किए जाने की विशिष्टियों दी गई हों।

टिप्पण : 9—पदि निर्धारिती की कर मुक्त प्रतिभूतियों पर ब्याज के रूप में कोई प्राय है या घन्य कोई ऐसी माय है जिस पर कर का अरिबेट अनुओय है प्रथवा उसकी ऐसी माय है जो उस कुल माय में सम्मिलित की गई है जिस पर धारा 90 या 91 के भधीन दोहरे कराधान से राहत का वाका किया गया है तो उसका ब्यौरा एक म्रलग विवरण में वीजिए।

विष्यण 10—जहां निर्धारण वर्ष के लिए भनिवार्य निक्षेप स्कीम (भाय-कर दाता) प्रधिनियम, 1974 के मधीन निक्षेप किया गया है वहा निक्षेप कार्यालय द्वारा दी गई रसीद विवरण के साथ भेजी जानी चाहिए।

हम्मिनीं भीर उन व्यक्तियों से जो पूर्त या धार्मिक					
•	T T				
	निधारण व	ार्ष			
टेलीफोन	কী	समाप्त	होने जाला	(वाले)	पूर्व वर्ष
टेली फीन	स्यायी	लेखा	सं०		
यों का संगम/व्यप्टियों का				<u>. </u>	
			 ; मामूली र	ौर पर	मिवासी
	मनिवासी मनिवासी	₹			-
	करते हैं से भिन्न (निर्धारितियों के लिए जिनकी कुल भाय के अन्तर्गत "कारबार या वृत्ति के लाभ भौर अभिलाभ" नहीं हैं। टेलीफोन	करते हैं से भिश्र (निर्धारितियों के लिए जिनकी कुल भाग के अन्तर्गत "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाम" नहीं हैं। को टेलीफोनको टेलीफोन स्थार्यी यों का संगम/व्यक्टियों का लिखिए क्य कैनियासी है नहीं हैं	करते हैं से भिन्न (निर्धारितियों के लिए जिनकी कुल माय के मन्तर्गत "कारबार या वृत्ति के लाभ भौर मिर्धारण वर्षे को समाप्त टेलीफोन स्थायी लेखा यों का संध्य/व्यप्टियों का लिखए क्या कैतिवासी हैं	करते हैं से भिश्र (निर्धारितियों के लिए जिनकी कुल भाय के अन्तर्गत "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाम" नहीं हैं। को समाप्त होने जाला टेली फोन स्यायी लेखा सं० यों का संपम/व्यप्टियों का लिखए क्या कितासी हैं निवासी हैं	करते हैं से भिन्न (निर्धारितियों के लिए जिनकी कुल भाग के भन्तर्गत "कारबार या वृत्ति के लाभ भौर भिर्धारण वर्ष को समाप्त होने जाला (जाले) टेलीफोन स्थायी लेखा सं० यों का संग्म/भ्यिष्टियों का लिखए क्या "निवासी हैं निवासी हैं निवासी हैं

^{*}जो लागून हो उसे काट वीजिए।

माय का शीर्ष	माय/हानि (र.) (यदि कुछ नहीं हो तो "कुछ नहीं" लिखिए)
1. बेतन (उपाबन्धक)	
 प्रतिमृतियों पर स्थाज (दिप्पण 1 देखिए) 	
3. गृह सम्पत्ति से ग्राय (उपाषका ख)	
4. पूंजी म्राभिलाभ	
(उपाबन्धग) (क) घरपकालिक पूंजी ग्रास्थियों के सम्बन्ध में	
(सा) ग्रन्थ पूंजी भास्तियों के सम्बन्ध में "	
*(i) भूमि या भवन यो उनमें कोई ग्रविकार	
(ii) प्रत्य भास्यिया	
 घ्रष्य स्त्रोतों से घाय (टिप्पण 2 वेचिए) 	
(क) शाभीम	
(ৰ) খ্যাস	
(ग) घन्य मर्दे	
6. मद 1 से 5 तक का योग	
7. इमकी कटौती कीजिए :	
मशीनरी, संबंद या फर्नीचर या किराए पर दिए गए भवन के सम्बन्ध में ऐसा धनामेलित श्रवकायण मोक जो पूर्व वर्षों से घन्ननीत किया गया	
8. सकल कुल भाष	
9. घटाइए : म्रमुनेय कटौतियां (उपावन्ध घ)	
10. कुल ग्राय (दस रुपए के निकटतम गुणज तक पूर्णौकतधारा 288क) (क) भ्रंकों में	
(बा) गब्दों में	
11. सुद्ध कृषि माय (टिप्पण 3 वेखिए)	
12. मद 1 से 5 तक में सम्मिलित घाय जो पित या पत्नी/घनयस्क सैतान/पुत्र की पत्नी/पुत्र की प्रवयस्क संतान या घिधिनियम के घध्याय 5 में निर्विष्ट किसी धन्य व्यक्ति को उद्मूत होने वाली धाय है।	
भाग II करों का विवरण	
कुल ग्राय पर कर [कुल ग्राय पर संदेय कर की संगणना दिशत करने बाला विवरण संलग्न की जिए]	
निर्धारण-पूर्व कर	
(क) स्त्रोस पर काठा गया कर	
(प्रमाण पंत्र संलग्न कीजिए)	
1. बेसन ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' '	
2. प्रतिभृतियों पर स्थाज ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' '	
*जो लाग न हो जमें काट वीजिए	

	3. ग्रन्थ ब्याजः			
	4. लाभौग ''''			
	 काई भन्य मद			
	योग	····₹o		
वा प्रश्निम	। कर			
(चार	रान संलग्न कीजिए)			
संव	यकी तारीख	रकम		
• •				
••	र्याग	₹0		
	निर्धारण ५२ कर.		<u> </u>	
(म	।लान संलग्न की जिल् चेंच्य की क्ली क			
	संदाय की सारीख	रकम		
		.,,क्o 		·
	क, खाझौर गका योग			
भाग	III उस भाग की विकिष्टियां जिसके	। धावन यह बावा कि	यागया है कि उसे कर	में छूट प्राप्त है मौर जो भाग I में सम्मिकित नहीं की गई है
वि			रकम	किन कारणों से उस पर कर नहीं लगाया जा सकता है।
1 27 RY I	 हाहार हाडा निग्न संग्रा सीमा के प्रीः	— — — — — — — — — — — — — — — — — — —		थ में व्यतिक्रम के संबंध में विवरण
	कामून द्वारा नियत समय सीमा के भीत हैतो क्रमया यह बताइए कि क्या प्ररूप			'हां/नहीं
-	हां तो आवेदन की तारीख और उसकी		-	
ब्यति	माय की विवरणी वेने में या घष्टिम क कम हुमा है तो उसके लिए कारण मलग विरणी केसाथ लगाया जाए।			
		 सत्यापन (द्रिप्य		
# · ·	(सक्ट प्रकार	ां में पूरा नाम) औं ''		··· • का *पुत्र/को पुत्र,/पत्नी
हूं, सत्यनिष् भनुसार स	ठा से चोषणा करता _/ करती हूं कि इस	विवरणी ग्रौ र इससे	मलग्न उग्राचन्धीं ग्रीर	विवरणों में थे। गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान ग्रीर विश्वास के लेखा सहें। सही किया गया है भीर वे निर्धारण वर्ष 19 से
Ħ	सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करसा/करर	ी हंकि उक्त पूर्ववर्ष	(वर्षी) के दौरान	
			- '	ई घन्य भाषन तो प्रोद्भूत हुई है, न उद्भूत हुई है भ्रीर न
(च	 किसी अन्य व्यक्ति की भ्राय महित । जिसकी थावत में भ्रायकर श्रधिनिय 		- ,	
ŧ	! सस्यनिष्टा से यह घोषणा भी करिता _! ं		**	
) *उस व्यक्तिको, जिसके लिए ग्रीर किया जा सकता है* उस व्यक्तिके	जिसकें भ्रांद से यह , जिसके लिए भ्रोद ि नाम में या किसी भ्र	विवरणं। दो जा रही है जेसकी ग्रोर से यह विवरण	। उस व्यक्ति को, जिसकी कुल भाग की बाबत मेरा निर्धारण ही वी जा रही है [‡] उस व्यक्ति के, जिसकी कुल भाग की बाबत हिंदी किसी म्रास्ति से कोई मन्य माय न तो प्रोद्मृत हुई है,

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की भ्राय महित ऐमी कोई अन्य भ्राय नहीं है जिसकी बाबन उक्त व्यक्ति भ्रायक्त प्रधिनियम, 1961 के प्रधोन कर मे

प्रभार्य है। ______ *जो लागून हो उसे काट वीजिए।

ाग ∏खण्ड 3(ii)}	भारतकाराजपत्र ग्रसधारण	12:
—————————————————————————————————————	कं मैं यह किवरणों ' ' ' ' की हैसियन से तैयार कर प (पदनाम)	रहा रहो हं भीरमैयह विवरण
पिर करने श्रीर इसको सत्यापित करने के ि	लिए सक्षम हू।	
थान		(हस्ताक्षर)
तरी च-		,
	भाग I	
	सरकार से प्राप्त बेतन से ग्राय की सगणना	
वेसन, जिसके ग्रन्तर्गत पूर्व वर्ष वे वै	 रान देय, सदत्त या अनुदात	
भन्सर्गत पेशन का सराक्षित मूरूय र्भा	ोनस, सजदूरी, फीस, पेशन (जिसकें है) वार्षिकी स्रोर उपदान भी है तथा तो/संदाय स्रोर परिकव्धिया, उस परिभाण	
षटाहण् :		
(i) मानक कटौतो	धारा 16 (i) · · · · · ·	
(ii) सत्कार भत्ता .	धारा 16 (ii)	
	योग	
पृष्ठ 1 पर मद 1 में से जाई गई "बेनन" शॉ.र्च के श्रधीन निर्धारणोय णुद्ध झ	ाय	
	माग II	_
	प्रन्य बेतनो से प्राय की संगणना	
ते बेतन, जिसके अन्तर्गत पूर्व वर्ष के दौरान या श्रक्तिम धन बोनस, मजबूरी, फीस, पेश मूल्य भी है) वार्षिकी और उपदान भी है, नहीं है।	गन (जिसके प्रन्तर्गत पेशन का संराक्षित उस परिमाण तक जिस तब वेकर मृक्त	appropriate with the second
2 श्रन्य नकद भत्ते/मदाय उस परिमाण तक	ं जिस तक वे कर सकर नहीं हैं	
(क) गृह किराया भत्ता		
(ग) सत्कार भत्ता		
(ष) अस्य मवे		
(1) , 1 11		

(क) मुफ्त या रियायती याम मुविधा .. धारा 17(2)

(i) भीर (ii)

(खा) मुफ्य या रियायती फायदे/मुख मुखिद्याएं --धारा 17(2)(iii) (टिप्पण नीचे देखिए) जवाहरणार्थं

(i) सवारी -

नियम उ(भ)

(ii) गैस, वियुत उर्जा झोर जल	
नियम 3(घ)	
(iii) घरेलू या वैयक्तिक सेवाएं	
(iv) वैयक्तिक यात्रा	
(v) कोई मन्य मर्वे (≉यौरे दीजिए)	
(ग) निर्धारिती की बाध्यताओं (जिनके साविभी हैं) की बाबत नियोजक बीमा या नायिकी के लिए नियोज 17(2)(iV)भौर (V)	भन्तर्गत वच्चों की शिक्षा, ग्रायकर डारा किए गए संदाय मौर जीवन कक ढारा संदेय धन रागियांधारा
(क), (ख) मौर (ग) का योग	
 वेतस या मजदूरी के धदले या उसके मिति। प्रभार्य कोई अन्य माय (ब्योरे दीजिए) 	रंक्त लाभ भीर ''वेतन'' शीर्थ के मधीन
5. मद 1 से 4 नक का योग	
6 निम्नलिखित के बारे में पटौतियां	
(क) मानक कटौतीः धारा 16(i)	
(ख) सत्कार भत्ता धारा 16(ii) उपमद (क) भौर (ख) कायोग	
7. पृष्ठ 1 पर मद 1 में ले जाई गई "वेतन"	ं शीर्ष के मधीन निर्धारणीय शुद्ध स्राय
जिनकी "वेतन" सीर्ष के भन्नीन	
	उपाजन्ध च (टिप्पणी 5 देखिए)
	सम्पत्ति से ब्राय की संगणना
1. स्वामी के स्वयं घधिभोग के घधीन सम्पत्ति से गुर	ह प्रभायं प्राय
2. घन्य सम्पत्ति से गुद्ध प्रभायं घाय	
3 पृष्ट 1 मद 3 में ले जाई गई कुल शुद्ध प्रभार्य भाय	
	उपाधन्य ग . पूंजी. प्रक्षिलाभ
	(टिप्पण ६ देखिए)
	———— - ———— - ———— - ———— - ———— - ———— - ———— - ———— - ———— - ———— - ———— - ———— - ————— - ——————
	54 या 54 ख के श्रधीन छूटवी गई हैं
पृष्ट 2 पर मद 4 के भाग (क) में ले जाई ग	है शुद्ध रकम
प्रस्पकालिक पूंजी प्रास्तियों से भिन्न पूंजी प्र घटाइए : घारा 53, 54, 54 ख या 54 ख	·

अतिरोव

जोड़िए वह रक्षम जो "पूंजी अभिलाभ" मीर्ष के अधिन प्रभार्य आय समझी जाने वाली रक्षम --धारा 54 इन् (2) पुष्ठ 2 पर सब 4 के भाग (ख) में ले जाई गई मुद्ध रक्षम।

उपायन्ध यः मटौतियां (टिप्पण ७ देखिए)

विकिष्टियां

सकल रकम

घर्डक रकम

कटौतीकी रकम

- 1. संदाय जिन पर घारा 80 ग के भधीन कटौती दी जा सकली है:
 - (i) भविष्य निधि
 - (ii) जीवन बीमा प्रीमियम
 - (iii) भ्रम्य (क्रुपया विनिदिष्ट की जिए)
- 2. माय जिस पर घारा 80ठ के मधीन कटौती की जा सकती है
 - (i) प्रतिभृतियों पर स्याज
 - (ii) वैंक स्थाज
 - (iii) शेयरों पर लाभीस
 - (iv) ग्रन्थ (कृपया विनिदिष्ट की जिए)
- 3. संदान जिनको धारा 80 छ लागू होती है
- 4. मन्य कटौतियां यवि कोई हों (स्यौरे वीजिए)

(-41(-44))

पुष्ट 2 पर मद 9 में ले काई गई कटौती की कुल रकम

उपाबंध क धारा 133/139 के बधीन दी जाने वाली बन्य विशिष्टियों का विवरण

- ा. किसी व्यष्टिकी दशा में :
 - (i) लिखिए क्या वह भारत का मागरिक है
 - (ii) यदिवह किसी हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब का सदस्य है तो कुटुम्ब का नाम ग्रीर पता लिखिए।
- 2. किसी हिन्दू प्रविभक्त कुटुम्ब की दया में :क्या कुटुम्ब में कम से कम एक ऐसा सबस्य है जिसकी निर्धारण वर्ष के लिए निर्धारणीय कुल प्राय उस प्रधिकतम रकम से प्रधिक हो जातें हैं जो प्राय कर के लिए प्रभाय नहीं है। यदि इस प्रश्न का उत्तर "ना" में हो तो क्रपया हिन्दू प्रविभक्त कुटुम्ब के सभी सबस्यों से इस प्रायय की घोषणाएं संलग्न करें।
- 3. किसी फर्मं व्यक्तियों के संगम व्यप्टियों के निकाय की दशा में : भागीदारों (जिनके भन्तर्गत ऐसे भवयस्क भागीदार भी हैं जिनको भागीदारी के फायदों में सम्मिलित किया गया है) |सदस्यों के नाम भीर पते उनके भपने शेयर भीर पारस्परिक नातेदारी, यदि कोई हो, दिशत करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।
- 4. किसी फर्मे/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय के किसी भागीदार/सवस्य की दशा में फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय का नाम भीर पता, प्रत्येक भागीदार/सवस्य का नाम, पता भीर उनका भ्रयना-अपना शेयर दिशत करने वाला विवरण संखग्न की जिए।
- 5. किसी धन्य व्यक्तियों) के न्यासी या सरक्षक या उनके ध्रभिकर्ताकी दशा में : ऐसे धन्य व्यक्तियों के नाम और पते दिशत करने वाला विवरण संस्थन की जिए i
 - टिप्पण : 1. निम्नलिखित विशिष्टियों भीर प्रतिभृतियों पर "स्थाज" शोर्ष के भधीन प्रभार्य भाग की संगणना इस विवरणी के साथ संलग्न, किए जाने वाले विवरण में दो जाए, मर्थात :

साधारण विशिष्टिया

- (i) प्रतिभूतियां की विशिष्टियां
- (ii) श्रंकित मूल्य

- (iii) वर्ष के दीरान देय या प्राप्त क्याज को सकल रक्षम (संकारी प्रतिभूतियों, ग्रीन डिवेचरों तथा श्रन्य प्रतिभृतियों के संबंध में शैकल अलग ब्यीरा होजिए)
- (iv) स्नात पर कडीवी किए गए कर की रक्षम
- (v) टिप्तणीः उदाहरणार्थं कर मुक्त प्रतिभूति की दशा में इस कालम में "कर मुक्त" प्रवद लिखिए।

बाय की संगणना

(सरकारी प्रतिभृतियों घोर डिबेंचरो तथा धन्य प्रतिभृक्षियों के लिए धनभ-भ्रलग दी जाए)

- (i) देय या प्राप्त सकल रकम [साधारण विधिष्टियों की मद (iii) मि]
- (ii) घटाकए: (क) ब्याज की वसूली के लिए व्यय-धारा 19(1);
- (ख) उदार लिए गए धन पर भ्याज धारा 19(ii); (त) प्रतिभूभियों पर ब्याज की मुद्ध रक्तम जो पृष्ठ 1 पर सद 2 में ले जाई गई है और जो (i) में से (ii) का बटाकर निकलने बाली रकाम है।
- टिप्पण 2 : लामांग फ्राय के तथा "श्रस्य स्नातों में फ्राय" गोर्ष के श्रधीन प्रभार्य आय की संगणना की बाबन निमालिखित विक्षिष्टियां दिवरणी के साथ संलय्न किए काने वाले एक पृथक विवरण में वी भाग, प्रथिति

लाभारों का विवरण

- (i) कम्पनी का नाम
- (ii) शेयरों की संख्या
- (iii) लामांगों की सकल रकम
- (iv) लांत पर कटौनी किया गया कर

बाय की संगणना

[निम्नलिखित की कावत स्थीरा दं जिए---(i) सकल प्राय (ii) दाशकृत व्यय और (iii) मुद्ध प्राय जा (i) से (ii) को घटाकर निकलने वाली रकम हैं]।

- (क) लाभांग (ख) प्रतिमृतियाँ पर ब्याज या कारधार के लाभों के कर में प्रभायं व्याज से भिन्न ब्याज (ग) प्रत्य मर्दे जो (i) कायदां या परिलब्धियाँ के मृत्य —धारा 2(24)(iv); (ii) त्यास के फायदाप्राही या त्यासी की दशा में फायदाँ या परिलब्धियाँ का मृत्य —धारा 2(24)(iv)(क); (iii) लाटरी से वर्ग पहेली से, बौड़ धादि से हुई जीत—धारा 56(2)(ख) (iv) मणीनरी, संग्रंत फर्नींचर या भवन को किराए पर दिए जाने से होने वाली धाय—धारा 56(2)(ii) प्रौर (iii); (v) वार्षिकी या उसका संभावित मृत्य—धारा 280 व (vi) धारा 59 के ध्रधीन कर से प्रभायं लाभ; (ब) उसते (क), (ख) प्रौर (ग) की वालन शुद्ध धाय जो पृष्ट 1 पर मद 5(*), 5(*) प्रौर 5(*) में ले जाई अएंगी।
 - তিখেল 3 : মৃত্ত ক্লুমি স্মান की संगणना सुसंगत किल স্বাস্থিনিন্দ के नियमों के प्रमुक्तार निस्तलिखित रीति से को সাए, अर्थात :--
 - (क) कृषि प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त भूमि से प्राप्त किराया या राजस्य, (ख) कृषक गावि द्वारा नियास गृह के रूप में अपेक्षित किसी भवन से ग्राय, (ग) ग्रन्य कृषि काय जो मद (ग) में निर्विष्ट पाय के विकय से भ्राय नहीं है, (ग) भारत में उगाई गई ग्रीर विनिमित्त चाय के विकय से भ्राय का साथ का साथ माठ प्रतिशन; (क) रिजस्ट्रीकृत कर्म/प्ररिजस्ट्रीकृत कर्म/व्यक्तियों के संत्रम ध्रावि से कृषि भ्राय का श्रंग जिसकी सगणना (सुसंगत वित्त अधिनियम में विर् गर् गृह कृषि भ्राय की संगणना के नियमों के भ्रनुसार की गई है; (च) मद (क) से (क) तक का योग (सुसंगत वित्त अधिनियम में विर् गर् गृह कृषि भ्राय की संगणना के नियमों के भ्रनुसार हानियों के समायीजन के श्रधोन रहने हुए); (छ) घटाइए: राज्य सरकार का पूर्व वर्ष की कृषि भ्राय पर संदेय कृषि भ्राय-कर (ज) गृह कृषि भ्राय जो (च) में से (छ) को घटाकर भ्राने वाली रकम है।
 - दिष्पण 4 : घोषणा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को स्थयं श्रयना यह समाधान कर लेना चाहिए कि विवरणी तथा उससे संसाम उपाद्यंश श्रीन विवरण सभी प्रकार में सही श्रीर पूर्ण हैं। .
 - इस विश्वरणी में या इससे सलका उपाबंधी या विश्वरणों में भिष्या कथान करने वाले व्यक्ति पर आधानकर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोजन जलाया जा सकेता और सिद्धदीय होने पर वह (i) ऐसे मामले में जहां वह कर जिसका अपबंचन करने का आशय है, एक लाख करए से अधिक है वहां कठिन कारावास से जिसकी अवधि छह मास से क्षम नहीं होगी किन्तु सात वर्ष तक की हो सकेगी, और जुमनि से दंडनीय होगा।
 - (ii) किसी घन्य मासले में कठित कारावास से जिसकी घवधि तीन मास से कम नहीं होगी किन्तु तीन बरम तक की हो सकेगी, और जुमिन से वण्डनीय होगा।

टिप्पण 5 : प्रत्येक गृह सम्पत्ति के लिए "गृह संपत्ति से धाय" शीर्ष के ध्रधीन प्रभार्य निस्नितिखित विशिष्टियों/ग्राय की संगणना इस विवरणी से संलग्न विवरण में वी आए, धर्यात् '--

I. सम्पत्ति जो स्वामी के स्वयं प्रधिभाग में है

साधारण विशिष्टियां

(क) सम्यन्ति की अवस्थिति, (ख) वार्षिक नगरपालिक मूल्याकन

श्राय की संगणना

(क) वह रकम जिस पर सपिन के वर्षांनुवर्ष किराए पर दिए जाने की युक्तियुक्त रूप से प्रत्याणा की जा सकती हैं -- धारा 22(1); (ख) भगरपालिक कर-- धारा 23(1) का प्रथम परस्तुक; (ग) धानिणेष जो (क) में सें (ख) की घटा कर निकलने वाली रकम है; (घ) यदि सम्पत्ति सह-म्वामियों के स्वामित्वाणीत है, ता (ग) में ऐसे सह रवामियों का श्रंग; (इ) प्रतिशेष जो (ग) में में (घ) को घटाकर निकलने वाली रकम है; (घ) यद (क) रकम में अतिशेष रकम का आधा या 1800 रु जो भी कम हो उसकी कटौती की जिए; (छ) सद (क) में से (घ) को घटाकर निकलने वाली रकम जो स्वामी के स्वयं श्रिधिकोंग की सम्पत्ति से संबंधित श्राय की रकम को छोडकर सकल कुल श्राय की दस प्रतिशत तक सीमित होगी--धारा 23(2) का परन्तुक; (ज) ऐसी सम्पत्ति के लिए जो न किराए पर वी गई हैं भौर न श्रिधिकोंग में रखी गई हैं, कटौती कीजिए (जहा निर्धारिती के स्वामित्य में केवल एक निवास गृह हैं, वहां लागू होगा)--धारा 23(3); (भ) उस सम्पत्ति का जो स्वामी के स्वयं श्रिक्षोंग में हैं, वार्षिक मूल्य; (अ) कटौतियां: (i) मरम्मत--वार्षिक मूल्य का पष्टांश--धारा 24(1)(i); (ii) बीमा--धारा 24(1)(ii), (iii), बस्थक पर ब्याज या पूंजी प्रभार-धारा 24(1), (iii) (निर्धारण घर्ष 1968-69 तक); (iv) वार्षिक प्रभार--धारा 24(1)(iv); (v) भूमि किराया---धारा 24(1) (v); (vi) उधार ली गई पूंजी पर व्याज---धारा 24(1)(vi); (vii) भू राजस्व श्रावि—-धारा 24(1)(vii); (viii) पूर्वतर वर्षों के लिए बसूल न किया का सकते वाला किराया----धारा 24(1)(x); (ट) कुल कटौतियां, (ट) स्वामी के स्वयं श्राविगेण वाली सम्पत्ति से सुद्ध प्रभार्य श्राव जो (क्षा) में से (ट) को भटावर निकलने वाली रकम है।

II. ग्रन्थ सम्पति से श्राय (किराए पर दी गई सम्पति)

(साघारण विशिष्टियां)

(क) सम्पत्ति की अवस्थिति, (ख) वाधिक नगरपालिक मूल्यांकन

आय की संगणना

- (क) वह राशि जिस पर संपत्ति के वर्षानुवर्ष किराये पर दिये जाने की युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है या जहां संपत्ति किराये पर दी जाती है भीर उसकी बाबत प्राप्त किया गया या प्राप्य वार्षिक किराया उक्त राशि से प्रधिक है--धारा 23(1);
- (ब) कटौतियां: (i) नगरपालिक करों की वह रक्तम जो म्हामी द्वारा वहन की जाती है--धारा 23(1) का प्रथम परन्तुक; (ii) नई निर्मित संपत्ति के लिये मोक--धारा 23(1) का द्वितीय परन्तुक; (ग) वाधिक मूख्य जो (क) में (ख) को घटाकर निकलने वाली रक्तम हैं; (घ) कटौतियां: (i) मरम्मत--वाधिक मूख्य का षंद्र्यांग --धारा 24(1)(i); (ii) वीमा--धारा 24(1) (ii); (iii) वन्धक पर व्याज या पूंजी प्रभार--धारा 24(1)(iii); निर्धारण वर्ष 1968-69 तक (iv) वाधिक प्रभार धारा 24(1) (iv); (v) भूषि किराया--धारा 24(1)(v); (vi) उधार ली गई पूंजी पर व्याज--धारा 24(1)(v)(vi); (vii) मू-राजस्य प्रादि--धारा 24(1)(vii); (viii) किराया मंगृहीन करने का प्रभार जो उक्त (ग) में धिंगत वाधिक मूख्य के6 प्रतिशन तक सीमित होगा, धारा 24(1)(viii); (ix) रिक्त रहना---धारा 24(1)(ix); (x) बसूल न किया जा सकने वाला किराया---धारा 24(i)(x); (ङ) उक्त (घ) में की गई कटौतियों का योग ; (घ) धन्य संपत्ति से गुद्ध प्रभार्य प्राय जो (ग) में से (ङ) को घटा कर निकलने वाली रकम है।

टिप्पण 6---पूंजी अमिलाभ

साधारण विशिष्टियां

पूंजी आस्तियों के ऐसे श्रत्तरण से जिसके परिणामस्वरूप पूंजी श्रभिलाभ होता है, उद्भूत होने नाली "पूंजी श्रभिलाभ" शीर्ष के श्रधीन प्रभार्य झाय के संबंध में निम्नलिखित विशिष्टिया प्रत्येक श्रास्ति की बाबत दी जाये:

(क) मारित का वर्णन : स्थावर संपत्ति की दशा में उसकी प्रवस्थिति, (ख) भ्रजैन की तारीख (ग) धन्तरण की तारीख (म) श्रन्तरिती का नाम भ्रीर पता यवि निर्धारिती के माथ उसकी कोई नातेदारी यासंबंध है तो वह बताइए।

पूंजी प्रभिलाभों की सगणना

(क) प्रम्तरण के प्रतिकल का पूरा मूख्य (ख) कटौतियां: (i) तारीखा 1 जनवरी, 1964 को प्रास्ति के ब्राजंन की लागत या उसका बाजार मूख्य--बारा 49, 50 मीर 51; (ii) पूंजी घ्रास्ति के सुधार की लागत--धारा 55(i)(ख); (iii) घन्तरण के संबंध मे व्यय धारा 48(i);(ग) मद (ख) में कटौतियों का योग; (घ) पूंजी घ्राभिनामों की रकम(क--ग)।

यदि निर्धारिती ने धारा 53,54,54 खा या 54 के अधीन पूँजी अभिलाभों की किसी छूट का दावा किया है तो एक विवरण संलग्न की जिए जिसमें छूट के जिये सुसंगत घारा में विनिदिष्ट शर्तों को पूरा किये जाने की विभिष्टियां दी गई हो।

टिप्पण 7: यदि निर्धारिती की कर मुक्त प्रतिभूतियों पर झ्याज के रूप में कोई न्नाय है या ग्रन्य कोई ऐसी न्नाय है जिस पर कर का रिबेट ग्रानुजोय है ग्रथवा उसकी ऐसी ग्राय है जो उसे कुल ग्राय में सम्मिलित की गई है जिस पर घारा 90 या 91 के ग्रवीन दोहरे कराधान से राहत का दाजा किया गया है तो उसका क्यौरा एक ग्रलग विवरण में दीजिए। टिप्पण 8:जहां निर्धारिण वर्ष के लिये प्रनिवार्य निक्षेप स्कीम (ग्राय-करदाना) प्रधिनियम, 1974 के ग्रधीन निक्षेप किय गया है वहां निक्षेप कार्यालय **#ारा** दी गई रसीद विवरणी के साथ भेजी जानी चाहिये। श्राय की विकरणी प्ररूप सं० 3-क म्रायकर कार्यालय में उपयोग के लिये भाय-कर प्रधिनियम, 1961 नियम 12(1)(क) धारा II के अधीन छूट का दावा करने वाले निर्धारितियों, जिनके अन्तर्गत कम्पनियां भी हैं, के निर्धारण वर्ष स्पष्ट ग्रक्षरों में नाम ····· भो समाप्त होने वाला (बाले) पू**र्व वर्ष** टेलीफोन कार्यालय का पता निवास स्थान का पता टेलीफोन स्थायी लेखा संख्याक लिखिए क्या* व्यष्टि/कंपनी/फर्म/व्यक्तियों का संगम/व्यष्टियों का लिखिए भ्या निकाय या कृतिम विधिक व्यक्ति है *निवासी है निवासी है किन्तु मामूली तौर पर निवासी है म्रनिवासी है यदि यह पुनरीक्षित विवरणी है सो कृपया पूर्व विवरणी के फाइल करने की नारीख क्या भ्रायक्त के यहा रजिस्ट्रीकृत है भाग 12क (क) लिखिए क्या वह संपरीक्षा रिपोर्ट संलग्न है जिसका उल्लेख धारा 12क (ख) में है। *हा/नही *हां / महीं भाग-ไ: कूल प्राय भीर गढ़ कृषि प्राय का विवरण माय का शीर्ष भाय/हानि (२०) (यदि कुछ नहीं हो तो ''कुछ नहीं लिखिए'' 1. प्रतिभृतियों पर ब्याज (टिप्पण 1 देखिए) 2. गृह सम्पत्ति से आय (टिप्पण 2 देखिए) 3. कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ (सट्टें के (क) रजिस्ट्रीकृत फर्म के लाभों में ग्रंश-उपाबन्ध क कारबार से भ्राय/हानि (क), (ख), (ग) भ्रौर (घ) के सामने प्रलग-प्रलग लिखी जाए) (ख) घरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तियों के संगम/ व्यष्टियों के निकास के लाभों में श्रंश-उपाबंध क (ग) बन्द कर दिये गये कारबार या वृत्ति की बाबस प्राप्त रकम →-धारा 176 (घ) मद (क), (ख) भीर (ग) को छोड़कर भारबार या वृत्ति (टिप्पण 3 देखिए) (क) अल्पकाशिक पंजी अस्तियों के सम्बन्ध में 4. पुंजी प्रभिलाभ (खा) श्रन्य पुंजी श्रास्तियों के संबंध में (उपावंध ख) (i) भूमि या भवन या उनमें कोई ग्रधिकार (ii) भ्रन्य आस्तियां 5. अन्य स्रोतों से प्राय (क) लाभांश (खा) व्याज (टिप्पण 4 देखिए) (ग) स्वैच्छिक अभिदाय (घ) अन्य मर्दे 6. मद 1 से 5 तक का योग 7. इनकी कटौती की जिए (क) **घारा 32(2), 35(4), 72 से 79** सक के प्रधीन पूर्व क्यों से अग्रनीत प्रनामेलित हानियां/मोक---(खा) धारा 32क(3)/33(2)/33क(2) के श्रधीन विनिधान मोक/विकास रिवेट/विकास मोक

^{*}जो लागून हो उसे काट दीजिए।

9. *निम्नलिखित की कटौती कीजिए	
(i) पूर्ववर्षके दौरानभारत में पूर्व	या धार्मिक प्रयोजनों के लिये प्रयुक्त रकम (टिप्पण 5 ग्रीर 6 देखिए)
(ii) पूर्व वर्ष के दौरान भारत में पूर्व स्पब्टीकरण का खण्ड 2(टिप्पण 5	या धार्मिक प्रयोजनो के लिये प्रयुक्त की गई समझी गई रकम [धारा 11(1) के भीर 6 देखिए]
ग्रधीन धारित सम्पत्ति से ब्युत्पन्न ।	ह बहु *पूर्णतः /केवल भागतः पूर्वया घार्मिक प्रयोजनो के लिये न्यास के ध्राय के 25 प्रतिगत से मधिक न हो, ऐसे प्रयोजनों के लिये प्रयुक्त किये जाने 1 रखी गई है । ध्रन्तिम रूप से घ्रलग रखी गई है ।
(iv) धारा II (1)(ग) के भाषीन छूट	-
(\mathbf{v}) यदि धारा H (2) की सभी णर्ते	पूरी कर दी गई है तो, ऊपर (iii) में निर्दिष्ट रकम के श्रतिरिक्त, विनिर्दिष्ट मा श्रलग रखीं गई रकम, (टिप्पण 7 देखिए)
(vi) मद (1)से (5)तक कायोग (टिप्पण 8 देखिए)	
*जो लागू न हो उसे काट वीजिए ।	
10. श्रतिसंघ	
11. जोड़िए:	
(i) धारा 11(1)(ख) के ऋधीन प्रभाय	र्भाय े
(ii) धारा 11(3) के अधीन प्रभाय आय	
(iii) माय जिसकी बाबत धारा 13 के उ (ওपाबन	पबन्धों के कारण धारा 11 के अधीन छूट उपलब्ध नहीं है। ह्य ग)
12. सकल कुल भाग (10+11)	
13. घटाइए : अनुज्ञेय कटौतियां (उपावन्ध घ)	
14. कुल धाय (दस रुपये के निकटसम गुणज तक	ह पूर्णांकितधारा 288क)
(क) श्रंकों मे	
(खा) शब्दी में	
15. गुरकृषि माय (टिप्पण १ देखिए)	
15. शुक्रकाय प्राय (टिप्पण 9 देखिए)	भाग-II : करों का विवरण
15. शुक्काय प्राय (टिप्पण 9 देखए)	भाग-II : करों का विवरण कुल आय पर कर
15. शुद्धक्राय भ्राय (ाटप्पण 9 देखए) (कुल भ्रायपर संदेय कर की संगणना दिशित कर	कुल आय पर कर
(कुल आरायपर संदेय कर की संगणना धर्शित क	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर
(कुल आयपर संदेय कर की संगणना दिशान कर क. स्त्रोत परकाटा गया कर(प्रमाण-पत्न संलग्न क	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर
(कुल आयपर संदेय कर की संगणना धर्मिन कर क. स्त्रोत परकाटा गया कर(प्रमाण-पत्न संलग्न क 1. प्रतिभृतियों पर क्याज	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर
(कुल आयपर संदेय कर की संगणना धरिंगत कर क. स्त्रोत परकाटा गया कर(प्रमाण-पद्म संलग्न क 1. प्रतिभृतियों पर क्याज 2. ग्रन्थ क्याज	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर
(कुल आयपर संवेय कर की संगणना दिशान कर का. स्त्रोत परकाटा गया कर(प्रमाण-पद्म संलग्न क 1. प्रतिभूतियों पर क्याज 2. ग्रन्थ क्याज 3. लाभोश	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्घारण पूर्व कर रुरिए)
(कुल आयपर संदेय कर की संगणना धरिंगत कर क. स्त्रोत परकाटा गया कर(प्रमाण-पद्म संलग्न क 1. प्रतिभृतियों पर क्याज 2. ग्रन्थ क्याज	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर किरिए)
(कुल आयपर संवेय कर की संगणना दिशान कर का. स्त्रोत परकाटा गया कर(प्रमाण-पद्म संलग्न क 1. प्रतिभूतियों पर क्याज 2. ग्रन्थ क्याज 3. लाभोश	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्घारण पूर्व कर रुरिए)
(कुल आयपर संदेय कर की संगणना धरियत कर क. स्त्रोत पर काटा गया कर (प्रमाण-पद्ध संलग्न क 1. प्रतिभूतियों पर क्याज 2. ग्रन्थ क्याज 3. लाभोश 4. कोई ग्रन्थ ग्राय (कृपया विनिविष्ट कीजि ख. ग्रियम कर (बालान संलग्न कीजिए)	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर किरिए)
(कुल आय पर संदेय कर की संगणना वर्शित कर क. स्त्रोत पर काटा गया कर (प्रमाण-पद्ध संलग्न क 1. प्रतिभूतियों पर क्याज 2. श्रन्य क्याज 3. लाभोश 4. कोई श्रन्य श्राय (कृपया विनिर्दिष्ट कीजि ख. श्रियम कर	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर किरिए)
(कुल आय पर संदेय कर की संगणना दिशित कर क. स्त्रोत पर काटा गया कर (प्रमाण-पद्ध संलग्न क 1. प्रतिभृतियों पर ब्याज 2. श्रन्य ब्याज 3. लाभोश 4. कोई श्रन्य श्राय (कृपया विनिर्विष्ट कीजि ख. ग्रग्नि कर (वालान संलग्न कीजिए) संदाय की तारीख	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर रिए) गां) रकम
(कुल आय पर संदेय कर की संगणना विशित कर क. स्त्रोत पर काटा गया कर (प्रमाण-पद्ध संलग्न क 1. प्रतिभूतियों पर क्याज 2. श्रन्थ क्याज 3. लाभोश 4. कोई श्रन्थ श्राय (कृपया विनिर्दिष्ट कीजि ख. ग्रीग्रम कर (वालान संलग्न कीजिए) संदाय की तारीख	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर रिए) रा रकम
(कुल आय पर संदेय कर की संगणना विशित कर क. स्त्रोत पर काटा गया कर (प्रमाण-पद्ध संलग्न क 1. प्रतिभूतियों पर क्याज 2. श्रन्थ क्याज 3. लाभोश 4. कोई श्रन्थ श्राय (कृपया विनिर्दिष्ट कीजि ख. ग्रग्निम कर (वालान संलग्न कीजिए) संदाय की तारीख	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर रिए) गां) रकम
(कुल आयपर संवेय कर की संगणना विशित कर क. स्त्रोत पर काटा गया कर (प्रमाण-पद्ध संलग्न क 1. प्रतिभूतिमों पर क्याज 2. अस्य क्याज 3. लाभोश 4. कोई अन्य आय (कृपया विनिविष्ट कीजि ख. श्रीम कर (वालान संलग्न कीजिए) संवाय की तारीख	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर रिए) रा रकम
(कुल आय पर संदेय कर की संगणना विशित कर क. स्त्रोत पर काटा गया कर (प्रमाण-पद्ध संलग्न क 1. प्रतिभूतियों पर क्याज 2. श्रन्थ क्याज 3. लाभोश 4. कोई श्रन्थ श्राय (कृपया विनिर्दिष्ट कीजि ख. ग्रग्निम कर (वालान संलग्न कीजिए) संदाय की तारीख	कुल आय पर कर रने वाला विवरण सलग्न कीजिए)। निर्धारण पूर्व कर रिए) रा रकम

भाग-IIIउस श्राय की विशिष्टिया किसकी बाब त यह	हु बाबा किया गया है कि उसे कर से छूट !	प्राप्त है और जो भाग 1 में सम्मिलित नहीं की गई है।
बिंगिष्टियां	रक्ष	किन कारणों से उस पर कर नहीं लगाया का सकत
भाग IV: ग्राय की विवरणी देने में श्रथवा श्रग्रिम	कर के संदाय या अनिवार्य निक्षेप करने में	व्यक्तिकम के संबंध में विवरण
 यदि कानून द्वारा नियत समय सीमा के भीतर क् यह बताइए कि क्या प्रस्प सं० 6 में आवेदन 		ोि क पया *हा / नहीं'
2. यदि हां ता क्रुपया आवेदन की तारीख और रसी	ोद संख्यांक लिखिए।	
 यदि भाग की थिवरणी देने में या भ्रमिम कर वे हुआ है तो उसके कारण एक अलग विवरण में 		
	सत्यापम (टिप्पण 10 देखिए)	
मैंस्यस्ट श्रक्षरों में पू हूं/करती हूं कि इस दिवरणी श्रौर इसमें संलग्न उणवन्धों श्रौर उसमें दर्शित कुल श्राम की रकम श्रौर अन्य विशिष्टिय वर्ष(क्यों) के संबंध में है।	भौर विवरणों में दी गई जानकारी मेरे स	वॉलम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है
मैं सर्त्यानच्छा से यह घोषणा भी करता हूं/करती हूं वि	कं उक्त पूर्व वृर्ष(वर्षी) के दौरानः	
(क) मुझो मेरे नाम में धारित किसी प्रास्ति से	कोई अन्य ग्राय न तो प्रोदभूत हुई, न	ज्वभूत हुई ग्रौरन प्राप्त हुई है,
(ख) किसी धन्य व्यक्ति की आय सिंहत ऐसी कोई *में सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूं वि		र श्राय-कर श्रिधिनियम, 1961 के मधीन कर प्रभार्य है
• ' '		जेसके लिये भौर जिसकी श्रोर से यह विधरणी वी जा रही है न तो प्रोव्भूत हुई है, न उद्भृत हुई है भीर न प्राप
*जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।		<u></u>
••		क्तिपर जिसके लिये ग्रौर जिसकी ग्रीर से यह विवरणी
मैं यह भी घोषणा करता/करती हूं कि · · ·	(पदनाम) की हैनियत में	ंकम्पनी की मोर से विवरणी तैयार करने भौर इसके
सल्यापित करने के लिये सक्षम हुं		
तारी य		
स्यान · · · · · · · · ·		हस्ताकार
उपा	बन्ध ककारबार या बृत्ति के लाभ स्रोर ह	भिलाम
फर्म या	। ध्यक्तिओं के संगम या व्यष्टियों के निकाय	। से ग्रंश
(क) रजिस्ट्रीकृत फर्में	(सट्टे से भिन्न) कारबार भौर वृत्ति	सट्टे का कारवाद
1. लाभ/हानि में श्रंश की रकम		
 दाये किये गये क्यथ की (ब्यौरा दीजिए) कटौती कीजिए (यदि उक्त श्रंक, हानि है सो जोडिए) 		
3. पृष्ट 1 पर मद 3 (क) में ले फाया गया शुद्ध ला	भ/हानि	
(ख) भ्रारजिस्ट्रीकृत फर्में व्यक्तियों के संगम व्यष्टियों निकाय	i के	<u> </u>
1. लाभ/हानि में ग्रंश की रकम		
2. दावा किये गये व्यय की (क्योरा दीजिए) कटौसी कीजिए (यदि उक्त भ्रंक, हानि है तोजोंकिए)		
उ. पुष्ठ 1 पर मद 3(ख) में ले जाया गया गुद्ध ल	ाभ (

· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	उपायम्य खः पूंजी अभि	।साभ (टिप्तण II वेकिए)			
ग्रस्पकालिक पूंजी गार्	स्तयों से भिन्न पूंजी श्रस्तियों के संस्था में पू	र्जा यभि लाभ ः · · ·			
इसमें से घटाइए : व	हरकम जिसके लिये धारा 53,54,54 साया :	54 ঘ भेः স্বधीन छूट र्द ————————————————————————————————————	गेम€ हैं ⋯		
मद 4 के भाग (क)	में ले जाई गई शुद्ध रनम				
अस्पकालिक पूरी श्री	स्तियों से भिन्न पूंजी मास्तियों के मर्बंध में प्	्रशी श्रभिकाभ · · · · ·			. ,
इसमें से घटाइएः बह	रकम फिसके लिये धारा 53,54,54ख 54	घया 54ड के फर्थान	छूट दी गई ह		
मद 4 के भाग (छ)) में ले जाई गई शुद्ध रक्षम				
	उपा	बन्धग	11		•
भाग-Iन्यास या संस	था को सभी निधियों के विनिधान के पूर्व वर्ष	(धर्पी) के श्रन्तिम दिन	न की स्थिति दिनि	त करने वाला विवरण ।	
उप-भाग कऐसे समृ	ह्यान में जिसमें धारा 13(3) में निविष्ट व्य	क्ति मारवान हित रखते	ा है, पूर्व वर्ष (वर्षी	f) के दौरान किसी समय धा	रित विनिधान
हम सै॰ समुत्थान का नाम अ	गौर पता जहां समुत्यान कोई कम्पनी है वहां	वितिधान का ग्रभिहित	विनिधान से भ्राय	क्या कालम (4) में द	
	धारित ग्रेसरों की संख्या भीर उनका वर्ग	मूख्य		वर्षके वौरान समुरूपान प्रतिशत से अधिक है,	•1
	44			नासनस्य संभावसम् हः, शिखिए।	હા યા ગહ
	2	4	5	6	
,	योग : जप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षी) के ग्रन्तिम दिन	घन्य विनिधान			
,	योगः उप-भागश्च~~पूर्ववर्ष (वर्षी) के ग्रन्तिम दिन	घन्य विनिधान	रिन होयरो यिनि	नधाम की सं० भीर उसका भ्रमि	हित मूल्य
,	योग : जप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षों) के ग्रन्तिम दिन नाम ग्रौर पता जहां समूस्थ	घन्य विनिधान	रिन ग्रेथरो विनि	नधान की सं० श्रौर उसका श्रभि	हित मूल्य
,	योग : जप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षों) के ग्रन्तिम दिन नाम ग्रौर पता जहां समूस्थ	घन्य विनिधान	रिन ग्रेथरो विनि	ाधान की सं० श्रीर उसका श्रीभ	हित मूल्य
कम सं० समुस्थान का	योगः उप-भाग धापूर्ववर्ष (वर्षों) के प्र न्तिम दिन नाम प्रौ र पता जहां समूत्य का यर्ग	ध्रन्य विनिधान ाम कार्द्ध कम्पनी है पहा धा			हित मूल्य
क्षम सं० समृस्थान का भाग-II∽-ग्राय जिसक	योगः जप-भागः थापूर्वं वर्षं (वर्षों) के श्रन्तिम दिन नाम स्रौर पता जहां समूद्ध का वर्ष योगः	ग्रन्य विनिधान गन काई कम्पती है पहा धा गरा 11 के ग्रधीन छूट ग्धों में से काई उपवन्ध	उपलब्ध नहीं है	1	हित मूरुय
क्म सं० समुस्थान का भाग-П	योग: जप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षी) के श्रन्तिम दिन नाम प्रौर पता फहा समुख का यर्ग मोग: भी बाबत धारा 13 के जपबन्धों के पारण ध	भ्रन्य विनिधान ान काई कम्पती है नहा धा गरा 11 के स्रधीन छूट म्धो में से काई उपबन्ध	उपलब्ध नहीं है 1 लागू होता है *हां/	। /नर्श	हित मूल्य
क्षम सं० समृस्थान का भाग-Ш~-ग्राय जिसक प्र०ा क्या इस मा खण्ड (क) खण्ड (ख)	योग : उप-भाग थापूर्व वर्ष (वर्षी) के श्रन्तिम दिन नाम प्रौर पता जहां समूद्ध का थर्म सोग : की बाबत धारा 13 के उपबन्धों के बारण ब	भ्रन्य विनिधान ान काई कम्पती है नहा धा गरा 11 के स्रधीन छूट स्थी में से कोई उपबन्ध	उपलब्ध नहीं है । लागृ होता है · *हां * स्टां	। नर्श नर्श	हित मूल्य
भाग-IIग्राय जिसक प्राण क्या इस मा खण्ड (क) खण्ड (ख) खण्ड (ग)	योग : उप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षी) के प्रन्तिम दिन नाम प्रौर पता जहां समुद्ध का वर्ग योग : भे बाबत धारा 13 के उपबन्धों के बारण ध	श्रन्थ विनिधान ान काई कम्पनी है नहा धा गरा 11 के श्रधीन छूट धो में से कोई उपबन्ध	उपलब्ध नहीं है 1 लागृ होता है *हां/ *हां *हां	 	हित मूरुप
भाग-II ~ - स्राय जिसक प्रकार- क्या इस मा खण्ड (क) खण्ड (ख) खण्ड (ग) खण्ड (य)	योग: उप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षों) के ग्रन्तिम दिन नाम प्रौर पता जहां समूद्ध का वर्ग योग: की बाबत धारा 13 के उपबन्धों के थारण ध	श्रन्थ विनिधान ान काई कम्पनी है पहा धा गरा 11 के अधीन छूट धो में से काई उपबन्ध	उपलब्ध महीं है 1 लाग होता है *हां, *हां *हां *हां	। नर्श नरी नरी	हित मूल्य
भाग-IIग्राय जिसक प्रकार- क्या इस मा खण्ड (क) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख)	योग : जप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षों) के प्रन्तिम दिन नाम प्रौर पता जहां समूत्य का वर्ग सोग : की बाबत धारा 13 के उपबन्धों के पारण ध	श्रन्थ विनिधान ान काई कम्पनी है पहा धा गरा 11 के श्रधीन छूट थो में से काई उपवन्ध	उपलब्ध नहीं है । लाग होता है *हां, *हां *हां *हां *हां *हां,	। नर्श नरी नरी नरी	हित मूल्य
भाग-II न्याय जिसक प्राथ- क्या इस मा खण्ड (क) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख)	योग : जप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षों) के म्रन्तिम दिन नाम प्रौर पता फहां समूत्य का यर्ग योग : की बाबत धारा 13 के जपबन्धों के कारण ब	प्रत्य विनिधान ान काई कम्पती है पहा धा परा 11 के सधीन छूट धो में से कोई उपवन्ध	उपलब्ध नहीं है । लाग होता है *हां, *हां *हां हां, *हां, *हां,	। नर्श नरी नरी नरी	हित मूल्य
भाग-IIग्राय जिसक प्रशा क्या इस मा जण्ड (क) खण्ड (ख) खण्ड (घ) खण्ड (घ) खण्ड (छ) खण्ड (छ) खण्ड (छ)	योग: उप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षों) के ग्रन्तिम दिन नाम प्रौर पता जहां समुद्ध का वर्ग योग: की बाबत धारा 13 के उपबन्धों के पारण ध	प्रत्य विनिधान गन काई कम्पती है नहा धा गरा 11 के सधीन छूट थों में से काई उपवन्ध	उपलब्ध नहीं है लागू होता है	। नर्श नरी नरी नरी नरी नरी	
भाग-IIग्राय जिसक प्रकार क्या इस मा जण्ड (क) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (छ) खण्ड (छ) सण्ड (छ)	योग : जप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षों) के म्रन्तिम दिन नाम प्रौर पता फहां समूत्य का यर्ग योग : की बाबत धारा 13 के जपबन्धों के कारण ब	प्रत्य विनिधान ान काई कम्पती है पहा धा तरा 11 के स्रधीन छूट धो में से काई उपवन्ध	उपलब्ध नहीं है । लाग होता है	। नहीं नहीं नहीं नहीं नहीं नहीं	
भाग-II न्नाय जिसक प्रकार- क्या इस मा खण्ड (क) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (ख) खण्ड (छ) प्रमुख्य (छ)	योग: उप-भाग खपूर्व वर्ष (वर्षी) के प्रन्तिम दिन नाम प्रौर पता जहां समुद्ध का वर्ग योग: भी बाबत धारा 13 के उपबन्धों के बारण ध प्रमने की धारा 13(2) के निम्नलिखित उपबन्ध	प्रत्य विनिधान ान काई कम्पती है नहा धा ारा ।। के प्रधीन छूट स्थी में से कोई उपबन्ध	उपलब्ध नहीं है । लाग होता है	। नहीं नहीं नहीं नहीं नहीं नहीं	

^{*}जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।

- दशा II- यदि प्रथन 1 की सभी मदों के सामने और प्रथन 2 के भी सामने उत्तर "नहीं" है, और इस उपाधन्य के भाग 1 के उप-भाग क में कोई प्रविष्टि हैं तो यहा इस उपाधन्य के भाग 1 के उप-भाग क के कालम (5) में दी हुई रकमों का योग लिखिए। (नीचे टिप्पण देखिए)।
- दशा III--यदि प्रश्न 1 भीर प्रश्न 2 की सभी मदों के सामने उत्तर "नहीं" है श्रीर इस उपाधन्ध के भाग 1 के उप-भाग क में कोई प्रविष्टि नहीं हैतो यहां "कुछ नहीं" लिखिए।
- टिप्पण--यथास्थिति, दशा I या दशा II में जो रकम लिखी जाये वह पृष्ठ 2 पर मद 9(i), (ii) ग्रीर (iii) के सामने फटौती के रूप में दावा की गई रमामों के योग से श्रधिक नहीं होनी चाहिये।

जपाबन्ध घ : कटौतियां (टिप्पण 12 देखिए)

विशिष्टियां

सकल रकम

श्रहेंक रकम

कटौती की रकम

- 1. निम्नलिखित से सबंधित दीर्घकालिक पूंजी ग्राभिलाभ---
 - (i) भूमि या भवन या उसमें कोई अधिकारी
 - (ii) भन्य ग्रास्तियां ~धारा 80 न
- 2. ग्रन्य कटौतियां, यवि कोई हों (ब्यौरा दीजिए)

पुष्ठ 3 पर मद 13 में ले जाई गई कटौती की कुल रकम

उपायन्ध कः न्यास या संस्था के निर्माता

(निर्माताओं)/संप्रवर्तक (संप्रवर्तकों)/स्यासी (न्यासियों)/प्रवन्धक (प्रवन्धकों), ग्रादि के संबंध में विशिष्टियों का विवरण

उपाबन्ध च--धारा 133/139 के अधीन दी जाने वाली विशिष्टियों का विवरण

- 1. किमी फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय के भागीदार/सदस्य की दशा में फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय का नाम भीर पता भीर ऐसे प्रत्येक भागीदार/सदस्य का नाम, पता और उनके अपने-अपने अंश विधान करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।
 - 2. किसी अन्य व्यक्ति के न्यासी, संरक्षक या अभिकर्ता की दणा मे ऐसे अन्य व्यक्तियों के नाम और पते दिशास करने वाला विवरण संलक्त कीजिए।
- 3. यदि निर्धारिती ने पूर्व वर्ष के चौरान किराया, कमीशन, स्वामित्य या वलाली या वार्षिकी का (जो "वेतन" शीर्ष के प्रधीन निर्धारणीय वार्षिकी नहीं है) जो एक हजार स्पए से प्रधिक है संदाय किया है तो पाने वालों के नाम भीर पते नथा सदल रकमें दिशान करने वाले (संदाय की प्रकृति के भ्रमुसार) भ्रम्ला-श्रम्लग विवरण संलख्न कीजिए। यदि पाने वाला श्रनिवासी है तो यह बताइए कि क्या कर की स्रोत पर कटौती कर ली गई है भीर वह केन्द्रीय सरकार के जमा खाते में संदल्त कर दिया गया है।

टिप्पण 1—िनम्निलिखित विणिष्टियां और "प्रतिभृतियों पर ब्याज" णीर्थ के अधीन प्रभामें श्राय की संगणना इस विवरणी से संलख्न विवरण में दी जाये, अर्थात् :---

साधारण विशिष्टियाँ

(i) प्रतिभूतियों की बिणिष्टियां (ii) ग्रंकित मृल्य, (iii) वर्ष के दौरान देय या प्राप्त ब्याज की सकल रकम (सरकारी प्रतिभूतियों भौर डिवेंचरों तथा अन्य प्रतिभूतियों के संबंध में भ्रलग-ग्रलग ब्यौरा दीजिए), (iv) स्रोत पर कटौती किये गये कर की रकम, (v) टिप्पणी उदाहरणार्थ कर मुक्त प्रतिभृति की देशा में इस कालम में ''कर मुक्त' शब्द लिखिए।

ग्राय की संगणना

(सरकारी प्रतिमृतियों भौर डिबेंचरों तथा धन्य प्रतिभृतियों के लिए भलग-मलग दी जाए)

(i) देय या प्राप्त सकल रकम [साधारण विशिष्टियों की मद (iii) से],

- (ii) इंटाइए: (क) क्याज की बसूली के लिए व्यय-धारा 19(i)/20 भीर
 - (ख) उधार ली गई धनराशियो पर ग्याज धारा 19 (i1)/20;
- (iii) प्रतिभृतियो पर ब्याज की शुद्ध रकम जो पृष्ठ 1 पर मद 1 में ले जाई गई है और जो (i) में से (11) को घटाकर निकलने वाली रकम है। टिप्पण 2. प्रत्येक गृह सम्पत्ति के लिए निम्नलिखित विशिष्टियों/"गृह सम्पत्ति से भाय" गोर्थ के अधीन प्रभार्य श्राय की सगणना इस विवरणी से संलग्न विवरण में दी जाए, अर्थात ——

सम्पत्ति से आय (किराये पर वी गई सम्पत्ति) (साधारण विशिष्टियां)

(क) सम्पत्ति की श्रवस्थिति, (च) वार्षिक मगरपालिक मूस्योकन

म्राय की संगणना

- (क) अह राशि जिस पर सम्पत्ति के वर्षानुवर्ष किराए पर दिए जाने की युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है या जहां सम्पत्ति किराए पर वी जाती है और उसकी बाबत प्राप्त किया गया या प्राप्य वार्षिक किराया उक्त राशि से प्रधिक हैं—धारा 23(i),
- (ख) कटौतियां (1) नगरपालिक करो की बन् रकम जो स्थामी द्वारा बहन की जाती है—धारा 23(1) का प्रथम परस्तुक, (i) नई निर्मित सम्पत्ति के लिए मोक—मारा 23(1) का दिनीय परन्तुक,
 - (ग) वार्षिक मूल्य जो (क) में (ख) को घटाकर निकलने वाली रकम है
- (ष) कटौतियां. (i) मरम्मत—वार्षिक मून्य का षष्ठाम—क्षारा 24(1)(1), (ii) बीमा—क्षारा 24(1), (ii), (ii) वार्षिक प्रभार—धारा 24(1)(iv); (iv) भूमि किराया—धारा 24(1) (v) (v), उधार लिए गए धन पर म्याज—धारा 24(1)(vi), (vi) भ्राजस्व आदि—धारा 24(1)(vii), (vii) किराया सगृहीन करने का प्रभार जो उक्त (ग) में विधान वार्षिक मूल्य के 6 प्रतिक्षत तक मीमित होगा—धारा 24(1)(viii), (viii) रिक्त रहना—क्षारा 24(1)(ix), (ix) वसूल न किया जा सबने वाला किराया—धारा 24(1)(x) भीर नियम 4(3) उक्त (घ) में की गई कटौतियों का योग,
- (च) भ्रन्य सम्पत्ति से शुद्ध प्रभार्य भ्राय जो (क) में से (ङ) को घटाकर निकलने वाली रकम है।
- दिप्पण 3 ' ''कारबार या वृक्ति से लाभ और भभिलाम'' शीर्ष के ग्रधीन प्रभार्य भाय के सम्बन्ध में निम्नलिखित विशिष्टियां श्राय की विवरणी से संलग्न किए जाने वाले विवरण में दी जाए, भर्यात् '---

साधारण विशिष्टियां

भाग 1—कारबार या मृसि (फर्में/व्यक्तियो के संगम/ब्यष्टियो के निकाय मे भ्रंश से भिन्न)

- (i) वह नाम, जिस नाम से कारबार या बृत्ति चलाई जा रही है, (ii) कारबार या वृत्ति के मुख्य स्थान का पता, (ii) शाखाओं के नाम श्रीर पते, (iv) कारबार या वृत्ति की श्रकृति, (v) लेखा रखने का तरीका, यह बताइए कि क्या वह *वाणिज्यक/नकव/मिश्रित है, (vi) स्टाक मूल्यांकन का तरीका, (vii) यदि नियमित लेखा-बहियां रखी जाती है तो निम्नलिखित की प्रतियां सलग्न कीजिए:——
 - (क) विनिर्माण लेखा, व्यापार लेखा, लाम और हानि लेखा या आय भीर व्यय लेखा अथवा ऐसा ही कोई अन्य लेखा भीर तुलनपत्न, यिष लेखाओं की सपरीक्षा की गई है तो संपरीक्षित लेखाओं की प्रतियां लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की प्रति के साथ लगाई जाए, यदि कम्पनी के लागत लेखा की संपरीक्षा कम्पनी प्रक्षिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 233-ख के प्रधीन की गई है तो लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की एक प्रति और निदेशक के वैयक्तिक लेखाओं की प्रतियां भी संलग्न की जाए,
 - (खा) (1) सापत्तिक कारबार या वृत्ति की दशा में स्वरंखधारी का वैयक्तिक लेखा, (11) फर्म, व्यक्तियों के सगम या व्यष्टियों के निकाय की दशा में, भागीदारों या सदस्यों के वैयक्तिक लेखा, (iii) किसी फर्म, व्यक्तियों के सगम या व्यष्टियों के निकाय के भागीदार या सदस्य की दशा में, फर्म, व्यक्तियों के सगम या व्यष्टियों के निकाय में उसका वैयक्तिक लेखा,
- (viii) यदि नियमित लेखा बहिया नहीं रखी जाती हैं तो एक विवरण सलग्न कीजिए जिसमे कारबार या वृत्ति के आवर्त या सकल प्राप्तियो, सकल लाभ, व्यय ग्रीर शुद्ध लाभ की रकमे तथा वे आधार जिन पर इन रकमों की संगणना की गई है, उपर्दाशत हो ग्रीर जिसमे पूर्व वर्ष के श्रन्त होने के समय कुल भन्यान्य ऋणियो, प्रम्यान्य लेनवारो की रकमो, व्यापार स्टाक ग्रीर नकव प्रतिशेष की स्थिति बताई गई हो ।
 - (ix) सविवा कार्य मे लगे हुए निर्मारितियो बारा दी जाने वाली श्रतिरिक्त जानकारी—
 - (क) यदि उस व्यक्ति द्वारा, जिसके माथ संविदा की गई थी, प्रदाय की गई सामग्नियों का मूल्य या उसके द्वारा (किए गए कार्य के लिए वेय संदाय में से) प्रतिधारित प्रतिमूर्ति निक्षेप को विखाई गई सकल प्राप्तियों में सम्मिलित नहीं किया गया है तो यहां उसकी रकम बताइए ।

- (खा) क्या धारा 285-क के ब्राधीन सम्बन्धित ब्रायकर ब्रधिकारी को भवन निर्माण या प्रवाय की सविवाधी के सम्बन्ध में जानकारी वे दी गई है।
- (x) चलचित्र फिल्मों के निर्माताम्रो द्वारा दी जाने वाली मितिरिक्त जानकारी—क्या धारा 285-ख के मधीन सम्बन्धित आयकर मिर्घिकारी को चलचित्र फिल्मों के निर्माण में लगाए गए व्यक्तियों को किए गए संदायों का विवरण दे दिया गया है। *हां/नहीं

- (2) पूर्व वर्ष के लिए फारबार या वृत्ति से निर्धारणीय लाभ/हानि की संगणना:
 - किसी फर्मं/व्यक्तियों के संगम/व्यिष्टियों के निकास के लाभों में श्रंशों को छोड़कर, लाभ और हानि लेखों के भनुसार लाभ या हानि, जोड़िए (यदि उक्त श्रंक हानि का छोतक है तो कटौसी कीजिए) ।
 - 2 तिम्निसिबित के सम्बन्ध में लाभ भौर हानि लेखों के नाम में डाली गर्ड रकमें—(क) पूर्वतर वधों की हानियां, (ख) श्रायकर, मिक सासित प्रादित (ग) वैयिक्तिक व्यय जिसके अन्तर्गत पूर्व या उपहार भी है, (घ) पूंजी व्यय, (ङ) व्यय, मोक और संदाय जिनकी कटौती धारा 40(क), 40-क(5) या (6) के भ्रधीन नहीं की जा सकती है (ब्यौरे दीजिए), (घ) व्यय दर और भन्ते जिनकी कटौती धारा 40(ग) के प्रधीन नहीं की जा सकती है, (छ) धारा 40-क(2) के श्रधीन अनुक्रेय व्यय, (ज) इस यिनरणी में अन्यद्ध कटौती के रूप में दाया किया गया व्यय, (स) अवक्षयण--जिस पर अलग से विचार किया गया है, (ङा) विनिधान मोक, विकास रिजेट और विकास मोक--जिस पर अलग से विचार विया गया है (प्ररूप सं० 5 भीर 5-क संनयन की भिए), (ट) ब्रुवन्स ऋणों के लिए भारिकित या व्यवस्था, (ठ) किमी प्रारक्षिति या किमी निधि में अगा कर लिया गया व्याज;
 - 3. लाभ-हानि लेखा आदि के नामे डाले गए भन्य व्यय आदि-- उस परिणाम तक जहां तक थे भनुक्तेय मही है:
 - (क) ऐसी आस्तियों का जिनका उपयोग पूर्णतः कारबार के लिए नहीं किया जाता है, किराया, रेट, कर, भरम्मत और बीमा प्रीमियम ---- घारा 30/31; (ख) आस्तियों के विश्य पर हानि---धारा 32(i)(iii) (ब्योरे दीजिए); (ग) पुनर्यास मोक---धारा 33-ख (ब्बौरे दीजिए); (घ) वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय या वैज्ञानिक श्रनुसंधान संगमो को दी गई राशिया श्रावि—छारा 35 (क्वौरे बीजिए); (४) पेटेन्ट प्रधिकारों या प्रतिलिप्याधिकारो पर व्यय--धारा 35-क; (च) ग्राम विकास मोक---धारा 35-गग; (छ) ग्राम विकास कार्यक्रमों को चलाने के लिए या ऐसे कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के लिए व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए संगमों श्रौर संस्थाओं को संबायो के रूप में व्यय—क्वारा 35-गगक; (ज) प्रारम्भिक व्यय—क्वारा 35-स (प्ररूप संख्याक 3-खा संलग्न कीजिए); (झ) खनिजो के पूर्वाक्षण भौर विकास के लिए ज्यय---धारा 35(फ्र) (प्ररूप सं० 3-ख संलग्न कीजिए), (ज्यौरे दीजिए); (ङा) बोनस का ग्रनन्त्रेय परिमाण तक संदाय—धारा 36(i)(ii), (ट) मिलप्य निधि, भिन्नदारिकी या उपदान निधियों में भ्रभिदाय---धारा 36(i)(iv) भीर (v); (b) मत्कार व्यय--धारा 37(2)(2-b); (c) किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रकाशित किसी रमारिका, विवरणिका आदि में विज्ञापन पर व्यय--धारा 37(2-ख) (व्यीरे दीजिए); (६) विज्ञापन पर भीर भ्रतिथि गृहों के अनुरक्षण तथा कर्मचारियों की यात्रा पर अन्य व्यय--धारा 37(3) भीर (4) नियम 6-व श्रीर 6-व (व्यीरे क्षीजिए), (ण) विज्ञापन, प्रचार और विक्रय बड़ाने पर समायोजित व्यय—धारा 37(3-क) (ब्यौरे दीजिए) (केवल निर्धारण वर्ष 1979-80 श्रीर 1980-81 के लिए लागू); (त) ऐसा व्यय जो कास चैक द्वारा किए जाने से भ्रन्यथा किया जाए--धारा 40-क(3)/नियम 6-घष (ब्यौरे वीजिए); (थ) उपदान के संवाय के लिए की गई व्यवस्था---धारा 40-क; (व) निक्षेपों की बाबत ब्याज के रूप में व्यय—धारा 48-क(8); (ध) कोई श्रन्य व्यवस्था/श्रारक्षिति/भ्रम्य ब्यय को घारा 28 से 44-ध तक के अधीन अनुज्ञेय नही है।
 - 4. वे रकमें जो लाम और अभिलाभ नेखा आदि में जमा नहीं की गई हैं (क) धारा 41(1), (3) और (4) के अधीन प्रभावं लाभ (ब्यौरे दीजिए); (ख) धारा 41(2) और (2-क) के अधीन प्रभावं लाभ (ब्यौरे दीजिए), (ग) अन्य कोई प्रभावं लाभ और अभि-लाभ (ब्यौरे दीजिए);
 - 5. मद 1 से 4 तक का योग । घटाइए (यदि मद 5 में ग्रंक नकारात्मक है तो जोड़िए);
 - नीचे (3) के प्रनुसार संगणित प्रवक्षयण;
 - 7. "कारबार या पृत्ति के लाभ और मिभलाभ" शीर्ष से भिन्न शीर्षों के मधीन प्रभायं माथ या किसी पूर्वतर वर्ष में कर से प्रभारित की जा चुकी भाय जो लाभ और हानि लेखा मादि में जमा कर दी गई है;
 - 8. वैज्ञानिक प्रमुसंधान/निर्यात वाजार विकास मोक/कृषि विकास मोक पर व्यय की वाबत कटीती को लाभ भीर हानि लेखा के नामे जाली गई रकम के श्राधिक्य में भ्रमुक्केय है---धारा 35----35-ख भीर 35-ग;
 - 9. धारा 28 से 44-व तक के अधीन दायाकृत कोई ग्रन्य व्यय/कटौती (स्पीरे दीजिए);
 - 10. मद 6 से 9 तक का योग;
 - 11. लाभ/हानि का प्रतिशेष (जो मद 5 में से मद 10 की घटाकर बाने वाली रकम है)।
- (3) विवरणी से संलग्न एक विवरण में धवक्षयण मोक और विनिधान मोक की बाबत निम्निलिखत विधिष्टियां वी आएं, धर्यात् (i) आस्तियों का वर्णन (भवन के सम्बन्ध में यह बताइए कि क्या भवन पट्टे पर लिया गया है या निर्धारितों के स्वामित्व में है), (ii) विद्यमान आस्तियों का अविलिखित सूल्य, (iii) पूर्व वर्षों के वौरान अजित आस्ति की वास्तिविक लागत, (iv) परिवर्धनों या परिवर्तनों पर पूंजी व्यय, (v) उपयोग की अविधि (केवल तब बताई जाए जब विवरणी निर्धारण वर्ष 1969-70 या किसी पूर्वतर वर्ष के सम्बन्ध में है), (vi) विकय की गई, त्यक्त कर दी गई, हा दी गई या नष्ट कर दी गई आस्तियों की बाबत स्कैप सूल्य, (vii) वह रकम जिस पर अवक्षयण अनुमेय है [मद (ii) से (iv) तक का योग जिसमें मद (vi) में निर्दिण्ट आस्तियों से सम्बन्धित रकम सिम्मिलत नहीं है], (viii) अवक्षयण की दर, (ix) उन दिनों की कुल संख्या जब काम किया गया (केयल तब दी जाए जब अतिरिक्त पारी मोक का दावा किया जाता है), (x) उन दिनों की कुल संख्या जब वोहरी पारी और तिहरी पारी में काम किया गया (केवल तब दी जाए जब अतिरिक्त पारी मोक का दावा किया जाता है), (xi) दावा किया गया अवक्षयण—(क) आरम्भिक अवक्षयण (ख) सामान्य अवक्षयण (जिसके अनुमोदित होटलों के लिए अतिरिक्त अवक्षयण भी है); (xii) कुल अवक्षयण, (xiii) दावा किया गया विविधान मोक (दर भी बताइए); (xiv) टिप्पणियां (आरमिकक अवक्षयण, विनिधान मोक या विकास रिवेट की रकम बताइए जो आस्ति के सम्बन्ध में किसी पूर्वतर वर्ष में अनुकात किया गया है)।

टिप्पण 4: लाभांग प्राय के तथा 'प्रन्य स्रोतो से घाय' शीर्ष के घ्रधीन प्रभार्य घाय की संगणनाकी बाबत निम्नलिखित विणिष्टियां विवरणी के साथ संलग्न किए जाने वाले एक पृथक विवरण मे दी जाए ग्रर्थात् (i) कम्पनी का भाम, (ii) ग्रेयरों की संक्या, (iii) लाभांगों की सकल रकम∎ (iv) स्रोत पर कटौती किया गया कर।

आय की संगणका

[िमन्तिषिकत की बाबन क्यौरा दीजिए—(i) सकल आय; (ii) दावाक्टन व्यय (iii) शुद्ध आय जो (i) मे से (ii) घटाकर निकलने वाली रकम हैं] (क) लामांग, (ख) प्रतिभूतियो पर ब्याज या कारबार या वृत्ति के लाभो के रूप में प्रभार्य ब्याज से भिन्न ब्याज, (ग) ग्रन्य मदें जो (i) फायदों या परिलब्धियों के मृत्य---धारा 2(24)(1), (ii) न्यास के फायबाबाही या न्यासी की दणा मे फायदों या परिलक्षियों का मृत्य---धारा 2(24)(fv)(क), (iii) लाटरी से, वर्ग पहेली से, दौड़ श्रावि मे हुई जीन—धारा 56(1)(1-ख), (iv) मशीनरी, संयत्न, फर्नीचर या भवन का किराए पर दिए जाने से होने वाली भाय----धारा 56(1)(i) भौर (ii), (v) वार्षिकी या उसका संराणित मृल्य---धारा 280-घ, (vi) धारा 59 के म्रधीन कर से प्रभार्य लाभ ; (ম) उक्त (क), (আ) भीर (ग) की बाबत मुद्ध अराय जो पृथ्ठ 2 पर मद 5(क), 5(ছঃ) भीर 5(ग) में ले जाई जाएंगी ।

- टिप्पण 5 ऐसे न्यास या सस्था की दशा में जिसका सुजन या जिसकी स्थापना पूर्णत. पूर्व या धार्मिक प्रयोजनो के लिए नही की गई है, उस न्यास या संस्था द्वारा स्वैन्ष्टिक ग्राभिदायों में से प्राप्त लोई रवम जो पूर्व वर्ष के बीरान भारत में पूर्व या धार्मिक प्रयोजनों के लिए उपयोजित की गई है, कटौती के रूप में श्रन्ज़िय नहीं है।
- टिप्पण 6: प्रयोजमो भौर प्रत्येक के लिए उपयोजित रकम का ग्यौरा एक भ्रलग कागज पर दे। जहां धारा 11(1) के स्पष्टीकरण के अधीन विकल्प का प्रयोग किया जाना है कहां यदि उस ग्राशय का कोई पन्न पहले ही नहीं भेज दिया गया है तो ऐसा पन्न संक्ष्यन कीजिए ।
- टिप्पण 7 जहां मद २(V) के सामने किसी कटौती का दाया किया गया है वहां प्ररूप संख्यांक 10 में सूचना संलग्न की जाए। यदि ऐसी सूचना पहले ही दी जा चुकी है तो उसकी एक प्रति संलग्न कीजिए। इस प्रकार संचित या श्रत्नग रखी गई श्राय के सम्बन्ध में विनिधानों या निक्षेपों की बाबत ब्यौरे भ्रलग कागज पर दिए जाए ।
- टिप्पण 8. जहा माय ऐसी सम्पत्ति से प्राप्त की जाती है जो केवल भागतः, पूर्त वा धार्मिक प्रयोजनो के लिए न्याम के ग्रधीन धारित है ग्रीर मद (i), (ii), (iii), (ɪv) श्रीर (v) के सामने कटौसियों का योग काय के उस भाग से भविक है जो ऐसे प्रयोजनों के लिए उपयोज्य है यहाँ कटौसी के लिए दावा इस प्रकार उपयोज्य ग्राय की रकम तक ही सीमित होना चाहिए ।
- टिप्पण 9 : सुद्ध कृषि ग्राय की संगणना सूक्षगत वित्त श्रधिनियम के नियमों के ग्रनुसार निम्नलिखिन रीप्ति से संगणित की जाए, श्रयीत : (क) कृषि प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त भृमि मे प्राप्त किराया या राजस्व, (खा) कृपक ग्रावि द्वारा निवास गृह के रूप मे श्रपेक्षित किसी भवन में म्राय, (ग) मन्य कृषि श्राय जो मद (ष) म निर्दिष्ट काय के विक्रय में ग्राय नहीं है, भारन में उगाई मौर विनिर्मित चाय के विक्रय से ग्राय का साठ प्रतिणत (ङ) रिजस्ट्रीकृत फर्मे/अर्गजस्ट्रीकृत फर्मे/व्यक्तियों के भगम आदि से कृषि भ्राय का श्रंत्र जिसकी संगणना भुसंगत विक्त अधिनियम में दिए गए गुद्ध कृषि भाय की संगणना के नियमों के श्रनुसार की गई है, (च) भद (क) से (ङ) तक का योग (मुसंगत वित्त श्रधिनियम **के** विए गए सुद्ध कृषि आय की संगणना के नियमो के प्रनुसार हानियो के समायोजन के प्रधीन रहते हुए), (छ) घटाइए, राज्य सरकार की पूर्व वर्ष की कृषि भाव पर संदेय कृषि भाय-कर, (ज) शुद्ध कृषि भाय जो (च) में मे (छ) को घटाकर ग्रार्न वाली रकम है ।
- टिप्पण 10: घोषणा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व हस्राक्षरकर्ता को स्वयं ग्रपना यह समाधान कर लेना चाहिए कि विवरणी तथा उससे सलग्न उपाधन्ध ग्रौर विवरण सभी प्रकार से सही और पूर्ण है।

इस विवरणी में या इससे संलग्न उपाबक्धों या विवरणों में मिथ्या कथन करने वाले व्यक्ति पर प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 277 के मधीब श्रभियोजन चलाया जा सकेगा ग्रौर सिम्रदोष होने पर वह

(i) ऐसे मामले में जहां वह कर जिसका ग्रापवंचन करने का ग्रामय है, एक लाख रूपये से प्रधिक है यहां कठिन कारावास से जिसकी मबीध छह भास से कम नहीं होगी किन्तु सात वर्ष सक की हो सकेगी, घौर जूर्माने से दण्डनीय होगा; (ii) किमी धन्य मामले में कठिन कारांकास से जिसकी भवधि तीन मास से कम नहीं होगी किन्तु तीन वर्ष तक की हो सकेगी, धौर जुर्माने से वण्डनीय होगा ।

पंजी अभिलाभ

टिप्पण 11:

साधारण विशिष्टिया

पूंजी भ्रास्तियो के ऐसे मन्तरण से जिसके परिणामस्वरूप पूंजी भ्राभिलाभ होना है, उद्दभूत होने वाली "पूजी भ्राभिलाभ" शीर्ष के भ्रधीन प्रमार्य म्राय के सम्बन्ध में निम्नलिखित विशिष्टियां प्रत्येक म्नास्ति की बाबत दी जाएं ---

(क) ग्रास्ति का वर्णनः स्थावर सम्पत्ति की दशा में उसकी ग्रवस्थिति, (ख) ग्रर्जन की तारीख, (ग) ग्रन्तरण की तारीख, (घ) श्रन्तरिती का नाम भीर पना यदि निर्धारिती के साथ उसकी कोई नातेदारी या सम्बन्ध है तो वह बताइए।

पंजी श्रभिलाभों की संगणना

- (क) भन्तरण के प्रतिफल का पूरा मूल्य; (ख) कटौतियां (i) तारीख 1 जनवरी, 1964 को भ्रास्ति के भ्रार्जन की लागन या उसका बाजार मृत्य—आग 40, 50 और 51; (ii) पूंजी आस्ति के सुधार की लागत—आरा 55(1)(ख); (iii) अन्तरण के सम्बन्ध में अपय— धारा 48(1), (ग) मद (ख) में कटौतियों का योग, (घ) पूंजी फ्रभिलाभों की रकम (क
 ightharpoonup 1) ।
- टिप्पण 12: यदि निर्धारिती की कर भुक्त प्रतिभृतियो पर ब्याज के रूप में कोई धाय है या धन्य कोई ऐसी धाय है जिस पर कर का रिबेट धनक्षेय है श्रपका उसकी ऐसी भ्राय है जो उस कुल भ्राय में सम्मिलित की गई है जिस पर धारा 90 वा 91 के भ्रधीन दोहरे कराधान से राहत का वाबा किया गया है तो उसका ब्यौरा एक अलग बिवरण में दीजिए।
- टिप्पण 13: जहां निर्धारण वर्ष के लिए भनिवार्य निक्षेप स्कीम (भ्राय-कर दाता) अधिनियम, 1974 के अधीन निक्षेप किया गया है वहां निक्षेप कार्यालय द्वारा दी गई रसीद विवरण के साथ भेजी जानी चाहिए।"।

[संख्या 3813/फा० सं० 142(16)/80-टी०पी०एल०]

एस० एन० शेंडे, सचिद

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

NOTIFICATION

INCOME-TAX

New Delhi, the 22nd January, 1981

- S.O. 46(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:
 - 1. (1) These rules may be called the Income-tax (Amendment) Rules, 1981.
 - (2) They shall come into force on the 1st day of April, 1981.
- 2. After rule 5A of the Income-tax Rules, 1962, (hereinafter referred to as the principal rules) the following rule shall be inserted, namely:

Prescribed particulars for depreciation and investment allowance.

- "5AA.(1) For the purposes of the deductions referred to in sub-section (1) or sub-section (1A) of section 32 and sub-section (1) of section 32A, the following particulars shall be furnished in a columnar form, namely:
 - (i) description of assests (in respect of building, indicate whether the building is taken on lease or is owned by the assessee);
 - (ii) written down value of existing assets;
 - (iii) actual cost of assets acquired during the previous year;
 - (iv) capital expenditure on additions or alterations;
 - (v) period of user (only where return relates to assessment year 1969-70 or any earlier year);
 - (vi) amount of moneys payable and scrap value in respect of assets sold, discarded, demolished or destroyed;
 - (vii) amount on which depreciation is allowable [total of items (ii) to (iv) exclusive of amounts relating to assets referred to in item(vi)].
 - (viii) rate of depreciation;
 - (ix) total number of days worked (to be furnished only if extra shift allowance is claimed);
 - (x) total number of days worked—

double shift and triple shift (to be furnished only if extra shift allowance is claimed);

- (xi) depreciation claimed-
 - (a) initial depreciation;
 - (b) normal depreciation (including extra depreciation for approved hotels);
 - (c) additional depreciation;
 - (d) extra shift allowance—double shift and triple shift;
- (xii) total depreciation;
- (xiii) investment allowance claimed (also indicate rate);
- (xiv) remarks (indicate the amount of initial depreciation, investment allowance or development rebate allowed in respect of the asset in an earlier year).
- (2) Where the depreciation in respect of any asset is not admissible as a deduction under clause (ii) of sub-section (4) of section 37 or sub-clause (ii) of clause (c) of section 40 or sub-clause (ii) of clause (c) of section 40A, such depreciation shall be excluded for the purposes of sub-rule (1)".
 - 3. In sub-rule (1) of rule 12 of the principal rules, in clause (b),-
 - (i) in sub-clause (i), the proviso shall be omitted;
 - (ii) sub-clause (ii) shall be omitted;
 - (iii) in sub-clause (iii), the words, brackets and figures "and the case does not fall under clause (ii), shall be omitted,
 - 4. In Appendix II to the principal rules, for Form Nos. 1, 2, 2A, 3 and 3A, the following Forms shall be substituted, namely:

For companies other than those claiming exemption under section 11	
Rule 12(1)(a) Name in block letters Assessment Year Address Telephone Previous year (s) ending of this is a revised return, please state the date of filling the previous return. PART 1: STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE TOTAL INCOME Head of Income Income/Loss (Rs.) [It I. INTEREST ON SECURITIES (See Note 1) 2. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (See Note 2) 3. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS (a) Share in profits of a registered firm (Annexure A). [Income/loss from speculation business to be stated separately againt (a), (b), (c) & (d)] (b) Share in profits of an unregistered firm or association of persons (Annexure A) (c) Any sum received in respect of a discontinued business or prefession—See. 176 (d) Business or profession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to other capital assets (b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (a) Dividends (b) Interest	
Address Telephone Previous year (s) ending of If this is a revised return, please state the date of filing the previous return. Permanent Account No. State whether *Resident/Non-resident PART I: STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE TOTAL INCOME Head of Income Income/Loss (Rs.) [Income/Loss (Rs.) IIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIIII	
If this is a revised return, please state the date of filing the previous return. Part I: STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE TOTAL INCOME Head of Income Income/Loss (Rs.) [II I. INTEREST ON SECURITIES (See Note 1) I. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (See Note 2) PROFITS AND GAINS OF BUSINESS (a) Share in profits of a registered firm (Amexure A). [Income/loss from speculation business to be stated separately againt (a), (b), (c) & (d)] (c) Any sum received in respect of a discontinued business or prefession—See. 176 (d) Business or prefession—See. 176 (d) Business or prefession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to other capital assets (b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (a) Dividends (b) Interest	
If this is a revised return, please state the date of filing the previous return. Part I: STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE TOTAL INCOME Head of Income Income/Loss (Rs.) [II INTEREST ON SECURITIES (See Note 1) INCOME FROM HOUSE PROPERTY (See Note 2) PROFITS AND GAINS OF BUSINESS (a) Share in profits of a registered firm (Amexure A). [Income/loss from speculation business to be stated separately againt (a), (b), (c) & (d)] (c) Any sum received in respect of a discontinued business or prefession—See. 176 (d) Business or profession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to other capital assets (b) Relating to other capital assets (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (a) Dividends (b) Interest	on :
PART I: STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE TOTAL INCOME Head of Income Income/Loss (Rs.) [II I. INTEREST ON SECURITIES (Sec Note 1) I. INTEREST ON SECURITIES (Sec Note 1) I. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (See Note 2) 3. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION (Annexure A). I[Income/loss from speculation business to be stated separately againt (a), (b), (c) & (d)] (b) Share in profits of an unregistered firm or association of persons (Annexure A) (c) Any sum received in respect of a discontinued business or profession—Sec. 176 (d) Business or profession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to short-term capital assets: (b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (b) Interest	-
PART I: STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE TOTAL INCOME Head of Income Income/Loss (Rs.) [Ii I. INTEREST ON SECURITIES (See Note 1) 2. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (See Note 2) 3. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS (a) Share in profits of a registered firm (Annexure A). [Income/loss from speculation business to be stated separately againt (a), (b), (c) & (d)] (c) Any sum received in respect of a discontinued business or prefession—Sec. 176 (d) Business or profession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to other capital assets (b) Relating to other capital assets (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (b) Interest	
1. INTEREST ON SECURITIES (See Note 1) 2. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (See Note 2) 3. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS (a) Share in profits of a registered firm (Annexure A). [Income/loss from speculation business to be stated separately againt (a), (b), (c) & (d)] (b) Share in profits of an unregistered firm or association of persons (Annexure A) (c) Any sum received in respect of a discontinued business or prefession—Sec. 176 (d) Business or prefession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to short-term capital assets: (b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (b) Interest	IN ASSESSEE'S
2. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (See Note 2) 3. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS (a) Share in profits of a registered firm (Annexure A). [Income/loss from speculation business to be stated separately againt (a), (b), (c) & (d)] (c) & (d)] (c) Any sum received in respect of a discontinued business or prefession—Sec. 176 (d) Business or prefession—Sec. 176 (d) Business or profession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to other capital assets: (b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (b) Interest	If nil, write 'NIL']
3. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION [Income/loss from speculation business to be stated separately againt (a), (b), (c) & (d)] (b) Share in profits of an unregistered firm or association of persons (Annexure A) (c) Any sum received in respect of a discontinued business or profession—Sec. 176 (d) Business or profession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to other capital assets (b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (n) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (a) Share in profits of a registered firm (Annexure A) (b) Share in profits of an unregistered firm or association of persons (Annexure A) (b) Share in profits of an unregistered firm or association of persons (Annexure A) (b) Business or profession—Sec. 176 (d) Business or profession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (n) Other assets (a) Dividends [b) Interest	<u></u>
OR PROFESSION [Income/loss from speculation business to be stated separately againt (a), (b), (c) & (d)] (b) Share in profits of an unregistered firm or association of persons (Annexure A) (c) Any sum received in respect of a discontinued business or prefession—Sec. 176 (d) Business or prefession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to other capital assets (b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (b) Interest	
(c) & (d)] or association of persons (Annexure A) (c) Any sum received in respect of a discontinued business or prefession—Sec. 176 (d) Business or profession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to short-term capital assets (b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (a) Dividends (b) Interest	
tinued business or prefession—Sec. 176 (d) Business or profession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to short-term capital assets (b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (b) Interest	
(a) , (b) and (c)] (See Note 3) 4. CAPITAL GAINS [Annexure B] (a) Relating to short-term capital assets (b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (b) Interest	
(b) Relating to other capital assets: (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4] (a) Dividends (b) Interest	
(i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets 5. INCOME FROM OTHER SOURCES (a) Dividends (b) Interest	
5. INCOME FROM OTHER SOURCES (a) Dividends [See Note 4] (b) Interest	
[See Note 4] (b) Interest	
(b) Interest	
(c) Other items	
(c) Other rooms	
6. Aggregate of items 1 to 5	
7. DEDUCT (a) Unabsorbed losses/allowances brought forward from carlier years under sections 32(2), 35(4), 36(1) (ix) & 72 to 79	
(b) Investment allowance/development re- bate/development allowance under section 32 A (3)/33(2)/33A(2)	
8. GROSS TOTAL INCOME	
9. LESS: Admissible deductions (ANNEXURE C)	<u> </u>
10. TOTAL INCOME (As rounded off to the nearest multiple of ten rupees Sec. 288A)	
(a) in figures————————————————————————————————————	

^{*}Strike out whichever is not applicable.

	PART II: STATEMENT OF TAXES	•
TAX ON TOTAL INCOME (Attach a statement showing the	ne computation of tax on total income)	- 4
PRE-ASSESSMENT TAXES		
A. TAX DEDUCTED AT SOUR (Attach certificates)	RCE	
1. Interest on securities		
2. Other interest		
3. Dividends		
4. Any other income (Please specify)	 Total	Rs.
B. ADVA NCE TAX (Attach chalans) Date of Payment	Amount	
	Tracel Po	
C. TAX ON SELF ASSESSMENT	Total Rs.	
(Attach chalan)		
Date of payment	Amount	
Date of payment		
TOTAL OF A, B and C	Rs.	
Particulars	Amount	Reasons why not taxable
ADVANCE TAX. If there has been delay in furnishing please indicate whether the apple. If yes, please state the date of the information in furnishing please indicate whether the apple.	ng the return of income within the statutory ication in Form No. 6 has been filed. application and receipt number. ishing the return of income or in payment of accept in a separate statement to be attached with	dvance-tax
	VERIFICATION (See Note 5)	
I,(Nam		f - c (1) 1
(designation) (name of t		fe of Shribeing the best of my knowledge and belief the information d complete and that the amount of total income vant to the assessment year 19
(designation) (name of t	he company) and Statements accompanying it is correct and relate to the previous year relevant	best of my knowledge and belief the information d complete and that the amount of total income
(designation) (name of the first this return and the Annexures of the Annexures of the first think the first t	he company) and Statements accompanying it is correct and ruly stated and relate to the previous year relevering the said previous years.	best of my knowledge and belief the information d complete and that the amount of total income
(designation) (name of the vent in this return and the Annexures of the latest are true of the latest are true of the latest and the Annexures of the latest are true of the latest are	he company) and Statements accompanying it is correct and relate to the previous year relevering the said previous year(s):— see to or was received by the company from any	best of my knowledge and belief the information d complete and that the amount of total income vant to the assessment year 19

Capital gains relating to short-term capital assets	
Less: Amount exempt under sections, 53, 54B or 54D.	
Net amount carried to part (a) of item 4 on page 1	
Capital gains relating to capital assets other than short-term capital assets.	
Less: Amount exempt under sections 53, 54B, 54D or 54E.	
Balance	
Add: Amount deemed to be income chargeable under the head "Capital Ga	nins" —Sec. 54E(2)
Net amount carried to part (b) of item 4 on page 1	

^{*}Strike out whichever is not applicable.

ANNEXURE C : DEDUCTIONS [See Note 7]

Particulars Gross Amount Qualifying amount Amount of Deduction

- 1. Donations to which Sec. 80G applies.
- Profits and gains from newly established industrial undertaking or hotel/business in backward areas—Sec. 80HH
- Profits and gains from newly established small-scale industrial undertaking in certain areas—Sec. 80HHA.
- Profits and gains from newly established industrial undertaking or ship or hotel business.
 - (i) deduction in respect of assessment year to which this return relates.
 - (ii) deficiency in respect of earlier assessment years—sec. 80J.
- Profits and gains from newly established industrial undertaking or ship or hotel business.—Sec. 80-1.
- Profits and gains from business of livestock breeding or poultry or dairy farming—Sec. 80JJ.
- Profits and gains from business of growing mushrooms—Sec. 80JJA.
- 8. Other deductions, if any (Give details)

Total amount of deduction carried to item 9 on page 2.

ANNEXURE D: STATEMENT OF PARTICULARS REGARDING COMPUTATION OF TAX LIABILITY AND DIVIDENDS [See Note 8]

PARTICULARS RELEVANT FOR COMPUTATION OF TAX LIABILITY

- Is the company—
 - (a) an Indian company?

*Yes/No

(b) a foreign company which has made the prescribed arrangements for the declaration and payment of dividends within India?

•Yes/No

- 2. If the answer to item 1(a) or (b) is
- 'Yes'
- (a) is the company one in which the public are substantially interested—vide sec. 2(18) or a subsidiary company referred to in Section 108(b)? *Yes/No

[If the answer is 'Yes' please attach a statement showing the fulfilment of the conditions specified in the relevant section]

- (b) if the answer to (a) is 'no', does the company claim to be covered by section 104(2)(iii) or any notification under section 104(3)?

 *Yes/No
- (c) is the company an industrial company as defined in the annual Finance Act of a banking company or an investment company of a trading company?
- 3. Is the company liable to pay surtax?

*Yes/No

- 4. If the answer to item 3 is 'yes' has a return of chargeable profits been furnished and if so, the date there of.
 - *Strike out whichever is not applicable.

ANNEXURE E: PARTICULARS REQUIRED UNDER SECTION 133/139

- 1. IN THE CASE OF A PARTNER/MEMBER OR A FIRM/ASSOCIATION OF PERSONS(AOP), attach a statement showing the name and address of the firm/AOP and the name, address and individual share of each partner/member.
- 2. IN THE CASE OF A TRUSTEE OF OR AGENT FOR any other person, attach statement showing the names and addresses of such other persons.

- 2. IN CASE THE ASSESSEE HAS PAID DURING THE PREVIOUS YEAR rent, commission, royalty or brokerage or any annuity (not being an annuity assessable under the head "Salaries") exceeding one thousand rupces, attach separate statements (according to nature of payment) showing the names and addresses of the payees and the amounts paid. If any payee is a non-resident indicate whether tax has been deducted at source and paid to the credit of the Central Government.
- 4. A DEALER, BROKER OR AGENT OR ANY PERSON CONCERNED in the management of a Stock or Commodity Exchange should furnish a statement of the names and address es of all persons to whom he or the exchange has paid in the previous year any sum or aggregate sums: (a) in excess of Rs. 2,000 by way of "difference" and (b) in excess of Rs. 10,000 in connection with the transfer whether by way of sale, exchange or otherwise, of assets; or on whose behalf or from whom he or the Exchange has received any such sum together which particulars (amount, date, etc.) of all such payments and receipts.
- 5. If the assessee is liable to deduct tax at source under sections 192,193, 194, 194A, 194B, 194B, 194C, 194D 195, please furnish the information on the following points:
 - (a) The amount of tax deducted at source;
 - (b) Whether such tax has been paid to the Central Government.
 - (c) Whithir the prescribed returns have been furnished to the Income-tax Officer concerned.

NOTE 1: The following particulars and computation of income under the head "Interest on securities" may be furnished in a statement attached with this return, namely:

GENERAL PARTICULARS

(i) Particulars of securities (ii) face value (iii) gross amount of interest due or received during the year (give separate details regarding Government Securities), and debentures and other securities, (iv) amount of tax deducted at source (v) Remarks, e.g., in the case of a texfree security, enter the word "Tax-free".

Computation of Income

- (To be given separately for Government securities, and debentures and other securities).
- (i) Gross amount due or received [from item (iii) of the general particulars] (ii) Less:(a) expenses for realising interest. Sec. 19 (1)20 and (b) interest on moneys borrowed—Sec. 19(ii) 20 (iii) Net amount of interest on securities carried to item 2 on page 1 being (i) minus (ii).
 - NOTE: 2 The following particulars/computation of income under the head "Income from house property" for each house property may be furnished in a statement attached with this return, namely:

INCOME FROM HOUSE PROPERTY (LET OUT PROPERTY)

General particulars

(a) Location of the property; (b) Annual municipal valuation.

COMPUTATION OF INCOME

- (a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year or where property is let and the annual rent received or receivable exceeds the said amount, such rent-section 23(1); (b) Deductions: (i) amount of municipal taxes borne by the owner—1st proviso to sec. 23(1); (ii) allowance for newly constructed property—second proviso to sec. 23(1); (c) annual value being (a) minus (b); (d) deductions: (i) Repairs 1/6th of the annual value-sec. 24(1); (ii) insurance sec. 24(1) (ii.); (iii) annual charge-sec. 24(1)(iv); (iv) ground rent sec. 24(1)(v); (v) interest on borrowed capital-sec. 24(1) (vi); (vi) land revenue, etc., sec. 24(1) (vii); (vii) collection charges limited to 6% of annual value at (c)—sec. 24(1)(viii); (viii) vacancies-sec. 24(1)(ix); (ix) irrecoverable rent. sec. 24(1)(x) and rule 4; (c) total of deductions in (d); (f) net chargeable income from other property being (a) minus (e).
 - NOTE 3: The following particulars should be given in regard to the income chargeable under the head "Profits and gains of business or profession" in a statement to be attached with the return of income, namely:
 - (1) Business or profession other than share in firm or association of persons :
 - (i) Name in which business or professon is carried on;
 - (ii) Aldress of principal place of business or profession.
 - (iii) Names and addresses of branches,
 - (iv) Nature of business or profession;
 - (v) Method of accounting;
 - (vi) Method of stock valuation; please state whether *Mercantile/eash/mixed;
 - (vii) copies of manufacturing account and/or trading account [recast if necessary, to show opening stock, purchases (less return); sales (less returns), and closing stock], profit and loss account/income and expenditure account/any other similar account and balance-sheet to be attached. [If accounts have been audited, copies of audited accounts should be attached along with a copy of the auditor's report. If an audit of cost accounts of the company has been conducted under section 233B of the Company Act, 1956 (1 of 1956), a copy of the Auditor's report should also be attached;] and copies of personal account of the directors;

- (viii) additional information should be furnished by companies engaged in contract work as under:

 - (b) Has information regarding building or supply contracts been furnished to the Income-tax Officer concerned under section 285A? *Yes/No
- (ix) Additional information to be furnished by producers of cinematograph films-

Has statement of payments to persons engaged in the production of cinematograph films been delivered to the Income-tax Officer concerned under section 285B? *Yes/No

- (2) Computation of Assessable profits or/loss from business or profession for the previous year:
 - 1. Net profit or loss as per profit and loss account exclusive of share of profits in a firm/association of persons or body of individuals, Add: (Deduct if the above figure is a loss).
 - 2. Amounts debited to the P. & L. account, etc., in respect of: (a) losses of earlier years, (b) income-tax, surtax, penalty, etc., (c) expenditure of the nature of charity or present, (d) capital expenditure, (e) expenses, allowances and payments not deductible under section 40(a), 40A(5) or (6) (give details), (f) expenses and allowances not deductible—sec. 40(c), (g) expenditure not admissible—sec. 40A(2), (h) expenditure claimed as deduction elsewhere in this return, (i) depreciation—considered separtely, (j) investment allowance, development debate and development allowance—considered separtely (Attach Form Nos. 5 and 5A). (k) reserve or provision for bad and doubtful debts (other than provision for bad and doubtful debts referred to in sec. 36(1)(viia) and (1) interest credited any reserve or any fund,
 - 3. Other expenses, etc. debited to P. & L. Account, etc., to the extent not admissible: (a) rent, rates, taxes, repairs and insurance premium of assets not used wholly for business—sec. 30/31, (b) loss on sale of assets—sec. 32(1)(iii) (give details), (c) rehabilitation allowance—sec. 33B (give details), (d) expenditure on scientific research or sums paid to scientific research associations, etc.—sec. 35 (give details), (e) expenditure on patent rights or copyrights—sec. 35A, (f) rural development allowance—sec. 35CC, (g) expenditure by way of payment to associations and institutions for carrying out rural development programmes or for training of persons for implementing such pogrammes—sec. 35CCA, (h) preliminary expenses- sec. 35D (give details), (i) expenditure on prospecting for and development of minerals—sec. 35E (give details), (j) payment of bonus to the extent not admissibe—sec. 36(1)(ii), (k) contribution to provident, superannuation or gravity fund—sec. 36(1)(iv)&(v), (1) provision for bad and doubtful debts—sec. 36(1)(viia), (m) entertaintment expenditure—sec. 37(2) and (2A), (n) expenditur on advertisement in any souvenir, brothure, etc., published by a political party—sec. 37(2B), (o) other expenditure on advertisement and on maintenance of quest house and travelling of employees—sec. 37(3) and (4)/1 ules 6B and 6D, (p) adjusted expenditure on advertisement, publicity and sales promotion—sec. 37(3A) [applicable for assessment years 1979-80 and 1980-81 only], (a) expenditure incurred otherwise than by crossed cheques—sec. 40A(3)/rule 6DD, (r) provisions made for payment of gratuity—sec. 40A(7), (s) expenditure by way of interest in respect of deposits—sec. 40A(8), (t) any other provision/reserve/ other expenditure not allowable under section 28 to 44D.
 - 4. Amounts not credited to the P. & L. Account, etc.: (a) profit chargeable under section 41(1), (3) and (4) (give details), (b) profit chargeable under section 41(2) & (2A) (give details), (c) any other chargeable profit or gain (give details).
 - 5. Total of items 1 to 4. Deduct (Add if the figure in item 5 is negative).
 - 6. Depreciation commuted as per (3) below.
 - 7. Income chargeable under heads other than "Profits and gains of business or profession" or income credited to P&L Account which is already charged to tax in an earlier year.
 - 8. Deduction in respect of expenditure on scientific research/export markets development allowance, agricultural development allowance admissible in excess of amount debited to P. & L. Account, etc.—sec. 35, 35B and 35C.
 - 9. Any other expenditure/deduction claimed under sections 28 to 44D (give details).
 - 10. Total of items 6 to 9.
 - 11. Balance profit/loss (5 minus 10).
- (3) The following particulars should be given in a statement attached with the return in respect of depreciation allowance and investment allowance, namely:
 - (i) description of assets (in respect of building, indicate whether the building is taken on lease or is owned by the assessee); (ii) written down value of fexisting assets; (iii) actual cost of assets acquired during the previous year; (iv) capital expenditure on additions or alterations; (v) period of user (only where return relates to assessment year 1969-70 or any earlier year); (vi) amount of moneys payable and scrap value in respect of assets sold, discarded, demolished or destroyed; (viii) amount on which depreciation is allowable [total of items (ii) to (iv) exclusive of amounts relating on assets referred to in item (vi)]; (viii) rate of depreciation; (ix) total number of days worked (to be furnished ony if extra shift allowance is claimed); (x) total number of days worked—double shift and triple shift (to be furnished only if extra shift allowance is claimed); (xi) depreciation claimed—(a) initial depreciation; (b) normal depreciation (incuding extra depreciation for approved hotels); (c) additional depreciation; (d) extra shift allowance—double shift and triple shifts; (xii) total depreciation (xiii) investment allowance claimed (also indicate rate); (xiv) remarks (indicate the amount of initial depreciation, investment allowance or development rebate allowed in respect of the asset in an earlier year).

^{*}Strike out whichever is not applicable.

Statement of Dividends

(i) Name of the company, (ii) number of shares, (iii) gross amount of dividends, (iv) tax deducted at source

Computation of Income

- [Details should be given in respect of (i) gross income, (ii) expanditure claimed and (iii) net income being (i) minus (ii) (a) Dividends (b) Interest other than interest on securities of interest chargeable ds profits of business (c) other items being total of (i) hiring of machinery, plant, furniture or building—section 56(2) (ii) and (iii); (ii) profits chargeable to tax under section 59(ni) other items—give details; (d) the net income in respect of (a), (b) and (c) shall be carried to item 5(a), 5(b) and 5(c) on page 2
- NOTE 5: -Before signing the declaration the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects.
 - Any person making a false statement in this return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961, and on conviction be punishable:
 - (i) in a case where the tax sought to be evaded exceeds one lakes rupees, with rigorous imprisonment which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine;
 - (ii) in any other case, with rigorous imprisonment, which shall not be less than three months but which may extend to three years and with fine.

CAPITAL GAINS

General Particulars

- NOTE 6. The following particulars regarding income chargeable under the head "Capital gains" arising from the transfer of a capital aspect resulting in capital gains should be given in respect of each such assets:
 - (a) Description of assets: in case of immovable property, location thereof; (b) date of acquisition; (c) date of transfer;
 - (d) name and address of the transferee; indicate relationship or connection, if any, with the assessee.

Computation of Capital gains

- (a) I-ull value of consideration for the transfer; (b) Deductions (i) cost of acquisition of the market value of the asset as on 1st January, 1964-sections 49, 50 and 51; (n) cost of improvement of capital assets—sec. 55(1)(b); (in)expenditure in connection with the transfer—sec. 48(1); (c) total of deduction in (b) & (d) amount of capital gains (a) minus (c).
- NOTF 7:—If the assessee has any income by way of intrest on tax-free securities or anyother income on which are bate of tax is admissible, or has income which is included in the total income on which double taxation r. lief is claimed under section 90 or 91, the assessee should give details thereof in a separate statement.
- NOTE 8:— In the case of a Company, other than a foreign company which has not made the prescribed arrangements for the declaration and payment of dividends within India, the following particulars regarding dividends declared may be furnished in a separate statement, namely:
 - (a) Date of annual general meeting before which the accounts of the previous year were laid (if held before furnishing this return);
 (b) amount of dividend declared at the said general meeting;
 (c) amount of dividends declared, distributed or paid during the previous year—(i) dividends declared at the annual general meeting held on
 (ii) deemed dividends within the meaning of section 2(22);
 (iii) interim dividends section 3(b).

FORM NO. 2	RETURN OF INCOME For assessees (other than companie	For use in income-tax Office		
INCOME-TAX ACT, 1961	claiming exemption under section 11) whose total income includes "Profits and gains			
Rule 12(1)(b)(i)	of business or profession."	and game		
Name in block letters		Assessment year		
Office address	Telephone	Previous year(s) ending on		
Residential address	Telephone	Permanent Account Number.		
	State whether			
, , <u>, , , , , , , , , , , , , , , , , </u>	Resident but not ordinarily resident			
	Non-resident			

If this is a revised return, please state the date of filing the previous return

PART I: STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME

_	HEAD OF INCOME	INCOME/LOSS (RS (If nil, write 'NIL
1	SALARIES (See Note 1)	
2	. INTEREST ON SECURITIES (See N	ote 2)
۶	. INCOME FROM HOUSE PROPERT	Y (ANNEXURE A)
4	PROFITS AND GAINS OF BUSINES OR PROFESSION	SS (a) Share in profits of a registered firm (ANNEXURE B)
	on the Espain	(b) Share in profits of an unregistered firm/AOP/BOI
σ.	one./I or from ground time business to be	(ANNEXURE B)
	ed separately against (a), (b), (c) and (d)	(c) Any sum received in respect of a discontinued business or profession—Section 176
		(d) Business or profession exclusive of items (a), (b) & (c) (See Note 3)
5.	CAPITAL GAINS (ANNEXURE C)	(a) Relating to short-term capital assets.
		(b) Relating to other capital assets*
		*(i) Lands or buildings or any rights therein
		(ii) other assets
	*Strike out whichever is not applicable.	
6.	INCOME FROM OTHER SOURCES:	(See Note 4)
		(a) Dividends
		(b) Interest
		(c) Other items
7.	Aggregate of items 1 to 6	
8,	Deduct: (i) Unabsorbed losses sections 32(2), 35(4)	or allowance brought forward from earlier years—) and 72 to 78.
	(ii) Investment allower sections 32A(3)/33	cce/development rebate/development allowance— (2)/33A(2)
9.	GROSS TOTAL INCOME	
10.	Less: Admissible deductions: (ANNEX)	PRE D)
11.	TOTAL INCOME (as rounded off to the (a) in figures	nearest multiple of ten rupees—Sec. 288A)
	(b) in words	
12	NET AGRICULTURAL INCOME (See	Note 5)
13	Income included in items 1 to 6 being inco referred to in Chapter V of the Act.	me arising to spouse/minor child/son's wife/son's minor child or any other person as

[भाग	Ⅱ— ÷खण्ड 3(ii)]	भारतका राजपत्र असाधारण	145
		PART II. STATEMENT OF TAXES	
-		TAX ON TOTAL INCOME	
	(Attach a statement showing con	mputation of tax payable on total income)	
			-
	PRE-ASSESSMENT TAXES		
Α.	TAX DEDUCTED AT SOU (Attach certificates)	IRCE	
	1. Salaries		
	2. Interest on securities		
	3. Other interest		
	4. Dividends		
	5. Any other meome		
	(Please specify)		TOTALD
			TOTAL Rs
В.	ADVANCE TAX		
	(Attach challans) Date of payment		Amount
C.	TAX OR SELF ASSESSMEN (Attach challans)	√T	TOTAI Ra. –
	Date of payment		Amount
	TOTAL OF A, E	and C	
	PART III. PARTICULARS	OF INCOME CLAIMED TO BE EXEMPT FROM TAX AND NO	T INCLUDED IN PART I
	Particulars	Amount	Reasons why
	Turnyana ,		not Taxable
		GARDING DEFAULTS IN FURNISHING THE RETURN OF IN OR COMPUI SORY DEPOSIT	COME OR PAYMENT OF
		— - ting the return of income within the statutory time limit, please	 *Yes/No
	dicate whether the application is		
2. If	yes, please state the date of app	lication and receipt number.	
p		hing the return of income or in payment of advance tax (or the com- efor should be given in a separate statement to be attached with the	
		VERIFICATION (See Note 6)	
belie	ghter/wife of		te best of my knowledge and complete and that the amount
	•	t during the said previous year(s)—	
	(a) no other income accrued or	carose to or was received by me from any asset held in may name or in th	ic name of any other person:

(b) there is no other income, including income of any other person in respect of which I am chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961

^{*}Strike out whichever is not applicable

Net amount carried to part (b) of item 5

*I further solemnly declare that during the said previous year(s)—	
(a) no other income accrued or arose to or was received by *the person for in respect of whose total income I am assessable, from any asset held in	the *name of the person for and on whose behalf this
return is furnished/the name of the person in respect of whose total incom (b) there is no other income including income of any other person in respect Income-tax Act, 1961.	
I further declare that I am making this return in my capacity as	designation)
and that I am competent to make this return and verify it.	designation)
rol .	(Signature)
Place	
*Strike out whichever is not applicable.	
ANNEXURE A (Sec 1)	Note 7)
COMPUTATION OF PROPER	TY INCOMF
Net chargeable income from self-occupied property.	·
2. Net chargeable income from other property.	
3. Total net chargeable income carried to item 3 of page 1.	
ANNEXURE	В
PROFITS AND GAINS OF BUSINES	SS OR PROFESSION
Share from a firm, association of persons or body of individuals	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	Business (other than Speculation
	speculation) and business
(A) Registered firms	profession
 Amount of share in profit/loss Deduct (Add, if the above figure is a loss) 	
Expenses claimed (Give details)	
3. Net profit/loss, carried to item 4(a) on page 1.	
(B) Unregistered firms/associations of persons/bodies of individuals.	
1. Amount of share in profit/loss	
 Deduct (Add, if the above figure is a loss) Expenses claimed (Give details) 	
3. Net profit/loss carried to item 4(b) on page 1	
ANNEXURE C CAPITAL GAIN	IS [See Note 8]
Capital gains relating to short-term capital assets	
Net amount carried to part (a) of item 5	
Capital gains relating to capital assets other than short-term capital assets.	
Less: Amount exempt under section 53, 54, 54B, 54D or 54E	

ANNEXURL D. DEDUCTIONS [See Note 9]

P	Particulais	-	Gross amount	Qualifying amount	Amount of deduction
		~	~	_	_
	l		2	3	4

- 1 Payments on which deduction u/s 80C is available
 - (1) Provident Fund
 - (ii) Life insurance premium
 - (iii) Others (Please specify)
- 2. Donations to which section 80G applies
- 3 Profits and gams from newly established industrial undertikings of hetel o ism so in backward areas—section 80HH
- 4 Profits and gains from newly established small-scale industrial undertaking in certain areas—section 80HHA
- 5 Profits and gains from newly established industrial and it iking ship or hotel business –section 80.1
- 6 Profits and gains from business of livestock bree ling poultry or dairy farming—section 80JJ
- 7 Profits and gains from business of growing mushrooms Zection 8013A
- 8. Income on which deduction under section 80L is available
 - (i) Interest on securities
 - (ii) Bank interest
 - (iii) Dividend on shares
 - (iv) Others (Please specify)
- 9 Other deductions, if any (Give details)

Total Amount of deduction carried to item 10 on page 2

PART I Particulars regarding constitution, etc.

ANNEXURL F STATEMENT OF OTHER PARTICULARS TO BE FURNISHED UNDER SECTION 137/139

- 1. IN THE CASE OF AN INDIVIDUAL
 - (i) State whether a citizen of India
 - (ii) If a member of Hindu undivided family, give the name and address of the family
- 3 IN THE CASE OF A HINDU UNDIVIDED FAMILY, whether the family has at least one member whose total income assessable for the assessment year exceeds the maximum amount which is not chargeable to income-tax? If the reply to this question is in the negative, please attach declaration to this effect from all members of the Hindu undivided family
- 3. IN THE CASE OF A FIRM/AOP/BOI, attach a statement showing the names and addresses of partners (including minors admitted to the benefits of partnership)/members, then individual shares and inter se relationship, if any
- 4. IN THE CASE OF A PARTNER/MEMBER OF A FIRM, AOP/BOI, attach a statement showing the name and address of the firm/ AOP/BOI and the names, addresses and individual shares of each partner/member
- 5. IN THE CASE OF A TRUSTEE OF OR GUARDIAN OR AGENT FOR ANY OTHER PERSONS, attach statements showing the names and addresses of such other persons
- 6. IF THE ASSESSEF HAS PAID DURING THE PREVIOUS YEAR, rent, commission royalty or brokerage or any annuity (not being annuity assessable under the head "Salaries") exceeding one thousand rupees, attach separate statements (according to nature of payment) showing the names and addresses of the payees and the amounts paid—If any payee is a non resident, indicate whether tax has been deducted at source and paid to the credit of the Central Government
- 7. A DEALER, BROKER, AGENT OR ANY PERSON concerned in the management of a Stock of Commodity Exchange should furnish a statement of the names and addresses of all persons to whom he of the Exchange has paid in the previous year any sum of aggregate sums. (a) in excess of Rs. 2,000 by with of difference, and (b) in excess of Rs. 10,000 in connection with the transfer, whether by way of a safe, exchange of otherwise, of assets, or on whose behalf or from whom he of the Exchange has received any such sum, together with particulars (amount date, etc.) of all such payments and receipts

8. If the assessee is liable to deduct tax at source under section 192, 193, 194A, 194B, 194B, 194C, 194D or 195, please furnish the information on the following points :-

.

- (i) The amount of tax deducted at source,
- (ii) Whether such tax has been paid to the Central Government.
- (iii) Whether the prescribed returns have been furnished to the ITO concerned.
- The income chargeable under the head "Salaries" should be computed in the manner indicated below in a statement to be NOTE 1. attached with the return, namely :-
 - (1) Salary including arrears or advance of salary, bonus, wages, fees, commission, pension (including commuted value of pension) annuity and gratuity due, paid or allowed during the previous year, to the extent these are not exempt from tax. (2) Other cash allowances/payments, to the extent these are not exempt from tax—(a) House rent allowance (b) Conveyance allowance (c) Entertainment allowance (d) Other items; (give details) (e) Total of items (a) to (d), (3) Value of nal benefit/amenities—sec. 17(2) (iii) (See Note below) e.g. (i) Conveyance—rule 3(e); (ii) Gas, electricity and water-rule 3(d): (iii) domestic or personal services; (iv) personal travelling, (v) any other items (give details); (vi) total of items (1) to (v); (c) payments by employer in respect of obligation of assessee (including children's education, income-tax, etc.) and sums payable by employer for the life insurance or annuity—sec. 17(2) (iv) & (v); (d) total of (a), (b) and (c); (4) Protits in lieu of or in addition to salary of wages and any other income chargeable under the head "Salaries" (give details); (5) Total of items (1) to (4); (6) Deductions in respect of : (a) standard deduction : sec. 16(i); (b) Entertainment allowance; sec. 16(ii): (c) Total of sub-items (a) & (b): (7) Net income assessable under the head "Salaries" carried to Item 1 on page 1.
- NOTE: Item 3 (b) to be filled in only by Directors, employees having a substantial interest in the employer company and other employees whose income under the head "Salaries" exclusive of non-monetary benefits/amenities) exceed Rs. 18,000.
- The following particulars and computation of income chargeable under the head "Interest on securities" should be furnished NOTE 2. in a statement attached with this return, namely:

General particulars

(i) Particulars of securities (ii) face value (iii) gross amount of interest due or received during the year (give separate details regarding Government securities, and debentures and other securities) (iv) amount of tax deducted at source (v) 1cm trks, e.g., in the case of a tax-free security enter the words "Tax free" in this column.

Computation of income

[To be given separately for Government securities, and debentures and other securities]

- (i) Gross amount due or rec ned [from iten (iii) of the general particulars] (ii) Less: (a) expenses for realising interestsec. 19(i) and (b) interest on moneys borrowed—sec. 19(ii); (iii) Net amount of interest on securities carried to item 2 on page 1 being (i) minus (ii).
- The following particulars should be given in regard to the income chargeable under the head "Profits and gams of business NOTE 3. or profession" in a statement to be attached with the return of income, namely :--

(1) General Particulars

- (i) Name in which business or profession is carried on; (ii) address of principal place of business or profession. (iii) name and address of branches; (iv) nature of business or profession; (v) method of accounting, please state whether Mercantile/Cash/Mixed and (vi) method of stock valuation.
- (vii) If regular books of account are maintained, copies of-
 - (a) manufacturing account, trading account, profit and loss account or income and expenditure account or any other similar account and balance sheet;
 - (b) in the case of-
 - (i) a proprietary business or profession, the personal account of the proprietor;
 - (ii) a firm, association of persons or body of individuals, personal accounts of the partners or members;
 - (iii) a partner or member of a firm, association of persons or body of individuals, his personal account in the firm, association of persons or body of individuals;
 - (c) where the accounts of the assessee have been audited copies of the audited profit and loss account and balance sheet and the auditor's report.
- (viii) If regular books of account are not maintained, attach a statement indicating the amounts of turnover or gross receipts, gross profits, expenses and net profit of the business or profession and the basis on which such amounts have been computed and disclosing the amounts of the total sundry debtors, sundry creditors, stock-in-trade and cash balance as at the end of the previous year.
- (ix) Additional information to be furnished by assessees engaged in contract work.
 - (a) If the value of materials supplied by the person with whom the contract was made or the amount of security deposit (out of the payment due for work done) retained by him has not been included in the gross receipts shown, state here the amount thereof.

Value of materials	Security deposit	
yatuc Di matemati.	 Security deposit	

- (b) Has information regarding building or supply contracts been furnished to the Income-tax Officer concerned under section 285A
 *Yes/No
- (x) Additional information to be furnished by producers of cinematograph films.

 Has statement of payments to persons engaged in the production of cinematograph films been delivered to the Uncome-tax Officer concerned under section 285B?

 *Yes/No
- (2) Computation of Assessable Profit/Loss from business or Profession for the previous year :
- Net profit or loss as per P&L Account, etc., exclusive of shares in profits of a firm/association of persons or body of individuals.

Add (Deduct if the above figure is a loss)

- 2. Amounts debited to P&L Account, etc. in respect of (a) losses of earlier year(s), (b) income-tax, penalty, etc. (c) pesonal expenditure including charity and presents, (d) capital expenditure, (e) expenses, allowances and payments not deductible under section 40(a), 40A(5) or (6) (give details), (f) interest, salary, etc., to partners-sec. 40(b), (g) expenditure not admissible under section 40A(2), (h) expenditure claimed as deduction elsewhere in this return, (i) depreciation—considered separately, (j) investment allowance, development rebate and development allowance considered separately (Attach Form Nos. 5 and 5A), (k) reserve or provision for bad debts, (l) interest credited to any reserve or any fund.
- 3. Other expenses, etc., debited to P. & L. Account, etc., to the extent not admissible :
 - (a) rent, rates, taxes, repairs and insurance premium of assets not used wholly for business—sec. 30/31, (b) loss on sale of assets-sec. 32(1)(iii) (give details), (c) rehabilitation allowance-sec. 33B, (give details), (d) expenditure on scientific research or sums paid to scientific research associations, etc.—sec. 35 (give details), (e) expenditure on patent rights or copyrights—sec. 35A, (f) rural development allomance—sec. 35CC, (g) expenditure by way of payment to associations and institutions for carrying out rural development programmes or for training of persons for implementing such programmes—sec. 35CCA, (h) preliminary expenses—sec. 35D (attach Form No. 3B), (i) expenditure on prospecting for and development of minerals—sec. 35E (attach Form No. 3B) (give details), (i) payment of loans to the extent not admissible—sec. 36(1)(ii), (h) contribution to provident, superannuation or gratuity fund—sec. (1) (iv) & (v), (l) entertainment expenditure—sec. 37(2) and (2A), (m) expenditure on advertisement in any souvenir, brochure, etc., published by a political party—sec. 37(B) (give details), (n) other exenditure on advertisement and on maintenance of guest houses and travelling of employees—sec. 37(3) and (4)/rules 6B and 6D (give details), (o) adjusted expenditure on advertisement, publicity and sales promotion—sec. 37(3A) (give details) [applicable for assessment years 1979-80 and 1980-81 only], (p) expenditure incurred othrwise than by crossed cheques-sec. 40A(3)/rule 6DD (give details), (q) provisions made for payment of gratuity—sec. 40A(7), (r) any other provision/reserve/other expenditure not allowable under section 28 to 44C.
- 4. Amounts not credited to P & L Account, etc. (a) profit chargeable under section 41(1), (3) and (4) (give details), (b) profit chargeable under section 41(2) and (2A) (give details), (c) any other chargeable profit or gain (give details).
- 5. Total or items 1 to 4.

 Deduct: (Add if the figure in item 5 is negative)
- 6. Depreciation computed as per (3) below.
- 7. Income chargeable under heads other than "Profits and gains or business or profession or income already charged to tax in an earlier year credited to P & L Account, et:.
- 8. Deduction in respect of expenditure on scientific research/export markets development allowance/agricultural development allowance admissible in excess of amount debited to P & L Account, etc.—secs. 35, 35B and 35C.
- 9. Any other expenditure/deduction claimed under sections 28 to 44C (give details).
- 10. Total of items 6 to 9.
- 11. Balance profit/loss (5 minus 10).
- (3) The following particulars should be given in a statement attached with the return in respect of depreciation allowance and investment allowance, namely: (i) description of assets (in respect of building, indicate whether the building is taken on lease or is owned by the assessee); (ii) written down value of existing assets; (iii) actual cost of assets acquired during the previous year; (iv) capital expenditure on additions or alterations; (v) period of user (only where return relates to assessment year 1969-70 or any earlier year); (vi) amount of moneys payable and scrap value in respect of assets sold, discarded, demolished or destroyed; (vii) amount on which depreciation is allowable [total of items (ii) to (iv) exclusive of amounts relating to assets referred to in item (vi)] (viii) rate of depreciation; (ix) total number of days worked (to be

^{*}Strike out whichever not applicable

furnished only if extra shift allowance is claimed); (x) total number of days worked. Souble shift and triple shift (to be furnished only if extra shift allowance is claimed): (xi) depreciation claimed—(a) initial depreciation; (b) normal depreciation (including extra depreciation for approved hotels); (c) additional depreciation; (d) extra shift allowance—double shift and triple shift; (xii) total depreciation; (xiii) investment allowance claimed (also indicate rate); (xiv) remarks (incate the amount of initial depreciation, investment allowance or development rebate allowed in respect of the asset in an earlier year).

NOTE 4. The following particulars should be given in respect of dividend income and computation of income chargeable under the head "Income from other sources" in a separate statement to be attached with the return, namely:—

Statement of dividends

(i) Name of the company; (ii) number of shares; (iii) gross amount of dividends; (iv) tax deducted at source

Computation of income

[Details should be given in respect of (i) gross income (ii) expenditure claimed and (iii) net income being (i) minus (ii)]

- (a) Dividends; (b) Interest other than interest on securities or interest chargeable as profits of business; (c) other items being total of (i) value of benefit or perquisite—sec. 2(24) (iv); (ii) value of benefit or perquisite in the case of a beneficiary or trustee of a trust—sec. 2(24) (iva); (iii) winnings from lotteries, crossword puzzles, races ctc.—section 56(2) (ib); (iv) hiring of machinery, plant, furniture or buildings—sec. 56(2) (ii) & (iii); (v) annuity or its commuted value—sec. 280D; (vi) profits chargeable to tax under section 59; (d) the net income in respect of (a), (b) and (c) shall be carried to item 6(a), 6(b) and 6(c) on page 2.
- NOTE 5. The not agricultural income has to be computed in accordance with the rules in the relevant Finance Act in the following manner, namely:—
 - (a) Rent or revenue derived from land used for agricultural purposes, (b) income from any building required as a dwelling house by the cultivator, etc. (c) other agricultural income not being income from sale of tea referred to in item (d); (d) sixty per cent, of the income from sale of tea grown and manufactured in India; (e) share of agricultural income from registered firm/unregistered firm/association of persons, etc., computed in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act; (f) aggregate of items (a) to (e) (subject to adjustment of losses in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act); (g) less: Agricultural income-tax payable to the State Government on the agricultural income of the previous year; (h) net agricultural income being (f) minus (g) carried to item 12 on page 2.
- NOTE 6. Before signing the declaration, the signatory should satisfy himself that the return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects.

Any person making a false statement in this return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961 and on conviction be punishable—

- (i) in a case where the tax sought to be evaded exceeds one lakh rupees, with rigorous imprisonment which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine;
- (ii) in any other case, with rigorous imprisonment which shall not be less than three months but which may extend to three years and with fine.
- NOTE 7. The following particulars/computation of income chargeable under the head "Income from house property" for each house property may be furnished in a statement attached with this Return, namely:—

1. SELF-OCCUPIED PROPERTY

General Particulars.

(a) Location of property; (b) Annual municipal valuation,

Computation of income

(a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year -sec. 23(1); (b) municipal taxes-first proviso to section 23(1); (c) balance being (a) minus (b); (d) if property owned by co-owners, such co-owners' share in (c); (e) balance being (c) minus (d); (f) deduct one half of the balance at (e) or Rs. 1800, whichever is less; (g) the amount arrived at by deducting (f) from (e) being limited to ten per cent of the gross total income exclusive of income relating to self-occupied property—proviso to sec. 23(2); (h) deduction for property neither let nor occupied (applicable where the assessee owns one residential house only)—sec. 23(3); (i) annual value of self-occupied property; (j) deductions: (i) Repairs 1/6th of the annual value—sec. 24(1) (i); (ii) insurance—sec. 24(1) (ii); (iii) ground rent—sec. 24(1) (iv); (iv) interest on borrowed capital—sec. 24(1)(v); (v) land revenue etc.—sec. 24(1) (vi); (vi) irrecoverable rent for earlier years—sec. 24(1) (ix); (k) total of deductions; (1) Net chargeable income from self-occupied property being (i) minus (k).

II. INCOME FROM OTHER PROPERTY (LETOUT PROPERTY)

General Particulars

(a) Location of the property; (b) Annual municipal valuation.

Computation of income

(a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year or where property is let and the annual rent received or receivable exceeds the said amount, such rent—sec. 23(1); (b) Deductions: (i) amount of municipal taxes borne by the owner—lst proviso to sec. 23(1)—(ii) allowance for newly constructed property—2nd proviso to sec. 23(1)—(ie) annual value being (a) minus (b); (d) deduction: (i) Repairs 1/6th of the annual value—sec. 24(1)(i)—(ii) insurance—sec. 24(1) (ii); (iii) interest on mortgage or capital charge—sec. 24(1)(iii); (iv) annual charge—sec. 24(1) (iv); (v) ground rent—sec. 24(1) (v); (vi) interest on borrowed capital—sec. 24(1) (vi); (vii) and revenue sec. 24(1) (vii); (viii) collection charges limited to 6% of annual value at (c)—sec. 24(1) (viii); (ix) vacancies—sec. 24(1) (ix); (x) irrecoverable rent—sec. 24(1) (x) and rule 4; (c) total of deductions in (d); (f) net chargeable income from other property being (a) minus (c).

NOTE 8.

CAPITAL GAINS

General Particulars

The following particulars regarding the income chargeable under the head "Capital gains" arising from the transfer of the capital assets resulting in capital gains should be given in respect of each asset:

(a) Description of asset; in case of immovable property, location thereof; (b) date of acquisition; (c) date of transfer; (d) name and address of the transferee; indicate relationship or connection, if any, with the assessee.

Computation of Capital Gains

(a) Full value of consideration for the transfer; (b) Deductions: (i) cost of acquisition or the market value of the asset as on 1st January, 1964—sec. 49, 50 & 51; (ii) cost of improvement of capital—asset—sec. 55(1) (b); (iii) expenditure in connection with the transfer—sec. 48(i); (c) total of deductions in (b); (d) amount of capital gains (a) minus (c).

If the assessee has claimd any exemption of capital gains under sections 53, 54, 54B and 54D or 54E, a statement should be attached giving particulars of the fulfilment of the conditions specified in the relevant section for the exemption.

- NOTE 9. If the assessee has any income by way of interest on tax-free securities or any other income on which a rebate of tax is admissible, or has income which is included in the total income on which double tax tion relief is claimed under section 90 or 91, the assessee should give details thereof in a separate statement.
- NOTE 10. Where a deposit has been made under the Compulsory Deposit Scheme (Income-tax Payers) Act, 1974 for the assessment year, the receipt issued by the deposit office should be forwarded along with the return.

FORM NO. 3

RETURN OF INCOMF

For assessees (other than companies and those deriving income. For use in Income-tax Office INCOME-TAX ACT, 1961. from property held for charitable or religious purposes claiming RULF 12(1) (b) (iii) exemption under section 11) whose total income does not include "Profits and gains of business or profession." Name in block letters Assessment year Telephone Previous Year(s) Office address ending on Telephone Permanent Account Residential address Number State whether State whether *Individual/Hindu undivided family/firm/association of persons/body of *Resident individuals /artificial juridical person. Resident but not ordinarily resident Non-resident

If this is a revised return, pleuse state the date of filing the previous return:

*Strike out whichever is not applicable.

PART J. STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME

	Head of Income		Income/Loss (Rs.) (If nil, write NIL)
1.	SALARIES (ANNEXURE-A)		(11 111) (1110 1 (111)
- 2.	INTERFST,ON SECURITIFS (See Note 1)		
	INCOME I ROM HOUSE PROPERTY (ANNEXURE-B)		
-			
4	(ANNEXURF-C) (a) Relating to short-term capital assets.		
	(b) Relating to other capital assets*		
	* (i) lands or buildings or any rights therein		
	(ii) Other assets		
5.	INCOME FROM OTHER SOURCES		
	(a) Dividends		
	(b) Interest		
	(c) Other items		
(Sc	e Note 2)		
- 6.	Aggregate of items 1 to 5		
7.	Deduct: Unabsorbed depreciation allowance brought forward machinery, plant or furniture or building let on hire.	from earlier years relating to	
8.	GROSS TOTAL INCOME		
G.			
10.	TOTAL INCOME (as rounded off to the nearest multiple of ten r (a) in figures		
	(b) in words		
11.	NET AGRICULTURAL INCOMF (See]Note 3)		
12	Income included in items 1 to 5 being income arising to spouse/min child or any other person as referred to in Chapter V of the Act.	or child/son's wife'son's minor	
	PART II. STATEMEN	VT OF TAXES	
	TAX ON TOTA	 AL INCOME	
[Att	tach statement showing the computation of tax on total income]		
	PRE-ASSESSMENT TAXES		
Λ.	TAX DEDUCTED AT SOURCE		
	(Attach certificates)		
	1. Salaries		
	2. Interest on securities .		
	3. Other interest		
	4. Dividends		
	5. Any other items (Please specify)		
		TOTAL	Rs.

^{*} Strike out whichever is not applicable.

^{*}Strike out whichever is not applicable.

ANNEXURE A -- SALARIES

PART	Į .
------	-----

C	COMPUTATION OF INCOME FROM SALARIES REC	EIVED I RON	и governmen	NT	
p d a	alary including arrears or advance of salary, bonus, wages, ension including commuted value of pension, annuity and glue, pald or allowed during the previous year and house rent nee or other cash allowance/payments and perquisites to the nese are not exempted from tax.	ratuity allow-			-
Less	;				
	(i) Standard deduction:	Sec. 16 (i)			
	ii) Entertainment allowance ;	Sec. 16(ii)		 -	
		-	TOTAL		
– – Net i	ncome assessable under the head "Salaries" carried to item 1	-	_		
	page 1.				
	-	-			
		PART II			
(COMPUTATION OF INCOME FROM OTHER SALARIES	 }		-	
	alary including arrears or advance of salary, bonus, wages, ees, commission, pension (including commuted value of				
p	ension), annuity and gratuity due, paid or allowed during				
th	c previous year, to the extent these are not exempted from tax.				
	ther cash allowances/payments, to the extent these are not tempted from tax.				
(a) House rent allowance -		-		
(b) Conveyance allowance				
(c	Entertainment allowance				
(d) Other items : (Give details)				
	(Give detains)	TOTAL			·
				·	
3. V	alue of perquisites provided by employer:				
	(a) Free or concessional accommodation—Sec. 17(2)(1) & (ii).				
	(b) Free or concessional benefits/amonities—Sec. 17(2)(i below) e.g.	iii) (see Notc			
	(i) Conveyance rule 3(c)				
	(ii) Gas, electricity and water-rule 3(d)				
	(iii) Domestic or personal services				
	(iv) Personal travelling				
	(v) Any other items (give details)				
(c)	Payments by employer in respect of obligations of assessee ding children's educations, income-tax etc.) and sums pa employer for life assurance or annuity— Sec. 17				
	Total of (a), (b) and (c)				
	Profits in lieu of or in addition to salary or wages and any or chargeable under the head "Sularies". (Give details).	ther in-			

6. Deductions in respect of :				-
(a) Standard deduction:	Sec.16(i)			
(b) Entertainment allowance:	Sec.16(ii)			
Total of sub-items (a) & (b)				——
7. Net income assessable under the head "Spage 1.	Salaries" earried to item 1 on			
NOTE: Item 3(b) to be filled in only by ployees whose meome under the				
	ANNEXURE B [See N	Note 5]		
CON	MPUTATION OF PROPERT	Y INCOME		
Net chargeable income from self-occupie	d property.			
2. Net chargeable meome from other prop	perty.			
3. Total net chargeable income carried to	item 3 on page 1.			
A`	NNEXURE C : CAPITAL G	AINS [See Note 6]		
Less: Amount exempt under Sections 53, 5-				
Net amount carried to part (a) of item 4 on pa	age 2		-	-
Capital gains relating to capital assets other the				
Less: Amount exempt under Sections 53, 54				
	Balance:			·- ·- ·
Add: Amount deemed to be income chargeal Sec. 54E(2)	ble under the head "Capital gain			
Net amount carried to part (b) of item 4 on part	age 2		•	
-				
AN	NEXURE D : DEDUCTION	IS [See Note 7]		
PARTICULARS		Gross Amount	Qualifying amount	Amount of deduction
1. Payments on which deduction under Sec	etion 80C is available :	-		
(i) Provident fund				
(11) Life Insurance premium				
(iii) Others (please specify)				
 Income on which deduction under Sectio Interest on securities. 	m 80L is available .			
(ii) Bank interest.				
(iii) Dividends on shares				
(iv) Others. (Please specify)				
3. Donations to which Section 80G applies	s.			
4. Other deductions, if any (Give details).				
Total amount of deduction carried to item	9 on page 2.			

ANNEXURE E: STATEMENT OF OTHER PARTICULARS TO BE FURNISHED UNDER SECTION 133/139

1. IN THE CASE OF AN INDIVIDUAL:

- (i) State whether a citizen of India.
- (ii) If a member of a Hindu undivided family give the name and address of the family.
- 2. IN THE CASE OF A HINDU UNDIVIDED FAMILY, whether the family has at least one member whose total income assessable for the assessment year exceeds the maximum amount which is not chargeable to income-tax? If the reply to this question is in the negative, please attach declaration to this effect from all members of the Hindu undivided family.
- 3. IN THE CASE OI A FIRM/AOP/BOI, attach a statement showing the names and addresses of partners (including minors admitted to the benefits of partnership), members, their individual shares and interse relationship, if any.
- 4 IN THE CASE OF A PARTNER/MEMBER OF A FIRM/AOP/BOI, attach a statement showing the name and address of the firm/AOP/BOI and the names, addresses and individual shares of each partner/member.
- 5. IN THE CASE OF A TRUSTEE OF OR GUARDIAN OR AGENT FOR any other person(s), attach statements showing the names and addresses of such other persons.
- NOTE 1. The following particulars and computation of income chargeable under the head "Interest on securities" should be furnished in a statement attached with this return, namely:—

General particulars:

(i) Particulars of securities; (ii) face value, (iii) gross amount of interest due or received during the year (give separate details regarding Government Securities and debentures and other securities); (iv) amount of tax deducted at source; (v) Remarks, e.g., in the case of a tax-free security enter the word "Tax-free in" this column.

Computation of Income:

[To be given separately for Government securities and debentures and other securities].

- (i) Gross amount due or received [from item (iii) of the general particulars] (ii) Levs; (a) expenses for realising interest—sec. 19(1); (b) interest on moneys borrowed—sec. 19(1i), (c) net amount of interest on securities carried to item 2 on page 1 being (1) minuts (ii).
- NOTE 2. The following particulars should be given in respect of dividend income and computation of income chargeable under the head "Income from other sources" in a separate statement to be attached with the return, namely: -

Statement of dividends:

(i) Name of the company; (ii) number of shares; (iii) gross amount of dividends; (iv) tax deducted at source.

Computation of income:

[Details should be given in respect of (i) gross income, (ii) expenditure claimed and (iii) net income being (i) minus (ii)]

- (a) Dividends; (b) Interest other than interest on securities or interest chargeable as profits of business; (c) other items being total of (i) value of benefit of perquisite—sec 2(24) (iv); (ii) value of benefit of perquisite in the case of a beneficiary or trustee of a trust—sec.2(24) (iva); (iii) winnings from lotteries, crossword puzzles, racus etc.—sec. 56(2) (ib); (iv) hiring of machinery, plant, furniture or buildings—sec. 56(2) (ii) & (iii), (v) annumy or its commuted value—sec. 280D; (vi) profits chargeable to tax under section 59; (d) the net income in respect of (a), (b) and (c) shall be carried to items 5(a), 5(b) and 5(c) on page 1.
- NOTE 3. The net agricultural income has to be computed in accordance with the rules in the relevant. Finance. Act in the following manner, namely:
 - (a) Reat or revenue derived from land used for agricultural purposes; (b) income from any building required as a dwelling house by the cultivator, etc. (c) other agricultural income not being income from sale of tea referred to in item (d); (d) sixty per cent, of the income from sale of tea grown and manufactured in India; (e) share of agricultural income from registered firm/unregistered firm association of persons, etc., computed in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant I inance. Act; (f) aggregate of items (a) to (e) (subject to adjustment of losses in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act); (g) less; Agricultural income-tax, rayable to the State Government on the agricultural income of the previous year; (h) net agricultural income being (f) minus (g).
- NOTF 4. Before signing the declaration, the signatory should satisfy himself that the return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects.
 - Any person making a false statement in this return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the L.T. Act, 1961, and on conviction be punishable—

- (i) in a case where the tax sought to be evaded exceeds one likh rupee—with rigorous imprisonment which shall i of le less than six months but which may extend to seven years and with fine
- (ii) in any other case, with rigorous imprisonment which shall not be less than three months but which may extend to three years and with fine
- NOTE 5 The following particulars computation of income chargeable under the head 'income from house property' for each house property may be furnished in a statement attached with this return, namely

1 SELF-OCCUPIED PROPERTY

General particulars

(a) I pertion of property, (b) Annual municipal valuation

Computation of income

(a) Amount for which the property might reasonably be expected to let-from year to year-sec 23(1), (b) municipal taxes—first proviso to sec 23(1), (c) balance being (a) minus (b), (d) if property owned by co-owerns, such co-owners' share in (c) (e) balance being (c) minus (d), (f) di duct one half of the balance at (c) or Rs 18 00, whichever is less, (g) the amount arrived at by deducting (f) from (e) being limited to ten per cent of the gross total income exclusive of income relating to self-occupied property—proviso to sec 23(2), (h) deduction for property neither let nor occupied (applicable where the assessee owns one residential house only)—sec 23(3) (i) annual value of self-occupied property (j) deductions (i) Repairs 1 6th of the annual value—sec 24(1)(i), (ii) insurance—sec 24(1)(ii) (iii) interest on mortgage or capital cha ge sec 24(1)(iii) (upto assessment year 1968-69), (iv) annual charge—sec 24(1)(iv) (vii) ground rent—sec 24(1)(v), (vii) interest on borrowed capital—sec 24(1)(vii), (viii) land revenue, etc.—sec 24(1)(vii), (viii) irriecoverable rent for earlier years—sec 24(1)(v), (k) total of deductions, (1) Net chargeable income from self-occupied property being (i) minus (k)

II INCOME FROM OTHER PROPERTY (LET OUT PROPERTY)

General Particulars

(a) Location of the property, (b) Annaul municipal valuation

Computation of income

(a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year or where property is let and the annual rent received or receivable exceeds the said amount, such rent—sec 23(1), (b) Deductions (i) amount of municipal taxes borne by the owner—lst proviso to sec 23(1) (ii) allowance for newly constructed property—2nd proviso to sec 23(1) — (c) annual value being (a) minus (b), (d) deduction—(i) Repairs 1 6th of the annual value sec 24(1)(i) (ii) insurance—sec 24(1)(ii), (iii) interest on mortgage or capital charge—sec 24(1) (iii) (upto assessment year 1968-69), (iv) annual charge—sec 24(1) (iv), (v) ground rent—sec 24(1)(v); (vi) interest on borrowed capital—sec 24(1)(vi), (vii) land revenue, etc—sec 24(1) (viii), (viii) collection charges limited to 6° of annual value at (c)—sec 24(1) (viii), (ix) vacancies—sec 24(1)—(ix) (x) irrecoverable rent—sec 24(1)(x); (e) total of deductions in (d), (f) net chargeable income from other property being (c) minus (e)

NOTF 6

CAPITAL GAINS

General particulars

The following particulars regarding the income chargeable under the head. Capital gains alising from the transfer of the capital assets resulting in capital gains should be given in respect of each asset.

(a) Description of asset, in case of immovable property, location thereof, (b) date of acquisition; (c) date of transfer, (d) name and address of the transfree, indicate relationship or connection, if any, with the assessee

Computation of capital gains

- (a) Full value of consideration for the transfer, (b) Deductions (i) cost of acquisition or the market value of the asset as on 1st January, 1964 secs 49,50 & 51 (ii) cost of improvement of capital asset sec 55(i)(b); (iii) expenditure in connection with the transfer sec -48(i), (c) total of deductions in (b); (d) amount of capital gains (a) minus (c). If the assessee has claimed any exemption of capital gains under sections 53, 54, 54B or 54F, a statement should be attached giving particulars of the tulfillment of the conditions specified in the televant section for the exemption
- NOTF 7 If the assessee has any income by way of interest on tax-free securities or any other income on which a rebate of tax is admissible, or has income which is included in the total income on which double taxation relief is claimed under section 90 or 91, the assessee should give details thereof in a separate statement
- NOTE 8 Where a deposit has been made under the Compulsory Deposit Scheme (Income-tax Pavers) Act, 1974 for the assessment year, the receipt issued by the deposit office should be forwarded along with the return

*Strike out whichever is not applicable

RETURN OF INCOME

FORM NO.3A				For use in Income-tax Office
INCOME-TAX ACT, 1961.	For assessees inclused in Formation 11	ding companies claimi	ng exemption under	
RULE 12(1)(c)				
Name in block letters				Assessment year
Office address:		-	Telephone	Previous year(s) ending on
Res dential address			Telephone	Permanent Account Number
State whether *individuals or artif	dual/company/firm/asso icial juridical person.	ciation of persons/body	State whether *Resident	
			Resident but not ord	
_	_		Non-resident	
	ırn, please state the date		turn.	Whether registered with Commissioner sec. 12A(a).
		A(b) attached ? *Yes N	0	*Yes/No
		AL INCOME AND N	ET AGRICULTURA	L
HEAD C	DF INCOME			Income/Loss (Rs.) (If nil, write 'NII')
	SECURITIES [See Note	e I]		
	HOUSE PROPERTY	See Note 2]		
3. PROFITS AND C	GAINS OF BUSINESS	(a) Share in profits of	a registered firm—	
OR PROFESSION	4	ANNEXURF A		
		(b) Share in profits of AOP/BOI—ANN	FXURE A	
[Income/loss from spec stated separately aga		(c) Any sum received	in respect of a dis-	
		(d) Business or profes items (a), (b) & (c)		
4. CAPITAL	(a) Relating to short-	term capital assets;		~
GAINS.	(b) Relating to other	capital assets.		
(ANNEXURE B)	(i) lands or building	s or any rights therein		
	(ii) other assets.			
5. INCOME FROM OTHER SOURCES	(a) Dividends(b) Interest(c) Voluntary contrib(d) Other items.	outlons.		
[See Note 4]				
6. Aggregate of items	1 to 5			• = -

[भा	म II—खण्ड 3(is)		भारत कः राजपत्न । स्रशासारण	150/9
7.	Deduct :		nabsorbed losses/allowances brought forward from earlier turs—under sections 12(2), 35(1) and 12 to 79	
			tvestment allowances development rebate development llowance under section 32A(3)/33(2) 33A(2)	
8	BAI ANCF			
9.	DEDUCT :			
	(i) Amount app year.		naritable or religious purposes in India during the previous	
	400		otes 5 & 6]	
	during the p		have been applied to charitable or religious purposes in India ear clause 2 of the Explanation to sec.11(1) s 5 & 61	
	(iii) Amount* ac or religious	cumulate purposes	ed or set apart/finally set apart, for application to charitable to the extent it does not exceed 25 per cent, of the income wheld in trust *wholly/in part only, for such purposes	
	(iv) Amount elig	iblc for ex	semption under section 11(1)(c)— (Give details).	
	apart for spe		to the amount referred to in (iii) above, accumulated or set rposes if all the conditions in section 11(2) are fulfilled.	
	(vi) Total of (i)			
10.	BALANCE			
11.	Add:			
	(i) Income char	geable ur	nder section 11 (1B)	
	(ii) Income char	geable un	nder section 11(3)	
	(iii) Income in re of the provis		which exemption under section 11 is not available by reason ec.13.	
			[ANNEXURE C]	
12.	GROSS TOTAL I	NCOME	(10 plus 11)	and the state of t
13.	Less: Admissible	deduction	s: (Annexure D)	** ************************************
14.	TOTAL INCOME	(as rou	nded off to the nearest multiple of ten rupees—sec.288A) figures	
		(b) in	words	
15.	NET AGRICULT	URAL II	NCOME [See Note 9]	
	PART II:	STATEM!	ENT OF TAXES	
			TOTAL INCOME ng the computation of tax payable on total income]	
	F	RE-ASSI	ESSMENT TAXES	
A.	TAX DEDUCTI (attach certificate		OURCE	
	1 Interest on sec	uritieo		

2. Other interest

*Strike out whichever is not applicable. 1232 GI/80-8

	3. Dividends		
	4. Any other income.		
	(Please specify)		
		TOTAL	Rs,
В.	ADVANCE TAX	10110	
ь.	(Attach challan)		
	Date of payment	Amount	
		***** ** **	
	••••••		
		Application of the Control of the Co	
		TOTAL	Rs.
C.	TAX ON SELF ASSESSMENT		
-	(Attach challan)		
	Date of payment	Amount	
	•••••	•••••	. Rs.
	TOTAL OF A. B and C		
	PART III. PARTICULARS OF INCOME CLA	AIMED TO BE EXEMPT	
	FROM TAX AND NOT INCLUDE	ED IN PART I:	
	PARTICULARS	AMOUNT	REASONS WHY NOT TAXABLE
	THE RETURN OF INCOME OR P TAX OR COMPULSORY DEPOSI		
1.	If there has been delay in funrishing the return of income, please indicate whether the application in Form No.6 h		*Yes/No
2.	If yes, please state the date of application and receipt nu	mber.	
3.	If there has been a default in furnishing the return of inco tax or the compulsory deposit, the reasons therefor shou ment to be attached with the return.		
	C VERIF	FICATION [See Note 10]	
it is	I,(Name in full at are that to the best of my knowledge and belief, the information and complete and that the amount of total incomious year(s) relevant to the assessment year 19—.	mation given in this return and	the annexures and statements accompanying
	I further solemnly declare that during the said previous	s year (s)—	
	(a) no other income accrued or arose to or was receive	d by me from any asset held in	my name;
	(b) there is no other income, including income of any of tax Act, 1961.	other person, in respect of which	ch I am chargeable to tax under the Income
	*I further solemnly declare that during the said previous	•	
	(a) no other income accrued or arose to or was received asset held in the name of the person for and on who		
	(b) there is no oth r income, including income of any oth is furnished is chargeable to tax under the Income-t	her person, in respect of which that Act, 1961.	he person for and on whose behalf this return
	I further declare that I am making this return in my cap verify it.	pacity as and the designation)	nat I am competent to make this return and
Date	3		(Signature)
	e		
*Ctri	ke out whichever is not applicable.		

	SHARE FROM A FIRM OR A	ASSOCIATION OF PERSONS (OR BODY OF INDIVIDUAL	.S
	-		ness (ther than speculation) 1 profession,	Speculation business.
	(A) Registered firms		•	
	1. Amount of share in profit,	loss.		
	2. Deduct (Add, if the above	figure is a loss)		
	Expense, claimed			
3.	(Give details) Net profit/loss, carried to item 3(a)	nn nome 1		
٥,	iver promplets, carried to nem s(a)	——————————————————————————————————————		
	(B) Unregistered firms/association individuals 1. Amount of share in profit,			
	2. Deduct (Add, if the above Expenses claimed (Give de	figure is a loss)		
3.	Net profit/loss, carried to item 3(b)	on page 1.		
	ANNEXURE B : CAP	ITAL GAINS [See Note 11]	 -
	Capital gains relating to short-term	capital assets		
	Less: Amount exempt under section	n 53, 54, 54B or 54D		
. –	Net amount carried to part (a) of ite	em 4		
	Capital gains relating to capital asset			
	Loss: Amount exempt under section	ns 53, 54, 54B, 54D or 54E		
	Net amount carried to part (b) of ite	· · ·		
-		· · ·	- ·	
-	Net amount carried to part (b) of ite PART I— STATEMENT SHOW INSTITUTION AS OF SUB-PART A INVESTMENTS	ANNEXURE C ING THE INVESTMENT OF N THE LAST DAY OF THE F	PREVIOUS YEAR(S) ING THE PREVIOUS YEAI	R(S)
	Net amount carried to part (b) of its PART I— STATEMENT SHOW INSTITUTION AS OF SUB-PART A— INVESTMENTS IN CONCERN IN INTEREST.	ANNEXURE C ANNEXURE C ING THE INVESTMENT OF N THE LAST DAY OF THE F HELD AT ANY TIME DURI WHICH PERSONS REFERRI	PREVIOUS YEAR(S) ING THE PREVIOUS YEAI ED TO IN SECTION 13(3) HA	R(S) .ve a substantjal
 SI. No.	Net amount carried to part (b) of ite PART I— STATEMENT SHOW INSTITUTION AS OF SUB-PART A— INVESTMENTS IN CONCERN IN INTEREST. Name and address of the concern.	ANNEXURE C ING THE INVESTMENT OF N THE LAST DAY OF THE F HELD AT ANY TIME DUR	PREVIOUS YEAR(S) ING THE PREVIOUS YEAR ED TO IN SECTION 13(3) HA minal value of Income from	R(S) NE A SUBSTANTIAL The words of the amount
	Net amount carried to part (b) of ite PART I— STATEMENT SHOW INSTITUTION AS OF SUB-PART A— INVESTMENTS IN CONCERN IN INTEREST. Name and address of the concern.	ANNEXURE C ANNEXURE C ING THE INVESTMENT OF N THE LAST DAY OF THE F HELD AT ANY TIME DURY WHICH PERSONS REFERRI Where the concern is Not a company, No. and the	PREVIOUS YEAR(S) ING THE PREVIOUS YEAR ED TO IN SECTION 13(3) HA minal value of Income from	whether the amount coi. (4) exceeds 5% of the capital of the concern during the previous year, say
	Net amount carried to part (b) of ite PART I— STATEMENT SHOW INSTITUTION AS OF SUB-PART A— INVESTMENTS IN CONCERN IN INTEREST. Name and address of the concern.	ANNEXURE C ANNEXURE C ING THE INVESTMENT OF N THE LAST DAY OF THE F HELD AT ANY TIME DURY WHICH PERSONS REFERRI Where the concern is Not a company, No. and the	PREVIOUS YEAR(S) ING THE PREVIOUS YEAR ED TO IN SECTION 13(3) HA minal value of Income from investment. Invostment.	whether the amount coi. (4) exceeds 5% of the capital of the concern during the previous year, say
	Net amount carried to part (b) of ite PART I— STATEMENT SHOW INSTITUTION AS OF SUB-PART A— INVESTMENTS IN CONCERN IN INTEREST. Name and address of the concern.	ANNEXURE C ANNEXURE C ING THE INVESTMENT OF N THE LAST DAY OF THE F HELD AT ANY TIME DURY WHICH PERSONS REFERRI Where the concern is Not a company, No. and the	PREVIOUS YEAR(S) ING THE PREVIOUS YEAR ED TO IN SECTION 13(3) HA minal value of Income from investment. Invostment.	whether the amount coi. (4) exceeds 5% of the capital of the concern during the previous year, say
	Net amount carried to part (b) of ite PART I— STATEMENT SHOW INSTITUTION AS OF SUB-PART A— INVESTMENTS IN CONCERN IN INTEREST. Name and address of the concern.	ANNEXURE C ING THE INVESTMENT OF NTHE LAST DAY OF THE F HELD AT ANY TIME DURY WHICH PERSONS REFERRI Where the concern is Not a company, No. and the class of shares held.	PREVIOUS YEAR(S) ING THE PREVIOUS YEAR ED TO IN SECTION 13(3) HA minal value of Income from investment. Investment. 4 5	R(S) NE A SUBSTANTIAL Whether the amount coi. (4) exceeds 5% of the capital of the concern during the previous year, say Yes/No. 6
No,	Net amount carried to part (b) of ite PART I— STATEMENT SHOW INSTITUTION AS OF SUB-PART A— INVESTMENTS IN CONCERN IN INTEREST. Name and address of the concern.	ANNEXURE C ING THE INVESTMENT OF NTHE LAST DAY OF THE F HELD AT ANY TIME DURY WHICH PERSONS REFERRI Where the concern is Not a company, No. and the class of shares held.	PREVIOUS YEAR(S) ING THE PREVIOUS YEAR ED TO IN SECTION 13(3) HA minal value of Income from investment. Investment. 4 5	R(S) We a substantial Whether the amount coi. (4) exceeds 5% of the capital of the concern during the previous year, say Yes/No.

TOTAL

PART II : INCOME IN RESPECT OF WHICH EXEMPTION U/S. 11 JS NOT AVAILABLE BY REASON OF THE PROVISIONS OF SECTION 13.

Q.1	Does an	ıy of th	e follo	wing	provi	stons	fsect	ion 13	9(2) of	the 1	ncom	e-tax A	ct a	pply i	n t hi s	:9 sc				
	Clause	(a)																*Y	s/ N o	
	Clause	(b)																*Y	s/No	
	Clause	(c)																*Ye	s/No	
	Clause	(d)																*Y	es/No	
	Clause	(e)				•												*Y	es/No	
	Clause	-													•		•	*Y	es/No	
	Clause	(g)	•	•				-										*Ye	s/ N o	
Q.2	If there, aftern a					n sub-	part A	\ of Pa	rt I	of this	Anne	xuic, is	thes	nswej	r in C	ol. (6)	agains	t any of th	ese entries in the	
		Amou	unt of	incon	ne in	respec	t of v	which	ехет	rtion	under	sectio	n 11	is for	feited			@ Rs.		
	ASE I. V					c₃" ag	ainst	any it	em in	Q. 1	or ag	ainst Q	. 2 o	ragai	inst bo	th, er	iter her	e the whol	e of the amount in	1
CA	SE II.	W here	the a	nswer	is "N	lo" ag	ainst	all th	e iten	18 IN (Q. 1 a	nd also) ก g a	inst C). 2 aı	d the	re is an	entry in s	ub-Part A of Part	Ι
of t	his Anne	xure, e	enter l	here to	otal o	f the a	mon	nt in c	ol. (5) of s	ub-Par	rt I of	this A	4ллек	ure.				[Sec Note below]
CAS Ann	E III. exure, en	Where iter "N	the at	nswer lerc.	is "N	ែ" ពម្ន	ainst,	all the	item	is in C	Q. 1 az	nd Q . 2	and	there	is no	entr	y in su	b-Part A	of Part I of thi	5
NO clain	TE: ned as d	the a	nioud ons ag	it to gainst	bc en itms	tered i 9 (i), (n Ca (ii) &	se I o (iii) o	r Cas 1 Pag	e II, a e 2,	as the	case n	ıay ≀	be, she	ould r	ot exc	eed th	c aggregat	e of the amouats a	5
						_	ANI	NEXU	REI	D: DI	EDUC	CTION	S [Sc	c Not	te 12]					_
	P/	ARTIC		RS									3ross mou				unlifyi imouni	_	Amount of deduction	•
1. L	ong-tern	ı capita	al ga ir	ış rela	ting t	0—								-						-
	(i) La	nd or l	bud d ir	u g or a	any ii	ghts tl	ı, leir	ı												
	(ii) Otl	ha ass	3 3ائ	Sec. 80	T.															
2. 0	ther ded (Give d			n y																
Tota	ıl amoun	of d c	ductio	on car	rie đ t	o iten	13 o -	n page	3,		.									-
	ANNE	XURE	3E:	STAT	ſĔMĘ	ENT (MAN)F PAGE	ARTIG R(S),	CULA ETC	ARS J	REGA THI	ARDIN E TRU	GT ST	HE A OR I	UTH NSTI	OR(S) LUT(/FOUI	NDER(S)/1	TRUSTEE(S)/	_
Nai	mc(s) of a	eut h or	(s)/fou	ınder(s) and	addr	:ss(cs)), if ali	ve						•					-
Dat	e on whi	ch the	ti ust v	was cr	eated	or in	tıtuti	on esta	iblish	ed.										
Na	mc(s) of	the per	rson (s	s) who	was/	wcre t	ruste	(s) mi	mage	r(9) đ	uring	the pre	viou	s year	(s) .					_
N	tme(s) of	ретьог	ns(s) w	ho ho	ıs/hav	e mad	le sub	stanti	al con	tribut	tion to	the tr	ust/ir	ısti(u ti	ion .					_
ธน	nc(s) of r ich autho ie membe	r, foun	der, ti	rustee,	, man	ager o	r subs	tantia]									the na			-

^{*}Strlke out whichever is not applicable.

__ -_- --- -----

ANNEXURE F

STATEMENT OF PARTICULARS TO BE FURNISHED UNDER SECTION 133/139.

- 1. IN THE CASE OF PARTNER/MEMBER OF A FIRM/AOP/BOI attach a statement showing the name and address of the FIRM/AOP/BOI and the names, addresses and individual shares of each partner/member.
- 2. IN THE CASE OF A TRUSTEE, GUARDIAN OR AGENT for any other person, attach statements showing the name and addresses of such other persons.
- 3. IF THE ASSESSEE HAS PAID/DURING THE PREVIOUS YEAR, rent, commission, royalty or brokerage or any annuity (not being an annuity assessable under the head "Salaries") exceeding one thousand rupees, attach separate statements (according to nature of payment) showing the names and addresses of the payees and the amounts paid. If any payee is a non-resident indicate whether tax has been deducted at source and paid to the credit of the Central Government.
- Note 1. The following particulars and computation of income chargeable under the head "Interest on securities" may be furnished in statement attached with this return, namely:—

General Particulars

(i) Particulars of securities, (ii) face value, (ili) gross amount of interest due or received during the year (give separate dectails regarding Government Securities and debentures and other securities), (lv) amount of tax deducted at source (v) Remarks, e.g., in the case of a tax-free security enter the words "Tax-free" in this column.

Computation of income

(To be given separately for Government Securities, and debentures and other securities)

- (i) Gross amount due or received [from item (iii) of the general particulars]; (ii) Less: (a) expenses for realising interest sec. 19(i)20 and (b) interest on moneys borrowed—sec 19(ii)/20; (iii) Net amount of interest on securities carried to item on page 1 being (i) minus (ii).
- Note 2. The following particulars/computation of income chargeable under the head "Income from house property" for each house property should be furnished in a statement attached with this return, namely:—

INCOME FROM PROPERTY (LET OUT PROPERTY)

(General Particulars)

(a) Location of the property; (b) Annual municipal valuation.

Computation of income

- (a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year or where property is let and to annual rent received or receivable exceeds the said amounts, such rent—sec. 23(1); (b) Deductions: (i) amount of municipal taxes borne by the owner—1st proviso to sec. 23(1); (ii) allowance for newly constructed property-2nd proviso to sec. 23(1); (c) annual value being (a) minus (b); (d) deductions: (i) Repairs—1/6th of the annual value—24(1)(i); (ii) insurance—sec. 24(1) (ii); (iii) annual charge—sec. 24(1)(iv); (iv) ground rent—sec. 24(1)(v); (v) interest on borrowed money—sec. 24(1)(vii); (vii) land revenue, etc.—sec. 24(1) (viii); (vii) collection charges limited to 6% of annual value at (c)—sec. 24(1) (viii); (viii) vacancies—sec. 24(1)(ix); (ix) irrecoverable rent—sec. 24(1)(x) and rule 4; (e) total of deductions in (d); (f) not chargeable income from other property being (a) minus (e).
- Note 3. The following particulars should be given in regard to the income chargeable under the head "Profits and gains of business or profession" in a statement to be attached with the return of income, namely:—

General Particulars

PART I

BUSINESS OR PROFESSION (OTHER THAN SHARE IN FIRM/AOP/BOI)

(i) Name in which business or profession is carried on; (ii) Address of principal place of business or profession; (iii) Names and addresses of branches; (iv) Nature of business or profession; (v) Method of accounting; State whether "Mercantile/Cash/Mixed; (vi) Method of stock valuation; (vii) If regular books of account are maintained, attach copies—(a) manufacturing account, trading account, profit and loss account or income and expenditure account or any other similar account and balance sheet; If accounts have been audited, copies of audited accounts should be attached alongwith a copy of the Auditors' report; If an audit of cost accounts of the company has been conducted under section 233B of the Comapnies Act, 1956

(1 of 1956) a copy of the Auditor's report and copies of personal accounts of the directors should also be attached; (b) in the case of—(i) a proprietary business or profession, the personal account of the proprietor; (ii) a firm, association of persons or body of individuals, personal accounts of the partners or members; (iii) a partner or member of a firm, association of persons or body of individuals, his personal account in the firm, association of persons or body of individuals; (viii) If regular books of account are not maintained, attach a statement indicating the amounts of turn over or gross receipts, gross profits, expenses and net profit of the business or profession and the basis on which such amounts have been computed and disclosing the amounts of the total sundry debtors, sundry creditors, stock-In-trade and cash balance as at the end of the previous year. (ix) Additional information to be furnished by assessees engaged in contract work—(a) if the value of materials supplied by the person with whom the contract was made or the amount of security deposit (out of the payment due for work done) retained by him has not been included in the gross receipts shown, state here the amount thereof.

Value of materials security deposit.

- (b) Has information regarding building or supply contracts been furnished to the Income-tax Officer concerned under section 285A?

 *Yes/No.
- (x) Additional information to be furnished by producers of cinematograph films—Has statement of payments to persons engaged in the production of cinematograph films been delivered to the Income-tax Officer concerned under section 285B? *Yes/No.
 - (2) Computation of Assessable Profit/Loss from business or profession for the previous year:
- 1. Net profit or loss as per P&L Account, etc., exclusive of share in profits of firm/association of persons/body of individuals Add (Deduct, if the above figure is a loss).
- 2. Amount debited to the P&L Account, in respect of: (a) losses of earlier years, (b) income-tax, surtax, penalty, etc. (c) personnel expenditure including charity and presents, (d) capital expenditure, (e) expenses, allowances and payments not deductible under section 40(a), 40A(5) or (6) (give details) (f) expenses and allowances not deductible under section 40(c), (g) expenditure not admissible under section 40A(2), (h) expenditure claimed as deduction elsewhere in this return, (i) depreciation—considered separately, (j) investment allowance, development rebate and development allowance-considered separately (Attach Form Nos. 5 and 5A), (k) reserve or provision for bad debts, (l) interest credited to any reserve or any fund.
- 3. Other expenses, etc., debited to P&L Account, etc. to the extent not admissible:
 - (a) Rent, rates, taxes, repairs and insurance premium of assets not used wholly for business—sec. 30/31. (b) loss on sale of assets—sec. 32(1) (iii) (give details), (c) rehabilitation allowance—sec. 33B (give details), (d) expenditure on scientific research or sums paid to scientific research associations, etc.—sec. 35 (give details) (c) expenditure on patent rights or copyrights—sec. 35A, (f) rural development allowance—sec. 35CC(g) expenditure by way of payment to associations and institution for carrying out rural development programmes or for training of persons for implementing such programmes—sec. 35CCA, (h) preliminary expenses—section 35D (attach Form No. 3B), (i) expenditure on prospecting for and development of minerals—sec. 35B (attach Form No. 3B) (give details), (j) payment of bonus to the extent not admissible—sec. 36(1)(ii) (k) contribution to provident, superannuation or gratuity fund—sec. 36(1) (lv) & (v), (l) entertainment expenditure—section 37(2) and (2A), (m) expenditure on advertisement in any souvenir, brochure, etc., published by a political party—sec. 37(2B) (give details), (n) other expenditure on advertisement and on maintenance of guest houses and travelling of employees—sec. 37(3) and (4)/rules 6B and 6D (give details), (o) adjusted expenditure on advertisements, publicity and sales promotion—sec. 37(3A), (give details) [applicable for assessment years 1979-80 and 1980-81 only], (p) expenditure incurred otherwise than by crossed cheques—sec. 40A(3) /rule 6DD (give details), (q) provisions made for payment of gratuity—sec. 40A(7), (r) expenditure by way of interest in respect of deposits—section 40A(8), (s) any other provision/reserve/other expenditure not allowable under sections 28 to 44D.
- 4. Amounts not credited to P&L Account, etc. ; (a) profit chargeable under section 41(1), (3) and (4) (give details) (b) profit chargeable under section 41(2) and 2(A) (give details), (c) any other chargeable profit or gain (give details).
- 5. Total of items 1 to 4.

Deduct: (Add if the figure in item 5 is negative).

- 6. Depreciation computed as per (3) below.
- Income chargeable under heads other than "Profits and gains of business or profession" or income already charged to tax
 in an earlier year credited to P & L Account, etc.
- 8. Deduction in respect of expenditure on scientific research/export markets development allowance/agricultural development allowance admissible in excess of amount debited to P & L Account, etc.—secs. 35, 35B and 35C.
- 9. Any other expenditure/deduction claimed under sections 28 to 44D (give details).
- 10. Total of items 6 to 9.

^{*}Strike out whichever is not applicable.

- 11. Balance profit/loss (5 minus 10).
- (3) The following particul, rs should be given in a statement attached with the return in respect of depreciation allowance and investment allowance, namely: (i) description of assets (in respect of building, indicate whether the building is taken on lease or is owned by the assessee); (ii) written down value of existing assets; (iii) actual cost of assets acquired during the previous year; (iv)capital expenditure on additions or alterations; (v) period of user(only where return relates to assessment year 1969-70 or any carlier year); (vi)amount of moneys payable and scrap value in respect of assets sold, discarded, demolished or destroyed; (vii) amount on which depreciation is allowable [total of items (ii) to (iv) exclusive of amounts relating to assets referred to in item (vii)]; (viii) rate of depreciation; (ix) total number of days worked (to be furnished only if extra shift allowance is claimed); (x)total number of days worked—double shift and triple shift (to be furnished only if extra shift allowance is claimed) (xi) depreciation claimed—(a) initial depreciation; (b) normal depreciation (including extra depreciation for approved hotels) (c) additional depreciation; (d) extra shift allowance—double shift and triple shift; (xii) total depreciation; (xiii) investment allowance claimed (also indicate rate); (xiv) remarks (indicate the amount of initial depreciation, investment allowance or development rebate allowed—respect of the asset in an earlier year).
- NOTE 4. The following particulars should be given in respect of dividend income and computation of income chargeable under the head "Income from other sources" in a separate statement to be attached with the return, namely:—(i) Name of the company; (ii) number of shares; (iii) gross amount of dividends; (iv) tax deducted at source.

Computation of income

[Details should be given in respect of (i) gross income, (ii) expenditure claimed and (iii) net income being (i) minus (ii)]
(a) Dividends, (b) Interest other than interest on securities or interest chargeable as profits of business, or profession, (c) other items being total of (i) value of benefits or perquisites—sec. 2(24) (iv); (ii) value of benefits of perquisities in the case of beneficiary or trustee of a trust—sec. 2(24)(iva); (iii) winnings from lotteries, crossword-puzzles, races etc.—sec. 56(1) (ib); (iv) hiring of machinery, plant, furniture or building—sec. 56(2) (ii) & (iii); (v) annuity or its commuted value—sec. 280D; (vi) profits chargeable to tax under section 59, (d) the net income in respect of (a), (b) and (c) shall be carried to items 5(a) 5(b) and 5(c) on page 2.

- NOTE 5. In the case of a trust or institution which is not created or established wholly for charitable or religious purposes any amount applied to charitable or religious purposes in India during the previous year out of voluntary contributions received by the trust or institution is not allowable as a deduction.
- NOTE 6. Give on a separate sheet details of the purposes and the amount applied to each. Where the option under the Explanation to section 11(1) is exercised, a letter to that effect should accompany, if not already sent.
- NOTE 7. Where any deduction is claimed against item 9(v), the notice in Form No. 10 may accompany. If the notice has already been given a copy thereof should be attached. Details regarding investments or deposits in respect of the income so accumulated or set apart should be given in a separate sheet.
- NOTE 8. Where income is derived from property held under trust in part only for charitable or religious purposes and the aggregate of deduction against items (i), (ii), (iii), (iv) and (v) exceeds that portion of the income which is applicable to such purposes, the claim for deduction should be limited to the amount of the income so applicable.
- NOTE 9. The not agricultural income has to be computed in accordance with the rules in the relevant Finance Act in the following manner, namely:--
 - (a) Rent or revenue derived from land used for agricultural purposes; (b) income from any building required as a dweiling house by the cultivator etc.; (c) other agricultural income not being income from sale of tea referred to in item (d); (d) sixty per cent of the income from sale of tea grown and manufactured in India; (e) share of agricultural income from registered firm/unregistered firm/association of persons, etc., computed in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act; (f) aggregate of items (a) to (e) (subject to adjustment of losses in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act); (g) Ises: Agricultural income tax payable to the State Government on the agricultural income of the previous year; (h) net agricultural income being (f) minus (g).
- NOTE 10. Before signing the declaration, the signatory should satisfy himself that the return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects.

Any person making a false statement in this Return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961, and on conviction be punishable—

- (i) in a case where the tax sought to be evaded exceeds one lakh rupees, with rigorous imprisonment which shall not be less than six months but which may extend to Seven years and with fine;
- (ii) In any other case, with rigorous imprisonment which shail not be less than three months but which may extend to three years and with fine.

CAPITAL GAINS

General Particulars

- NOTE 11. The following particulars regarding the income chargeable under the head "Capital gains" arising from the transfer of the capital assets resulting in capital gains should be given in respect of each asset:
 - (a) Description of asset; in case of immovable property, location thereof, (b) date of acquisition; (c) date of transfer (d) name and address of the transferee; indicate relationship or connection, if any, with the assessee.

Computation of Capital Gains

- (a) Full value of consideration for the transfer (b) Deductions: (i) cost of acquisition or the market value of the asset as on 1st January, 1964—sections 49, 50 & 51 (ii) cost of improvement of capital asset—sec. 55(1)(b); (iii) expenditure in connection with the transfer—sec. 48(i); (c) total of deductions in (b); (d) amount of capital gains (a) minus (c).
- NOTE 12. If the assessee has any income by way of interest on tax-free securities or any other income on which a rebate of tax is admissible, or has income which is included in the total income on which double taxation relief is claimed under section 90 or 91, the assessee should give details thereof in a separate statement.
- NOTE 13. Where a deposit has been made under the Compulsory Deposit Scheme (Incorre-tax payers) Act, 1974, for the assessment year, the receipt Issued by the deposit office should be forwarded alongwith the return."

[No. 3813/F. No.142(16)/80-TPL]
S. N. SHENDE, Secy.
Central Board of Direct Taxes.